RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381

संपादकः- डॉ. देवेन्द्र मालवीय

11 वर्ष

दैनिक

सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

www.sadbhawnapaati.com Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर, गुरुवार ●07 मार्च , 2024 वर्षः-11 अंक- 309 मूल्य -1 रु. कुल पृष्ठ - 8

मिशन लोकसभा

प्रियंका गांधी रायबरेली से लड़ेंगी चुनाव !

अमेठी और वायनाड से दम भरेंगे राहुल, हो गई तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस और खासतौर से गांधी परिवार का गढ़ माने जाने वाले रायबरेली और अमेठी सीट पर अटकलों का दौर खत्म होता नजर आ रहा है। खबर है कि कांग्रेस ने रायबरेली से प्रियंका गांधी वाड्रा को उतारने का फैसला किया है।

साथ ही राहुल गांधी अमेठी और वायनाड दोनों ही सीटों से लड़ेंगे। फिलहाल, इसका आधिकारिक ऐलान होना बाकी है। एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि प्रियंका गांधी रायबरेली सीट से चुनावी डेब्यू करने जा रही हैं। वहीं, राहुल 2019 लोकसभा चुनाव की ही तरह अमेठी और वायनाड से चुनाव लड़ेंगे। खास बात है कि वाम दलों की तरफ से केरल की वायनाड सीट पर उम्मीदवार का ऐलान कर दिया गया था। इसके बाद से ही अमेठी को लेकर भी चर्चाएं तेज थीं।

साल 2004 से ही रायबरेली सीट पर कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी जीत दर्ज करती आ रही थीं। 2019 में वह उत्तर प्रदेश की 80 सीटों में से कांग्रेस की एकमात्र सांसद थीं। इस बार उन्होंने राजस्थान से राज्यसभा का रुख किया। हालांकि, कहा जा रहा है कि अमेठी की जनता के नाम लिखे पत्र में उन्होंने पहले ही गांधी परिवार से ही उम्मीदवार होने के संकेत दे दिए थे। राहुल गांधी ने भी चुनावी डेब्यू अमेठी सीट से किया था। इसके बाद उन्होंने यहा 2009 और 2014 में भी जीत दर्ज की। हालांकि, बीते लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी प्रत्याशी स्मृति ईरानी ने उन्हें 50 हजार से ज्यादा मतों से हरा दिया था। भारतीय जनता पार्टी ने बीते शनिवार को ही 195 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर दी है।

पहली बार 'रोजगार का अधिकार' और एमएसपी की गारंटी भी

जाति गणना पर भी जोर, कांग्रेस का घोषणापत्र बनकर हुआ तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर देश के युवाओं को लुभाने की कोशिश करते हुए पहली बार कोई पार्टी रोजगार का अधिकार की पेशकश करने जा रही है। कांग्रेस के सूत्रों के मुताबिक, 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए ड्राफ्ट घोषणा पत्र में पार्टी ने चुनावी वादे के तहत रोजगार का अधिकार की पेशकश की है। इसके अलावा परीक्षाओं में पेपर लीक के लिए जिम्मेदार लोगों को कड़ी सजा देने की भी पेशकश की गई है। पूर्व वित्त मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम की अगुवाई में पार्टी नेताओं ने लोकसभा चुनावों के लिए पार्टी का एक ड्राफ्ट घोषणा पत्र तैयार किया है, जिसमें युवाओं, किसानों और ओबीसी पर लोक-लुभावन वादे किए हैं। इस ड्राफ्ट घोषणा पत्र पर अब पार्टी की कार्यसमिति में चर्चा की जाएगी, फिर उसमें सुझावों के अनुसार फेरबदल किया जाएगा।

वेयरहाउस में रखी शराब का निरीक्षण करें कलेक्टर

बार्डर पर चेकिंग की तैयारी करें, आचार संहिता लगते ही अवैध रूप से धन की निकासी पर तेज होगी जांच

भोपाल। लोकसभा चुनाव की आचार संहिता लागू होने के पहले प्रदेश के सभी बार्डर पर चेकिंग की तैयारी पूरी करने और शराब गोदामों में उपयोग में आ रहे वेयरहाउस के निरीक्षण के निर्देश कलेक्टरों व पुलिस अधीक्षकों समेत एनफोर्समेंट एजेंसियों को दिए गए हैं। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने अवैध धन निकासी पर भी फोकस करने व जांच टीमें तैयार रखने के लिए कहा है। सीईओ अनुपम राजन ने मंगलवार को लोकसभा निर्वाचन 2024 की तैयारियों के संबंध में निर्वाचन व्यय निगरानी के अंतर्गत एनफोर्समेंट एजेंसियों के राज्यस्तरीय नोडल अधिकारियों के साथ बैठक की। इसमें बॉर्डर पर बने नाकों की जांच, अवैध धन, अवैध मदिरा, महुआ लहान, मादक पदार्थों की रोकथाम, वन नाकों की जांच करने सहित निर्वाचन से जुड़े मसलों पर आयोग की मंशा से अफसरों को अवगत कराया गया। साथ ही राज्यस्तरीय नोडल अधिकारियों से लोकसभा निर्वाचन 2024 को लेकर तैयार की गई कार्ययोजना की जानकारी ली गई। सीईओ राजन ने सभी कलेक्टर एवं एसपी को अपने-अपने जिलों में बने वेयर हाउस का नियमित रूप से निरीक्षण करें।

चिंता नहीं करें, हम आपका ध्यान रखेंगे

संदेशखाली की पीड़ित महिलाओं से बोले प्रधानमंत्री मोदी

कहा-राज्य सरकार आरोपी टीएमसी नेताओं को बचा रही

कोलकाता (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को पश्चिम बंगाल के बारासात में संदेशखाली की पीड़ित आदिवासी महिलाओं से मिले। न्यूज एजेंसी ने बीजेपी सूत्रों के हवाले से बताया- महिलाओं ने उन्हें अपनी आपबीती सुनाई। इसके बाद पीएम ने कहा- चिंता ना करें, हम आपका ध्यान रखेंगे। प्रोटोकॉल की वजह से कुछ बसें समय से बारासात नहीं पहुंच सकीं। इससे पहले प्रधानमंत्री ने कोलकाता में देश की पहली अंडर वाटर मेट्रो टनल समेत 15 हजार 400 करोड़ की योजनाओं का इनॉगरेशन किया। इसके बाद वे नॉर्थ 24 परगना जिले के बारासात में भाजपा की नारी शक्ति अभिनंदन रैली में शामिल हुए। रैली में 85 किलोमीटर दूर से संदेशखाली की महिलाएं भी शामिल होने पहुंची थीं। पीएम ने यहां 38 मिनट का भाषण दिया, जिसमें इंडिया गठबंधन, बंगाल सरकार, संदेशखाली और केंद्र सरकार की योजनाओं पर बोले।

TMC नाम का ग्रहण बंगाल के विकास में रोड़ा

बंगाल पर टीएमसी नाम का जो ग्रहण है, वो राज्य के विकास को आगे नहीं बढ़ने दे रहा है। आपको इंडी गठबंधन को हराना है। देश के कोने-कोने में कमल खिलाना है। नारी वंदन का इतना बड़ा भव्य समारोह, नारी सम्मान में कमल के सम्मान में सब माताओं-बहनों से आग्रह है कि अपना मोबाइल फोन निकालिए फ्लैश लाइट चालू कीजिए। ये नारी सम्मान, नारी शक्ति के सामर्थ्य का परिचय है। आज नारी शक्ति पूरे देश को अपने सामर्थ्य का परिचय दे रही है। भारत को विकसित बनाने के लिए नारी शक्ति को ज्यादा से ज्यादा अवसर देना जरूरी है।

कोलकाता में पानी से 13 मीटर नीचे चलेगी मेट्रो

पीएम मोदी ने किया इनॉगरेशन; 520 मीटर का सफर 45 सेकेंड में होगा पूरा

कोलकाता (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कोलकाता में देश की पहली अंडरवाटर मेट्रो का उद्घाटन किया। यह मेट्रो जमीन से 33 मीटर नीचे और हुगली नदी के तल से 13 मीटर नीचे बनी ट्रैक पड़ दौड़ेगी। 1984 में देश की पहली मेट्रो ट्रेन कोलकाता उत्तर-दक्षिण कॉरीडोर (ब्लू लाइन) में दौड़ी थी। 40 साल बाद एक बार फिर यहीं से देश की पहली अंडरवाटर मेट्रो रेल चलेगी। इसके लिए हावड़ा स्टेशन से महाकरण स्टेशन तक 520 मीटर लंबी टनल बनाई गई है, जिसमें दो ट्रैक बिछाए गए हैं। मेट्रो ट्रेन इस टनल को 80 किमी/घंटे की रफ्तार से सिर्फ 45 सेकेंड में पार कर लेगी। इससे हावड़ा और कोलकाता की कनेक्टिविटी बेहतर होगी।

भिण्ड में विकास की बयार बह रही है: मुख्यमंत्री

- मुख्यमंत्री ने किसान कल्याण योजना के 816 करोड़ 80 लाख से अधिक किसानों को सिंगल क्लिक से किए अंतरित
- 25 लाख से अधिक किसानों को फसल बीमा योजना के 775 करोड़ रुपए अंतरित, 68 विकास कार्यों का भूमिपूजन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भिंड में किसान एवं सहकारिता सम्मेलन में 80 लाख से अधिक किसानों को किसान कल्याण योजना के एक हजार 816 करोड़ रुपए और 25 लाख से अधिक किसानों को फसल बीमा योजना (खरीफ 2023) के 755 करोड़ रुपए ऑनलाइन अंतरित किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 193 करोड़ 35 लाख रुपए के 68 विकास कार्यों का भूमिपूजन, लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नयागांव में महाविद्यालय आरंभ करने, गौरी सरोवर तालाब का विकास कर उसका संपूर्ण कायाकल्प करने, मेहगांव को नगर पंचायत बनाने, भिण्ड के महाविद्यालय में कृषि संकाय आरंभ करने, इटावा से भिण्ड मार्ग निर्माण और लेलवारी पुल निर्माण की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के जन आभार यात्रा के बाद सम्मेलन स्थल पहुंचने पर जनप्रतिनिधियों ने भव्य स्वागत किया। राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा, नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला, सांसद श्रीमती संध्या राय उपस्थित थीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भिण्ड, रथी, महारथी और वीरों की धरती है, यहां के युवा भारत माता को गौरवान्वित करते रहे हैं। चंबल की धरती में देश के दुश्मनों को उनकी सीमा में रखने का साहस और सामर्थ्य है। भिण्ड में विराजमान वनखंडेश्वर महादेव और ददरौआ के डॉक्टर हनुमानजी के चरणों में प्रणाम करते हुए उन्होंने कहा कि भिण्ड की पहचान बीहड़ों और डकैतों से थीं।

नारी शक्ति संवाद का एमपी के 870 स्थानों पर प्रसारण

पीएम मोदी बोले-कुछ लोग मेरे परिवार के बारे में पूछ रहे, पूरा देश मेरा परिवार है

भोपाल। भाजपा सरकार द्वारा महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने और अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में महिला मोर्चा द्वारा ''नारी शक्ति संवाद'' अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज नारी शक्ति संवाद कार्यक्रम को संबोधित किया। मध्यप्रदेश के 870 स्थानों पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संबोधन का लाइव प्रसारण सुना गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के बारासात में नारी शक्ति संवाद कार्यक्रम को संबोधित किया। इस मौके पर पीएम नरेन्द्र मोदी ने विपक्ष पर हमला बोलते हुए कहा- मेरे परिवार के बारे में पूछ रहे ये लोग कह रहे कि मोदी का खुद का परिवार ही नहीं हैं। ये लोग जानना चाहते हैं कहां है मेरा परिवार.... इनको घोर परिवारवादी लोग यहां आकर नजर डालें। यही तो है मोदी का परिवार। पीएम मोदी ने कहा कि बीते 10 वर्षों में भाजपा ने बंगाल और देश के विकास के लिए बहुत ईमानदारी से प्रयास किया है। ऐसे काम को देखते हुए ही पूरा देश कह रहा है, मैं मोदी का परिवार!

870 स्थानों पर हुआ लाइव प्रसारण

शक्ति संवाद कार्यक्रम की संयोजक लता वानखेड़े ने बताया कि मध्यप्रदेश में 870 स्थानों पर महिलाओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन का लाइव प्रसारण देखा। मध्यप्रदेश के 298 नगर परिषद, 99 नगर पालिका, 313 विकासखंड और नगर निगम के 160 जोन में कार्यक्रम आयोजित किए गए। हर स्थान पर डेढ़ से दो हजार महिलाएं कार्यक्रम में शामिल हुईं। कार्यक्रम का सह संयोजक भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष व सांसद माया नारोलिया और विधायक मनीषा सिंह को बनाया गया है। बीजेपी ने दावा किया कि संवाद कार्यक्रम 870 स्थानों में आयोजित किया गया।

बीजेपी एमएलए रामेश्वर शर्मा ने पूछी राहुल गांधी की जाति

कहा-अगर आपने पूछना शुरू कर दिया है तो पहले आपको बताना पड़ेगी

भोपाल। लोकसभा चुनाव से पहले भोपाल जिले के हुजूर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की जातिगत जनगणना की मांग पर टिप्पणी की है। रामेश्वर शर्मा ने ये टिप्पणी शिवाजी नगर स्थित प्रदेश भाजपा कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम के बाद की। कार्यक्रम में सीएम मोहन यादव सहित भाजपा के तमाम वरिष्ठ नेता मौजूद थे। भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा- राहुल गांधी को पहले तो यह बताना पड़ेगा कि उनकी खुद की जाति क्या है, वैसे तो हम लोग सनातन प्रवृत्ति के लोग हैं। हिंदू समाज में वर्ग-जाति का कोई उल्लेख नहीं होता है। राहुल गांधी अगर आपने जाति पूछना शुरू कर दी तो पहले आपको बताना पड़ेगा कि फिरोज खान का नाती किस जाति का है। कांग्रेस नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ द्वारा 10 से 12 सीटें कांग्रेस की आने के दावे पर रामेश्वर शर्मा ने कहा- कमलनाथ जी जो 10 सीटें बोल रहे हैं आगे का एक खत्म हो जाएगा।

हिंद महासागर में नहीं चलेगी किसी की दादागिरी

राजनाथ का चीन को संदेश, गिनाईं नेवी की खूबियां

पणजी (एजेंसी)। भारतीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने चीन को सख्त संदेश देते हुए कहा है कि भारतीय नेवी ने यह सुनिश्चित किया है कि हिंद महासागर में किसी भी तरह का आधिपत्य न हो। सिंह ने गोवा की राजधानी पणजी के पास नौसेना युद्ध महाविद्यालय के नये प्रशासनिक भवन का उद्घाटन करने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए यह बातें कहीं। राजनाथ सिंह ने कहाकि भारतीय नौसेना ने यह

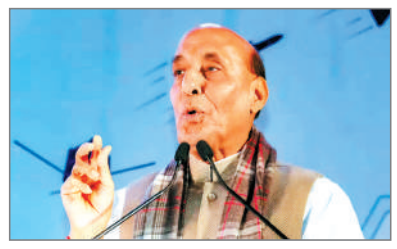

सुनिश्चित किया है कि कोई भी देश अपनी जबरदस्त आर्थिक और सैन्य शक्ति के बल पर हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत के मित्र देशों को दबा नहीं सके। सिंह ने कहा कि नौसेना की तत्परता के कारण भारत अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभा रहा है और हिंद महासागर में सहयोगी देशों को पूरी मदद कर रहा है। इस अवसर पर, उन्होंने पड़ोसी राज्य कर्नाटक के कारवार में सी बर्ड नौसैनिक अड्डे पर एक विमान वाहक और सहायक पोत गोदी का भी वीडियो कांफ्रेंस के जरिये लोकार्पण किया। उन्होंने कहाकि हमारी नौसेना यह सुनिश्चित करती है कि कोई भी देश अपनी सशक्त आर्थिक और सैन्य शक्ति के बल पर हमारे मित्र देशों को दबा न सके या हिंद-प्रशांत क्षेत्र में कुचल न सके।

मुल्लाओं की बात न सुनें

मैंने मोदी से अच्छा इंसान नहीं देखा

नई दिल्ली (एजेंसी)। उम्मीदवार अब्दुल सलाम 195 नामों की पहली सूची में एकमात्र मुसलमान हैं। इसके चलते ही वह खासे चर्चा में हैं, क्योंकि साल 2019 में पार्टी ने किसी मुस्लिम उम्मीदवार को मैदान में नहीं उतारा था। सलाम को केरल की मलप्पुरम सीट से उम्मीदवार बनाया गया है। वह कहते हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें मंत्रमुग्ध किया है। सलाम 71 साल के हैं और केरल की चुनावी राजनीति से परिचित हैं। साल 2016 में भाजपा ने उन्हें तिरूर विधानसभा सीट से उम्मीदवार भी बनाया था।

खेलो इंडिया में जीतो मेडल, सरकारी नौकरी पाओ

नई दिल्ली (एजेंसी)। खेलो इंडिया गेम्स की विभिन्न कैटेगरी में पदक विजेता और तीसरे स्थान पर रहने वाले खिलाड़ी अब केंद्र सरकार की नौकरियों के लिए पात्र होंगे। ये खिलाड़ी भर्ती, पदोन्नति और अन्य प्रोत्साहन के पात्र होंगे। केंद्र सरकार ने खिलाड़ियों की भर्ती और पदोन्नति पर अपने मौजूदा दिशानिर्देशों में बदलाव किया है। ऐसा उन प्रतियोगिताओं को शामिल करने के लिए किया गया है जो हाल के समय में महत्वपूर्ण बन गई हैं। जिन प्रतियोगिताओं को राष्ट्रीय महत्व का दर्जा दिया गया है उनमें राष्ट्रीय खेल महासंघों द्वारा आयोजित राष्ट्रीय चैंपियनशिप, भारतीय ओलंपिक संघ द्वारा आयोजित राष्ट्रीय खेल तथा खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स, खेलो इंडिया युवा खेल, खेलो इंडिया शीतकालीन खेल और खेलो इंडिया पैरा खेल शामिल हैं। बता दें कि कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) ने तीन अक्टूबर, 2013 को भारत सरकार में खिलाड़ियों के लिए भर्ती और पदोन्नति तथा अन्य प्रोत्साहनों के संबंध में निर्देश जारी किए थे।

खिलाड़ियों की भर्ती,पदोन्नति पर नए दिशानिर्देश जारी

अब डीओपीटी ने सोमवार को केंद्रीय सरकार की नौकरियों सहित प्रोत्साहनों के माध्यम से मेधावी खिलाड़ियों की पहचान के लिए संशोधित मानदंड जारी किए गए हैं। डीओपीटी ने सोमवार को पात्र उम्मीदवारों की सूची में खेलो इंडिया यूथ गेम्स (18 वर्ष से अधिक आयु), खेलो इंडिया विंटर गेम्स, खेलो इंडिया पैरा गेम्स और खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में पदक विजेताओं को शामिल करने की घोषणा की।

प्रदेश पाती

दैनिक सद्भावना पाती

इंदौर, गुरुवार 07 मार्च , 2024

संक्षिप्त समाचार

विधायक श्री राय ने प्रदान किए श्रवण यंत्र

सीहोर , निप्र। 18-48 ढ्ढस्त्र जिला अस्पताल में विश्व श्रवण दिवस के अवसर पर जन्म दोष पर कार्यशाला आयोजित की गई। इस अवसर पर 60 व्यक्तियों की जांच की गई जिसमें 20 बच्चे शामिल थे। कार्यक्रम में विधायक श्री सुदेश राय द्वारा 10 व्यक्तियों को श्रवण यंत्र प्रदान किए गए। यह श्रवण यंत्र सामाजिक न्याय विभाग द्वारा उपलब्ध कराए गए हैं। इस अवसर पर विधायक श्री राय ने कहा राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत शीघ्र हस्तक्षेप केन्द्र के माध्यम से बेहतर सुविधाएं प्रदान की जा रही है। प्रदेश के संवेदनशील मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं को सुविधाजनक और आमजनों के लिए आसान बनाने का कार्य किए जा रहे है। जिला चिकित्सालय के अतिरिक्त सह कार्यक्रम समस्त सिविल अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, समस्त पीएचसी एवं ग्राम आरोग्य केन्द्रों पर भी आयोजित किया गया। सिविल सर्जन डॉ.प्रवीर गुप्ता, ईएनटी विशेषज्ञ डॉ.सुधीर श्रीवास्तवद्वारा जन्म दोषों के बारे में बचाव एवं इलाज संबंधित जानकारी दी गई।

पीएम किसान सम्मान निधि योजना से खेती करना हुआ आसान

सीहोर , निप्र। प्रदेश के किसानों को बहुत चिंता और वह किसानों की उन्नति, कल्याण के लिए मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव सदैव प्रयासरत रहते हैं। खेती के विकास और किसानों के कल्याण और उनकी आर्थिक उन्नति के लिए सरकार द्वारा अनेक योजनाएं चलाई जा रही है जिनसे लाखों किसान लाभान्वित हो रहे हैं। यह कहना है जानपुर बावडीआ निवासी श्री अनिल कुमार वर्मा का। किसान अनिल कुमार वर्मा भी उन हितग्राही किसानों में से एक हैं जिन्हें प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि और मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ मिल रहा है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के तहत उन्हें हर साल दो समान किश्तों में चार हजार रुपए तथा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत तीन समान किश्तों में छः हजार रुपए इस प्रकार साल भर में कुल 10 हजार रू की राशि मिलती है। श्री अनित कुमार वर्मा ने कहा कि हम जैसे छोटे किसानों के लिए 10 हजार रूपए बहुत बड़ी रकम होती है। अब उन्हें खेती की छोटी छोटी जरूरतों के लिए किसी से उधार रूपए नहीं लेने पड़ते। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी तथा मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को धन्यवाद देते हुए अनिल कुमार कहते हैं कि सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं से किसानों को बड़ी मदद मिल रही है।

खसरे को ई-केवायसी के सत्यापित समग्र आईडी से लिंक करने के निर्देश

विदिशा , निप्र। समग्र पोर्टल पर एक अलग माड्यूल के माध्यम से केवल ई–केवायसी सत्यापित समग्र आईडी –को भूमि से जोड़ने के लिए अनुरोध दर्ज कराया जा सकेगा। यह प्रक्रिया समग्र पोर्टल पर मेन्यू समग्र से भूमि लिंक करें पर जाकर की जा सकेगी। यह प्रक्रिया भी एमपी ऑनलाईन, कॉमन सर्विस सेन्टर के कियोस्क तथा लोक सेवा केन्द्रों के माध्यमों से की जा सकती है। साथ ही यह कार्य सीधे समग्र पोर्टल एवं समग्र मोबाइल एप पर भी किया जा सकता है। यह प्रक्रिया भी पूरी तरह ऽसे निशुल्क है। पटवारी द्वारा सत्यापन के बाद 6 रुपए प्रति खाता एमपीएसईडीसी द्वारा कियोस्क एजेन्सी को दिया जाएगा। समग्र आईडी से लिंक्ड आधार नंबर पर यदि कोई भू–स्वामी एवं खसरा पहले से लिंक पाया जाता है तो संबंधित भू–स्वामी व खसरा विवरण की जानकारी स्क्रीन पर प्रदर्शित होगी। उपयोगकर्ता द्वारा जिला, तहसील, गांव और सर्वे नंबर का चयन करके भू–स्वामी का विवरण देखने हेतु सबमिट किया जाएगा। इस जानकारी के अनुसार केवल वही रिकॉर्ड प्रदर्शित हो सकेंगे जो कि पटवारी द्वारा परिमार्जित किए गए हैं। समग्र में उपलब्ध प्रथम नाम खसरे में उपलब्ध भू–स्वामी के प्रथम नाम से 100 प्रतिशत मिलान होने वाले भू–स्वामी की जानकारी ही प्रदर्शित होगी।

कांग्रेस की प्रदेश सचिव सहित कई नेत्रियां भाजपा में शामिल

न्यू ज्वाइनिंग टोली के प्रदेश संयोजक डॉ. मिश्रा के समक्ष कांग्रेस नेत्रियों ने ली भाजपा की सदस्यता

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और न्यू ज्वाइनिंग टोली के प्रदेश संयोजक डॉ. नरोत्तम मिश्रा और पार्टी के प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी के समक्ष प्रदेश कार्यालय में कांग्रेस की प्रदेश सचिव श्रीमती ममता सिंह सेंगर सहित कई अन्य नेत्रियों ने भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नारी शक्ति के प्रति सम्मान व उनके उत्थान के लिए चलाई जा रही नीतियों से प्रभावित होकर पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर प्रदेश प्रवक्ता सुश्री नेहा बग्गा भी उपस्थित रहीं। भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने वाली नेत्रियों में कांग्रेस महिला मोर्चा की ब्लॉक अध्यक्ष श्रीमती सीमा सिंह राठौर, श्रीमती सिंपल सिंह, श्रीमती शोभा मालवीय, श्रीमती दीप्ति वर्मा, श्रीमती तारा सिंह, श्रीमती पूजा, श्रीमती सरोज त्रिपाठी, श्रीमती सीमा मलैया, श्रीमती शकुंतला बागड़े, श्रीमती सुनीता मेहरा, सुश्री अंजू, वार्ड अध्यक्ष श्रीमती किरण सिंह, श्रीमती मीता खत्री के साथ अखिल भारतीय मेहरा समाज संगठन के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष सुरेद्र मेहरा दर्शन, श्याम सिंह, प्रवीण वर्मा और ओमप्रकाश सैनी शामिल हैं।

गुना एयरपोर्ट पर प्लेन क्रेश, हादसे में ट्रेनी महिला पायलट घायल

● नीमच से सागर जा रही थी, इमरजेंसी लैंडिंग के दौरान हुआ क्रैश

गुना। मध्य प्रदेश के गुना में बुधवार को एक प्रशिक्षु विमान क्रैश हो गया। यह प्रशिक्षु विमान नीमच से सागर जिले के ढाना जा रहा था। प्रशिक्षु महिला पायलट इस विमान को उड़ा रही थी। वह घायल हो गई है। उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। पुलिस के मुताबिक हादसा दोपहर करीब तीन बजे हुआ। विमान में खराबी आ गई थी। इसके बाद 22 वर्षीय प्रशिक्षु पायलेट नैनसी मिश्रा ने गुना हवाई अड्डे पर कंट्रोल रूम से संपर्क किया था। गुना रनवे पर विमान उतारने की अनुमति भी मांगी थी। अनुमति मिलने पर पायलट ने विमान की ऊंचाई कम की और गुना रनवे पर प्लेन को लैंड करने की कोशिश की। इस दौरान विमान क्रैश होकर झाड़ियों में टकरा गया। दुर्घटना की जानकारी मिलते ही कैंट पुलिस सहित एंबुलेंस और फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंचीं। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए महिला पायलट को रेस्क्यू किया और घटना की जानकारी एयरलाइंस कम्पनी को भेजी है।

उज्जैन पुलिस का सराहनीय कार्य : विदेशी पर्यटकों की सहायता की

उज्जैन। मामला उज्जैन के नीलगंगा थाने का है जहां विदेश से आए लूका कारपेली और उनकी महिला सहपाठी महाकाल मंदिर दर्शन करने उज्जैन आए थे। वह ऑटो रिक्शा से वापस जा रहे थे तभी रास्ते में उनका सामान चोरी हो गया है। उज्जैन पुलिस ने दायित्व निभाते हुए सराहनीय कार्य किया और विदेश से आए लूका एवं उनकी सहपाठी को उनका पर्स ढूंढ कर वापस लौटा दिया गया। विदेशी मेहमानों द्वारा उज्जैन पुलिस को अंग्रेजी में नोट लिख कर आभार प्रकट किया गया।

शहर को स्वच्छ रखना हरेक नागरिक का दायित्व-कलेक्टर

विदिशा (निप्र)। स्वच्छता प्रेरणा समारोह के तहत जिला मुख्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में स्वच्छता कार्यो को मूर्तरूप देने वाले उल्लेखनीय कार्य करने वाले सफाई, कामगार, मेट, दरोगा व कर्मी को कलेक्टर श्री उमाशंकर भार्गव, पुलिस अधीक्षक श्री दीपक कुमार शुक्ला, जिला पंचायत सीईओ डॉ योगेश भरसट ने फूल माला पहनाकर, गुलदस्ते भेंटकर सम्मानित किया।

कलेक्टर श्री भार्गव ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि विदिशा जिले को स्वच्छ रखना हरेक नागरिक का दायित्व है। उन्होंने निकाय क्षेत्र के चिन्हित कचरा संग्रहालय स्थलों पर कचरा रखने का आव्हान करते हुए कहा कि सफाईकर्मियों को कचरा उठाने में सहूलियत होगी वहीं कचरा के बिखराव होने से अनेक प्रकार की समस्याएं होती है।

कलेक्टर श्री भार्गव ने कहा कि विदिशा नगरपालिका क्षेत्र के सफाई मित्र, बखूबी अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहे है इस कार्य में आमजनो का सहयोग मिल जाने से स्वच्छता के क्षेत्र में विदिशा अव्वल दर्ज में शामिल हो सकता है। पुलिस अधीक्षक श्री दीपक कुमार शुक्ला ने कहा कि हमे अपने मनन स्थिति में गांठ बांध कर रखना होगा कि स्वच्छता हमारे लिए अतिआवश्यक है। स्वच्छता का स्वरूप हमारे कार्यो से बिगडे ना कि सीख का पालन हम सबको करना होगा। उन्होंने विदेशो में स्वच्छता के लिए जन जागृति और मानव कृत्यों के उदाहरण देते हुए कहा कि जब हमारे प्रदेश का इन्दौर शहर स्वच्छता के क्षेत्र में अव्वल आ सकता है तो विदिशा पीछे क्यों रहें। उन्होंने स्वच्छता के क्षेत्र में जन जागृति की अलख को बढावा देने पर बल दिया। कार्यक्रम को समाजसेवी श्री अतुल शाह ने भी सम्बोधित किया।

रवीन्द्रनाथ टैगोर सांस्कृतिक भवन में आयोजित उक्त कार्यक्रम में प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखने, सुनने के प्रबंध सुनिश्चित किए गए थे। कार्यक्रम में सफाईकर्मियों के द्वारा स्वच्छता के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यो को उद्बोधन के माध्यम से सांझा किया। मौके पर 132 स्वच्छता प्रेरणा के कार्यो को संपादित करने वालो का सम्मान किया गया है गौरतलब हो कि स्वच्छता के क्षेत्र में शहरो की जारी रैकिंग सूची अनुसार प्रदेश में विदिशा 24वें स्थान पर जबकि देश में 73वें स्थान पर है।

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने बुधनी को स्वच्छता सर्वेक्षण में प्रथम आने पर किया पुरस्कृत

सीहोर (निप्र)। भोपाल में आयोजित स्वच्छता प्रेरणा समारोह में स्वच्छता सर्वेक्षण 2023 में राष्ट्रीय स्तर पर वेस्ट जोन में बुदनी नगर परिषद के प्रथम आने पर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कलेक्टर प्रवीण सिंह और उनकी टीम को सम्मानित किया गया। पुरस्कार प्राप्त करते समय बुदनी नगर परिषद की अध्यक्ष श्रीमती सुनीता मालवीय भी उपस्थित थीं।

मुख्यमंत्री डॉ यादव द्वारा नगर परिषद बुधनी को राष्ट्रीय स्तर पर वेस्ट जोन के अंतर्गत प्रथम स्थान प्राप्त करने एवं मध्य प्रदेश के एक लाख से कम आबादी वाले शहरों में स्वछतम सिटी का दर्जा हासिल करने पर पुरस्कृत किया गया। साथ ही बुधनी नगर को वाटर प्लस सिटी का दर्जा एवं गार्बेज फ्री सिटी प्रमाणीकरण के अंतर्गत थ्री स्टार शहर भी घोषित किया गया है।

उल्लेखनीय है कि कलेक्टर श्री प्रवीण सिंह द्वारा बुदनी नगर परिषद द्वारा निकाय को वाटर प्लस का दर्जा दिलाने के लिए अथक प्रयासों के परिणाम स्वरूप बुधनी को राष्ट्रीय स्तर पर न सिर्फ पुरस्कृत किया गया, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर बुधनी अपनी एक अलग पहचान बनाने में भी कामयाब रही है। कलेक्टर श्री प्रवीण सिंह ने बुदनी की टीम को अपने अथक प्रयासों के लिए बधाई दी।

बुधनी को राष्ट्रीय स्तर पर वेस्ट जोन में प्रथम पुरस्कार प्राप्त करने पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा बधाई एवं शुभकामनाएं दीं गई है। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भी बुधनी नगर परिषद को एवं बुधनी के नागरिकों को इस उपलब्धि पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

स्वीप गतिविधि को लेकर बैठक में दिए निर्देश

विदिशा , निप्र। 19-20 ढ्ढस्त्रकलेक्टर श्री उमाशंकर भार्गव ने लंबित आवेदनों की समीक्षा बैठक में आज लोकसभा निर्वाचन 2024 को दृष्टिगत रखते हुए स्वीप गतिविधियों के संबंध में सभी एसडीएम तथा स्वीप पार्टनर्स को आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए कहा है कि जिले में स्वीप गतिविधियों का आयोजन कर मतदाता जागरूकता संबंधी संदेशों का प्रसारण कार्य करें उन्होंने कहा है कि विदिशा जिले में वोट प्रतिशत बढ़े इस हेतु स्वीप प्लान तैयार कर विविध प्रकार की गतिविधियां आयोजित करें ताकि मतदाता बंधु प्रत्येक मत की महत्वता को समझ सकें।

जिला पंचायत सीईओ एवं स्वीप के नोडल डॉ योगेश भरसट ने कहा कि बॉटम 50 मतदान केन्द्रों का चिन्हांकन करें जहां पिछले निर्वाचन में कम मतदान हुआ है के अलावा अन्य कारण जिससे मतदान प्रतिशत कम रहा हो तथा किसी बस्ती जहां मतदान को लेकर भ्रम की स्थिति है वहां पर स्वीप एक्टिविटी आयोजित कर मतदाता बंधुओं को जागरूक कर भ्रम की स्थिति को दूर किया जाए। उन्होंने कहा कि स्वीप का प्लान बनाया जाएगा इसके लिए कैंपस एंबेसडर बनाए जाएंगे, स्वीप एक्टिविटी तहत संपादित कार्यों में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सर्टिफिकेट भी जारी किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि नुक्कड़ नाटक, खेल गतिविधियों के साथ-साथ विविध प्रकार की प्रतियोगिताओं के माध्यम से भी मतदाता जागरूकता के संदेशों का प्रसारण कार्य किया जाएगा। स्वीप गतिविधि अंतर्गत स्वीप बुलेटिन जारी की जाएगी।

बैठक में ऐजेण्डा बिन्दु जिन पर चर जिला स्वीप गतिविधियो की अद्यतन जानकारी, जिला स्वीप प्रोफाईल, मतदाता स्वीप प्रोफाईल, कम मत-प्रतिशत वाली विधानसभा एवं मतदान केन्द्रो का चिन्हांकन, स्वीप अंतर्गत कार्य करने वाली संस्था की हिस्सेदारी एंव उनके द्वारा किये गयें कार्य, जिला स्वीप आईकॉन, जिले के आदर्श मतदान केन्द्रों का चिन्हांकन, पोलिंग स्टेशन की थीम, नवीन मतदाताओ का नाम शत-प्रतिशत मतदाता सूची में दर्ज करने हेतु स्वीप

गतिविधियो का संचालन, महिला मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में शत-प्रतिशत दर्ज करने हेतु स्वीपगतिविधियों के अंतर्गत महाविघालयों में कैम्पेन का आयोजन, स्वीप कोर्डिनेटर की नियुक्ति एवं नियुक्त स्वीप कोडिनेटर द्वारा कार्ययोजना तैयार कर प्रगति रिर्पोट प्राप्त करना, जिला स्वीप प्लान, टर्न आउट इंम्पलीमेंटेशन प्लान, ई.व्ही.एम डेमोस्टेशन सेंटर का संचालन, ट्रेंनिंग एण्ड अवेयरनेस हेतु ई.व्ही.एम व्ही.व्ही.पीएटी मशीन का आवंटन, स्वीप गतिविधि अंतर्गत महाविद्यालयों में विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिता एवं नुक्कड नाटक का आयोजन, सोशल मीडिया के माध्यम से स्वीप गतिविधियों का प्रचार प्रसार, बूथ लेबल अवेयरनेस ग्रुप का गठन एवं संचालन, वोटर अवेयरनेस फोरम का गठन एवं संचालन, लोकसभा निर्वाचन 2024 में शत् प्रतिशत वोटिंग प्रतिशत हेतु कार्ययोजना तैयार करना, नियुक्त केम्पस ऐम्बेसडर के साथ बैठक एवं कार्ययोजना विधानसभा स्तर पर, इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब द्वारा स्वीप गतिविधियो का सतत् संचालन, नियुक्त स्वीप कोडिनेटर द्वारा स्वीप गतिविधियो का संचालन, क्यूआर कोड के माध्यम से नवीन मतदाताओ के नाम मतदाता सूची में दर्ज कराना एवं प्रचार प्रसार करना शामिल रहे।

कलेक्टर-एसपी ने किया कुबेरेश्वर धाम में व्यवस्थाओं का निरीक्षण

सीहोर , निप्र। कुबेरेश्वर धाम में आगामी 07 मार्च से रुद्राक्ष महोत्सव एवं शिव महापुराण कथा का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन में श्रद्धालुओं के आगमन के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं प्रशासन द्वारा की जा रही है। व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए कलेक्टर श्री प्रवीण सिंह एवं एसपी श्री मयंक अवस्थी कुबेरेश्वर धाम में कथा स्थल पर पहुँचे। उन्होंने कथा पंडाल का जायजा लेते हुए श्रद्धालुओं के ठहरने, वाहनों के पार्किंग, पेयजल, साफ-सफाई, भोजन सहित अन्य व्यवस्थाओं के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। आयोजन स्थल पर बनाए गए पानी के प्याऊ, खोया पाया केंद्र तथा पुलिस सहायता केंद्र का भी निरीक्षण किया। इसके साथ ही बेरिकेटिंग एवं पार्किंग के लिए खेतो का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सहायक कलेक्टर श्री अर्पित गुप्ता, सीइओ श्री आशीष तिवारी, एडिशनल एसपी श्री गीतेश गर्ग, एसडीएम श्री तन्मय वर्मा, सीहोर जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नमिता बघेल सहित अधिकारी उपस्थित रहे।

आधार पंजीयन केन्द्र का संचालन शासकीय परिसर के अतिरिक्त अन्य स्थान पर नहीं

सीहोर , निप्र। आधार पंजीयन केन्द्र का संचालन किसी शासकीय परिसर के अतिरिक्त अन्य स्थान पर नहीं किया जा सकता है। यूआईडीएआई दिल्ली तथा एमपीएसईडीसी, भोपाल की गाइडलाइन के अनुसार जिन आधार सुपरवाइजर द्वारा ऐसा किया जाता है वह पूर्णतः अवैध है। साथ ही यदि बाजार की किसी भी दुकान में आधार बनाये अथवा सुधारे जाने संबंधी बोर्ड लगाया जाता है तो वह भी अवैध है। इससे आम नागरिक में भ्रम की स्थिति उत्पन्न होती है और अन्य आधार पंजीयन सुपरवाइजर जो निर्धारित स्थान पर पंजीयन का कार्य कर रहे हैं प्रभावित होते हैं। आधार से संबंधित शुल्क भी शासन द्वारा निर्धारित किए गए हैं। आधार का पंजीयन पूर्णतः निःशुल्क है। इसके पश्चात बायोमेट्रिक अपडेट फोटो, उंगली के निशान, आंख की रेटिना आदि के डेमोग्राफिक अपडेट मोबाइल नंबर, पता आदि सहित 100 रुपये शुल्क निर्धारित है। केवल डेमोग्राफिक अपडेट के लिए 50 रुपये तथा ई-आधार कार्ड के कलर प्रिंट आउट के लिए 30 रुपये का शुल्क निर्धारित है। यदि कोई व्यक्ति अधिक शुल्क लेता है, तो वह अवैध है। आधार केन्द्रों पर शुल्क की जानकारी का बैनर लगा होना, रजिस्टर पंजी संधारित होना, जिसमें हितग्राहियों की डिटेल जानकारी शुल्क का विवरण भी दर्ज होना आवश्यक है। आधार हेल्पलाइन नं. 1947 पर रसीद में दी गयी जानकारी अनुसार शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। आवेदक या पीड़ित व्यक्ति यूआईडीएआई दिल्ली के मेल आईडी help@uidai.giv.in पर भी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। इसके साथ ही संबंधित उपखण्ड (राजस्व) अधिकारी के कार्यालय में जाकर भी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। जिले में आधार के संबंध में जिला ई-गवर्नेन्स प्रबंधक के मेल degssidhi@gmail.com पर भी लिखित में शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

इंदौर शहर की तर्ज पर अब प्रदेश के अन्य शहरों को भी भिक्षावृत्ति मुक्त शहर बनाने का अभियान चलाया जाएगा- सामाजिक न्याय मंत्री कुशवाह

श्री कुशवाह ने इंदौर में भिक्षुक पुनर्वास केन्द्र का शुभारंभ किया

इंदौर। प्रदेश के सामाजिक न्याय मंत्री नारायण सिंह कुशवाहा ने कहा है कि इंदौर की तर्ज पर अब प्रदेश के अन्य शहरों को भी भिक्षावृत्ति से मुक्त शहर बनाने का अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान में समाज की सहभागिता भी सुनिश्चित की जाएगी। नारायण सिंह कुशवाहा ने आज इंदौर में स्माइल परियोजना के तहत भिक्षुक पुनर्वास केंद्र का शुभारंभ किया। इस अवसर पर विधायक रमेश मेंदोला तथा गोलू शुक्ला, सामाजिक न्याय विभाग के आयुक्त डॉ. रामाराव भोंसले, परियोजना के नोडल अधिकारी तथा स्मार्ट सिटी के सीईओ दिव्यांक सिंह तथा परियोजना की संचालक रुपाली जैन भी मौजूद थी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री कुशवाहा ने कहा कि इंदौर शहर को भिक्षावृत्ति से मुक्त करने का कार्य बहुत बड़ा एवं चुनौती पूर्ण है। इंदौर में चल रहा अभियान सराहनीय एवं अनुकरणीय है। इंदौर में इस अभियान को मिल रही सफलता को देखते हुए अब प्रदेश के अन्य शहरों में भी इस तरह का अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान की शुरुआत सबसे पहले उज्जैन शहर से की जाएगी। श्री कुशवाहा ने कहा कि स्वच्छता के साथ अब इंदौर भिक्षावृत्ति मुक्ति में भी नंबर वन शहर बनेगा। सभी की सहभागिता से इंदौर को पूर्ण रूप से भिक्षावृत्ति से मुक्त शहर शीघ्र ही बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस कार्य में धनराशि की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी।

कार्यक्रम को विधायक रमेश मेंदोला ने भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि समाज कल्याण परिसर को समाज की सहभागिता से पीड़ितों की सेवा के लिए सुविधाजनक बनाया गया है। कार्यक्रम के प्रारंभ में सामाजिक न्याय विभाग के आयुक्त डॉ. रामाराव भोंसले, परियोजना के नोडल अधिकारी तथा स्मार्ट सिटी के सीईओ दिव्यांक सिंह ने संबोधित किया।

कलेक्टर-एसपी ने किया कुबेरेश्वर धाम में व्यवस्थाओं का निरीक्षण

सीहोर। कुबेरेश्वर धाम में आगामी 07 मार्च से रुद्राक्ष महोत्सव एवं शिव महापुराण कथा का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन में श्रद्धालुओं के आगमन के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं प्रशासन द्वारा की जा रही है। व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए कलेक्टर श्री प्रवीण सिंह एवं एसपी श्री मयंक अवस्थी कुबेरेश्वर धाम में कथा स्थल पर पहुँचे। उन्होंने कथा पंडाल का जायजा लेते हुए श्रद्धालुओं के ठहरने, वाहनों के पार्किंग, पेयजल, साफ-सफाई, भोजन सहित अन्य व्यवस्थाओं के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। आयोजन स्थल पर बनाए गए पानी के प्याऊ, खोया पाया केंद्र तथा पुलिस सहायता केंद्र का भी निरीक्षण किया। इसके साथ ही बेरिकेटिंग एवं पार्किंग के लिए खेतो का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सहायक कलेक्टर श्री अर्पित गुप्ता, सीइओ श्री आशीष तिवारी, एडिशनल एसपी श्री गीतेश गर्ग, एसडीएम श्री तन्मय वर्मा, सीहोर जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नमिता बघेल सहित अधिकारी उपस्थित रहे। कुबेरेश्वर धाम में 07 मार्च से रुद्राक्ष महोत्सव और शिवमहापुराण कथा आयोजन होगा। आयोजन में श्रद्धालुओं की सुविधा की दृष्टि से सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर श्री प्रवीण सिंह ने कुबेरेश्वर धाम में कथा स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने ग्राम पंचायत सभाग्रह में बैठक आयोजित कर अभी तक की गई तैयारियों की समीक्षा की एवं अधिकारियों को व्यवस्था के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के दल सदस्यों ने जिला चिकित्सालय का निरीक्षण किया

विदिशा (निप्र)। भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के दल सदस्यों द्वारा आज विदिशा के माधवराव सिंधिया शासकीय जिला चिकित्सालय में वित्तीय सहायता से संचालित योजनाओं के क्रियावयन एवं जिला चिकित्सालय में संचालित स्वास्थ्य सुविधाओं तथा सुचारू संचालन हेतु क्रियान्वित कार्यों का जायजा लिया गया।

निरीक्षण दल में आर्थिक सलाहकार आरसीएच स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय नई दिल्ली डॉक्टर केके त्रिपाठी, डिप्टी कमिश्नर चाइल्ड हेल्थ स्वास्थ्य मंत्रालय भारत सरकार डॉक्टर शोभना गुप्ता, लीड कंसलटेंट चाइल्ड हेल्थ स्वास्थ्य मंत्रालय भारत सरकार डॉक्टर बैभव रस्तोगी शामिल रहे। दल सदस्यों के द्वारा अस्पताल में संचालित स्वास्थ्य

सुविधाओं का औचक निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए हैं। इस दौरान कलेक्टर श्री उमाशंकर भार्गव, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर योगेश तिवारी समेत स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी, कर्मचारी स्टाफ व नर्सेज मौजूद रहे।

निरीक्षण दल ने सर्वप्रथम जिला चिकित्सालय के आईईसी बोर्ड का अवलोकन कर अस्पताल के सेल्फी पॉइंट का निरीक्षण किया और यहां लगे बोर्ड पर हस्ताक्षर किए। एसएनसीयू के निरीक्षण के पश्चात डॉ के के त्रिपाठी , डॉ शोभना गुप्ता एवं डॉ वैभव रस्तोगी ने चाइल्ड वार्ड का निरीक्षण कर वार्ड मे संस्था द्वारा दी जा रही सुविधाओं का सूक्ष्म निरीक्षण तथा वार्ड मे भर्ती कुपोषित बच्चों को मिल रही सुविधाओं का निरीक्षण किया। डॉ राकेश अहिरवार एवं डॉ मयूर मौर्य ने विभाग में संचालित गतिविधियों की जानकारी प्रदान की। जिला चिकित्सालय का शॉर्ट प्रेजेंटेशन डॉ राकेश अहिरवार ने दिया। सिविल सर्जन डॉक्टर शिरिष रघुवंशी ने अस्पताल में संचालित समस्त गतिविधियों की जानकारी दी। प्रसूति विभाग के निरीक्षण दौरान विभाग प्रभारी डॉक्टर प्रतिभा ओस्वाल ने प्रसूति विभाग मे संचालित गतिविधियों की जानकारी दी। प्रसूति विभाग के निरीक्षण के पश्चात दल द्वारा ओपीडी का निरीक्षण किया तथा डॉक्टर और मरीजों से संवाद कर स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की।

डॉ के के त्रिपाठी , डॉ शोभना यादव, डॉ वैभव रस्तोगी ने चिकित्सालय में साफ-सफाई, रंगोली, सेल्फी प्वाइंट के साथ-साथ सिविल सर्जन डॉक्टर श्री रघुवंशी द्वारा अस्पताल के हर फ्लोर में मरीजों की सुविधा के लिए प्रारंभ किए गए भोजन स्थल की विशेष रूप से सराहना की जहां मरीजों और उनके परिजन अपना भोजन बेंच टेबल पर बैठकर ग्रहण करते हैं। अस्पताल से प्रस्थान होने के पूर्व दल द्वारा अस्पताल के निरीक्षण पंजी मे अस्पताल द्वारा दी जा रही सुविधाओ और गुणवत्ता की सरहाना कर टीप अंकित की गयी। निरीक्षण दल के द्वारा चिकित्सालय परिसर में वृक्षारोपण भी किया गया।

दैनिक
सद्भावना पाती
...प्राणियों में सद्भावना हो...
इंदौर पाती

इंदौर, गुरुवार 07 मार्च , 2024

ताई बनाम भाई की चर्चा शहर में चलने लगी

इंदौर। प्रदेश के कद्दावर मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के समर्थक लंबे समय से अपने नेता के नाम के आगे सांसद शब्द देखने को लालायित हैं। खुद विजयवर्गीय की भी राजनीतिक इच्छा रही, लेकिन हर बार परिस्थितियां ऐसी बनीं कि बात नहीं बनी। वर्ष 2009 में तो ताई के विरोध के सुर जिस अंदाज में मुखर हुए थे, उन्हें सभी ने देखा-सुना था। तभी से ताई बनाम भाई की चर्चा शहर में चलने लगी। समय बदला और बीते वर्षों में अमित शाह से नजदीकी के साथ संगठन में विजयवर्गीय ने ऐसी पकड़ बनाई कि किसी भी सीट से आसानी से टिकट ले आते, लेकिन बंगाल चुनाव में पार्टी ने जिम्मेदारी सौंप रखी थी, जिसके चलते उन्हें खुद कहना पड़ा कि मैं टिकट की दौड़ में नहीं हूं। अबकी बार लोकसभा चुनाव से ठीक पहले वे संगठन से लौटकर फिर प्रदेश की सियासत में सक्रिय हो गए। लगता है प्रदेश की सियासत में चुनावी प्रबंधन के माहिर राजनेता के लिए संसद की सीढ़ियां चढ़ने के लिए कुछ और इंतजार करना होगा। राजनीति के चौसठ घर के मुकाबले में कांग्रेस की ज्यादातर चालें फीकी ही साबित हो रही हैं। पहले नगर निगम और फिर विधानसभा चुनाव के परिणामों ने 'हाथ' के साथ उसे थामने वालों को हिलाकर रख दिया। मगर बड़े दिनों बाद हाथ थामने वालों के चेहरे 'कमल' की तरह खिले। नगर निगम के एक वार्ड में भाजपा प्रत्याशी का निर्वाचन शून्य घोषित होने से कांग्रेस उम्मीदवार की लाटरी लग गई। लोकतंत्र में यह जनता का फैसला तो नहीं माना जाएगा, लेकिन मतदाता के निर्णय की पहले जैसी पूछपरख अब रही भी नहीं। फिर भी हाथ लगे इस मौके को कांग्रेसी ठीक से भुना नहीं सके। निगम में नेता प्रतिपक्ष चिंटू चौकसे और वरिष्ठ नेता राजेश चौकसे सहित कुछ चेहरे जरूर कांग्रेस प्रत्याशी नंदिनी पिंटू मिश्रा का हौसला बढ़ाने पहुंचे, लेकिन स्वयं को वरिष्ठ नेता कहलाने वाले कई अन्य चेहरे नदारद रहे। यदि भाजपा का कोई प्रत्याशी जीतता तो पूरे शहर में हल्ला हो जाता। कार्यकर्ताओं की पूछपरख के बिना नए दौर में राजनीति करना मुश्किल है।

361 करोड़ की बची शराब दुकानों के लिए 11 को खुलेंगे टेंडर

इंदौर। आबकारी विभाग ने इंदौर जिले की 76 फीसदी शराब दुकानों की नीलामी करने में सफलता हासिल कर ली और लगभग 1148 करोड़ रुपए का राजस्व मिलना तय हो गया। मगर अभी 14 समूहों की 361 करोड़ रुपए की दुकानें बच गई हैं, जिनके लिए टेंडर बुलाए हैं। आबकारी नीति में यह प्रावधान किया गया कि मौजूदा ठेकेदार अगर 15 फीसदी अधिक लाइसेंस फीस देने को तैयार है तो आगामी वित्त वर्ष के लिए ठेका उसी को संचालित करने की अनुमति दी जा सकती है जिसके चलते इंदौर की 174 शराब दुकानों को 64 समूहों में बांटकर नीलामी प्रक्रिया शुरू की गई जिनमें से 50 समूहों पर 50 फीसदी अधिक के प्रस्ताव मिल गए और कुल 76 फीसदी दुकानें चली गई। अब बची 361 करोड़ की 14 समूहों की दुकानों के लिए ई-टेंडर प्रक्रिया शुरू की गई है। सहायक आबकारी आयुक्त मनीष खरे के मुताबिक 6 मार्च से लेकर 11 मार्च तक ये टेंडर जमा किए जा सकेंगे।

आज होगी महिलाओं की वाकेथॉन, 25 हजार से अधिक महिलाएं भाग लेंगी

इंदौर। इंदौर में आज 7 मार्च को परम्परागत वेषभूषा(साड़ी) में महिलाओं की वॉकेथान होगी। इस वॉकेथान में 25 हजार से अधिक महिलाएं साड़ी पहनकर शामिल होंगी। इस अनूठे और अभिनव आयोजन के लिये व्यापक तैयारियां की गई है। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर वन भारत अभियान के तहत आत्मनिर्भर नारी, गर्व से पहने साड़ी के ध्येय को लेकर आयोजित की जा रही है। इस मौके पर बताया गया कि यह वॉकेथान 7 मार्च को शाम 4 बजे से प्रारंभ होगी। नेहरू स्टेडियम से प्रारंभ होकर पुन- नेहरू स्टेडियम में ही सम्पन्न होगी। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम में कलेक्टर आशीष सिंह की पहल पर इंदौर में आयोजित किये गये दिव्यांगजनों के रोजगार मेले में चयनित युवाओं को नियुक्ति पत्र भी दिये जायेंगे।

अपराध में दूसरे स्थान पर मध्यप्रदेश

इंदौर। देश के 28 राज्यों में मध्यप्रदेश (सडक़ दुर्घटनाओं (हिट एंड रन) में टॉप पर है एवं बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराधों में दूसरे नंबर पर है ।एनसीआरबी द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक मध्यप्रदेश की हिट एंड रन के मामलों में अपराध दर 8.8 है, जो कि द्वितीय स्थान पर आने वाले उत्तरप्रदेश राज्य से भी अधिक है। इसी तरह बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराधों की संख्या भी अधिक है। जारी आंकड़ों के अनुसार सिक्किम में 77.4 के उपरांत मध्यप्रदेश 66.4 अपराध दर के साथ द्वितीय स्थान पर है। इंदौर के विधि विशेषज्ञ पंकज वाधवानी ने इन आंकड़ों का तुलनात्मक अध्ययन कर इससे संबंधित आंकड़े जुटाए हैं, जिनमें उक्त तथ्य सामने आए हैं। प्रदेश में इस पर नियंत्रण करने के लिए हाउ टू कंट्रोल क्राइम विषय पर कुछ महत्वपूर्ण कानूनी उपाय राज्य सरकार को उन्होंने प्रेषित किए हैं, जिनमें कहा गया है कि हिट एंड रन के मामले तथा बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराध आम जनता की सहभागिता एवं सक्रियता से ही रोके जा सकते हैं। सुझावों में राज्य सरकार से आग्रह किया गया है कि इन अपराधों के लिए पुलिस-जनता संवाद को बढ़ाया जाना अत्यंत आवश्यक है। साथ ही ऐसे अपराधों की जानकारी देने पर जनता को विभिन्न इंसेंटिव प्रदान किए जाने पर भी कार्य किया जा सकता है।

नौकरी करने के बजाय बनें उद्यमी : प्रहलाद पटेल

इंदौर। पढ़ाई पूरी होने के बाद जीवन के पच्चीस से तीस साल खत्म हो जाते हैं। इस दौरान हर कोई भविष्य बनाने, सपने व लक्ष्य प्राप्त करने का विचार करता है और ये कहीं न कहीं सफलता की वजह बनती है। इस अनुभव को प्राप्त कर आगे का जीवन तय कर सकते है। ऐसा नहीं है कि उम्र के उस पड़ाव पर आने के बाद कुछ नया नहीं किया जा सकता है। वैसे इस तरह जीवन यापन करने के बारे में हर कोई सोचता है। आज जमाना कुछ अलग करने का है। पढ़ाई पूरी करने के बाद अपनी राह खुद निर्धारित करें कि अफसर बनना है या फिर परिस्थितियों से लड़कर आगे बढ़ना है। नौकरी की बजाए उद्यमी बनकर लोगों को रोजगार दें। यह बात ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल ने कहीं। मंगलवार को देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के खंडवा रोड स्थित सभागृह में आंत्रप्रेन्योरशिप एंड रूरल डेवलपमेंट विषय पर सेमिनार आयोजित किया गया। इसके माध्यम से विद्यार्थियों को उद्यमी बनने के बारे में बताया गया। वे कहते हैं कि जीवन जीने का अपना तरीका होता है। उस पर सफलता निर्भर करती है। वैसे सफलता, सार्थक, संतुष्ट ये तीन रास्ते हैं। जिस पर जीवनभर चलना होता है। कई बार ये तीनों रास्ते एक साथ नहीं मिलते है। अधिकांश सफलता और सार्थकता एक साथ मिलते है तो यश प्राप्त होता है। सार्थक और संतुष्टि की बदौलत लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। यदि सफलता, सार्थकता और संतुष्टि तीनों साथ जीवन में कम मिलते हैं, पर यह संयोग रहता है ।भीतर चलता है। बस इस राह पर चलना थोड़ा मुश्किल रहता है। कार्यक्रम में ईआरडीसी प्रमुख चेतन साहोरे और ईआरडीसी के सलाहाकार दयानिधि ने भी अपने विचार रखे। एनएसएस के क्षेत्रीय निदेशक अशोक श्रोती, कुलपति डा. रेणु जैन, कुलसचिव अजय वर्मा मौजूद थे।

संचालक मण्डल की बैठक में लिये गये महत्वपूर्ण निर्णय

इंदौर। इन्दौर विकास प्राधिकरण संचालक मण्डल की बैठक दिनांक 06.03.2024 को सम्पन्न हुई। बैठक में संभागायुक्त मालसिंह, कलेक्टर आशीष सिंह, निगमायुक्त श्रीमती हर्षिका सिंह, संयुक्त संचालक नगर तथा ग्राम निवेश विभाग शुभाशीष बेनर्जी, म.प्र.प.क्षे.वि.वि.कं. कार्यपालक निर्देशक सीताराम बमनके, अजय श्रीवास्तव एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी गौरव बेनल उपस्थित थे।

1. संचालक मण्डल द्वारा देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के खण्डवा रोड़ परिसर एवं आर.एन.टी. मार्ग परिसर में विभिन्न भवनों के निर्माण कार्य एवं परिसर के विकास हेतु 153.11 करोड़ की प्रशासकीय स्वीकृति डिपाजिट मद में प्रदान की गई।
2. एक अन्य निर्णय में संचालक मण्डल द्वारा इन्दौर विकास योजना 2041 के वृद्धित निवेश क्षेत्र में प्राधिकारी की नगर विकास योजनाओं के प्रस्ताव तैयार कर नगर तथा ग्राम निवेश कार्यालय से समन्वय कर प्रस्ताव तैयार किये जाने का निर्णय लिया गया।
3. संचालक मण्डल द्वारा प्रस्तावित विकास योजना 2041 में गंगवाल बस स्टेण्ड से कलेक्टर कार्यालय मार्ग की चैड़ाई संशोधन करने के संबंध में आयुक्त सह संचालक नगर तथा ग्राम निवेश विभाग को सैदांतिक स्वीकृति प्राप्त करने हेतु प्रस्ताव भेजने का निर्णय लिया गया। उल्लेखनीय है कि उक्त मार्ग पर महूनाका फ्लाय ओव्हर का निर्माण प्रस्तावित है।
4. एक अन्य निर्णय में संचालक मण्डल द्वारा इन्दौर रीजनल डेवलपमेंट प्लान की कार्य योजना हेतु निविदा के माध्यम से कंसलटेंट नियुक्त किये जाने का निर्णय लिया गया। इस बाबत दस्तावेज बनाकर अनुमोदित किया गया।
5. संचालक मण्डल द्वारा म.प्र. नगर तथा ग्राम निवेश (संशोधन) अधिनियम-2019 के परिप्रेक्ष्य में प्राधिकारी की योजना क्रमांक 171 को व्यपगत करने हेतु प्राधिकारी बोर्ड के संकल्प क्रमांक 20 दिनांक 24.01.2024 के परिपालन में नीति निर्धारित की गई, जिसके अंतर्गत मुख्यतः भूस्वामियों की जानकारी, स्कीम पर किये गये कुल व्यय की राशि, जिला पंजीयक सहकारी संस्थाओं से संस्थाओं की जानकारी आदि प्राप्त किये जाने के निर्देश दिये गये।

दूषित क्षेत्रों और कटाव वाले हॉटस्पॉट की पहचान करेगा आइआइटी इंदौर

इंदौर। छह प्रमुख नदी घाटियों की सफाई व अध्ययन करने और प्रबंधन योजना तैयार करने के लिए केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय ने 12 शीर्ष तकनीकी संस्थानों के साथ समझौता किया है। इसमें भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर को भी शामिल किया गया है। इसके तहत आइआइटी इंदौर और आइआइटी गांधीनगर को संयुक्त रूप से 98,796 वर्ग किलोमीटर में फैले नर्मदा नदी बेसिन का व्यापक अध्ययन करने का कार्य सौंपा गया है। इस कार्यक्रम में आइआइटी इंदौर के प्रोफेसर एंड डीन मनीष कुमार गोयल के नेतृत्व में प्रोफेसर वर्ग की टीम ने भाग लिया।राष्ट्रीय नदी संरक्षण निदेशालय (एनआरसीडी) योजना के तहत जल शक्ति मंत्रालय और 12 शैक्षणिक संस्थानों (आइआइटी, एनआइटी, और एनईईआरआइ) के बीच समझौता किया गया है। भारत सरकार ने नर्मदा, गोदावरी, कृष्णा, कावेरी, पेरियार, और महानदी के लिए नदी बेसिन प्रबंधन योजनाओं की रूपरेखा तैयार करने के लिए संस्थानों के साथ समझौता किया है।

यह आइआइटी कानपुर के नेतृत्व में सात आइआइटी के संघ द्वारा बनाई गई गंगा नदी बेसिन प्रबंधन योजना की सफलता के बाद किया गया है। इस समझौते को लेकर प्रो. गोयल ने कहा कि आइआइटी इंदौर एक विस्तृत जल बजट रिपोर्ट प्रदान करेगा और तलछट-दूषित क्षेत्रों और कटाव वाले हाटस्पाट की पहचान करेगा। साथ ही बाढ़ संभावित क्षेत्रों का पता लगाना, इससे संबंधी भविष्यवाणी करना, क्षेत्र में जलीय जैव विविधता का आकलन करने और उसे बनाए रखने के लिए उपायों और सुझावों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

इसके अलावा क्षेत्र में मिट्टी, चट्टान और पानी की गुणवत्ता की उपलब्धता का विस्तृत विश्लेषण किया जाएगा। वहीं, संस्थान एक उचित सीवरेज और जल निकासी नेटवर्क योजना और स्वच्छता मैपिंग प्रदान करेगा। साथ ही एकीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रथाओं की क्षमता और टिकाऊ जैविक उपचार तकनीकों की संभावना का भी पता लगाया जाएगा। महानदी नदी बेसिन का अध्ययन एनआइटी रायपुर और एनआइटी राउरकेला द्वारा किया जाएगा। वहीं, गोदावरी नदी बेसिन का अध्ययन आइआइटी हैदराबाद और एनईईआरआइ नागपुर द्वारा किया जाएगा। इसके साथ, कावेरी नदी बेसिन का अध्ययन आइआइएससी बेंगलुरु और एनआइटी त्रिची द्वारा किया जाएगा। इसके अलावा पेरियार नदी बेसिन का प्रबंधन आइआइटी पलक्कड़ और एनआइटी कालीकट द्वारा किया जाएगा।

आरई-2 सड़क में बाधक 250 से ज्यादा मकानों को हटाने का शुरू होगा बड़ा अभियान

100 से ज्यादा लोगों के पट्टे भी निरस्त करने के लिए कलेक्टर से चर्चा की

इंदौर। भूरी टेकरी से नए आरटीओ तक बनने वाली आरई-2 सड़क के लिए कई बाधाओं के कारण मामला अब तक उलझन में पड़ा है। पूर्व में पांच से ज्यादा बस्तियों के लोगों को निगम द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बनाई गई मल्टियों में कुछ जगह फ्लैट भी दे दिए गए लेकिन वे शिफ्ट नहीं हुए। अब निगम और प्रशासन मिलकर बड़ी कार्रवाई कर कई बस्तियों से बाधाएं हटाने की कार्रवाई शुरू करने जा रहा है इसके लिए कई लोगों को पूर्व में मिले पट्टे भी निरस्त किए जाएंगे । नगर निगम ने इसके पहले आरई-2 सड़क में बाधक बन रही बस्ती शिवनगर, शिवकंठनगर, शिवमूर्ति नगर के बाधक मकानों के कई लोगों को मल्टियों में फ्लैट भी दे दिए लेकिन पुराने मकानों से कब्जा नहीं छोड़ा था। नगर निगम अधिकारियों के मुताबिक करीब 250 से ज्यादा मकान आरई-2 सड़क के हिस्से में बाधक हैं और इसके लिए फिर नए सिरे से कार्रवाई शुरू कर दी गई है। जनकार्य समिति प्रभारी राजेंद्र राठौर ने इस मामले में निगमायुक्त हर्षिका सिंह से चर्चा की और बसे पट्टेधारियों के पट्टे निरस्त कराने के लिए बातचीत की। इसके बाद निगमायुक्त ने कलेक्टर से वर्षों पहले लोगों को मिले सौ से ज्यादा पट्टे निरस्त कराने के मामले में चर्चा की। अब आने वाले दिनों में नगर निगम और जिला प्रशासन के अफसर रिमूवल और पुलिस अमला साथ लेकर कार्रवाई शुरू करने वाला है इसको लेकर पूरी प्लानिंग चल रही है। जिन लोगों को फ्लैट नहीं मिले हैं उन्हें फ्लैट दिए जाने की तैयारी की जा रही है, लेकिन इस बार कार्रवाई के दौरान सारे कब्जे और बाधक हिस्से मौके पर ही हटाए जाएंगे ताकि वहां फिर से कब्जे न हो और सड़क का रास्ता भी क्लीयर हो सके।

एरिया का ड्रोन सर्वे पूरा .... अब 15 मार्च तक मांगे जमीनी दस्तावेज

इंदौर। पिछले दिनों प्रशासन ने रेसीडेंसी एरिया के ज़मीन मालिकों से दस्तावेज बुलवाए, तो सिर्फ 40 लोगों ने ही जमा किए। अब एक बार फिर प्रशासन ने जमीन मालिकों को अपने दस्तावेज प्रस्तुत करने का मौका दिया है ताकि उनके राजस्व रिकॉर्ड भी दुरुस्त हो सके। रेसीडेंसी एरिया की 1030 एकड़ अनसर्वेड जमीनों के लिए पहले चरण में ड्रोन के जरिए भी भू-सर्वे का कार्य पूरा किया जा चुका है और राजस्व अमले ने प्रारूप नक्शों का निर्माण भी कर लिया है। अब दूसरे चरण में 6 मार्च से लेकर 15 मार्च तक जमीन मालिकों से अपने दस्तावेज जमा करवाने को कहा। इसमें सरकारी के साथ-साथ जमीनों के रिकॉर्ड भी बनेंगे और साथ ही विगत वर्षों में हुए कुछ और बड़े जमीनी घोटाले भी आएंगे। विगत कई वर्षों से रेसीडेंसी एरिया के सर्वे की कवायद चल रही है और कई कलेक्टरों ने यह कार्य शुरू करवाया मगर अंजाम तक नहीं पहुंचा सके। अब कलेक्टर आशीष सिंह ने इसकी जिम्मेदारी ली है। हालांकि बीच-बीच में राजस्व अमले को अन्य कार्यों में भी झोंकना पड़ता है। अभी लोकसभा चुनाव की घोषणा के साथ प्रशासनिक अमला उसमें जुट जाएगा। बावजूद इसके रेसीडेंसी एरिया में राजस्व सर्वे का पहला चरण पूर्ण कर लिया गया है। अब द्वितीय चरण का कार्य पूर्ण होने पर भूमि स्वामियों को अनेक राजस्व सुविधाओं का लाभ मिलेगा। इंदौर नगर अंतर्गत स्थित अनसर्वेड रेसीडेन्सी एरिया जो कि वर्तमान में तहसील जूनी इन्दौर के रेसीडेंसी एरिया, पटवारी हल्का नं. 3 कस्बा इन्दौर के अंतर्गत आता है, जिसका भौगोलिक रकबा लगभग 1030 एकड़ है, जो कि वर्तमान में अनसर्वेड एरिया है, जिसका भू-सर्वेक्षण का कार्य किया जा रहा है। प्रथम चरण में ड्रोन पलाय कर प्रारूप नक्शों का निर्माण राजस्व विभाग द्वारा किया जा चुका है। तदुपरांत द्वितीय चरण अंतर्गत भू- सर्वेक्षण को प्रारंभ कराये जाने की अधिसूचना का प्रकाशन आयुक्त भू- अभिलेख एवं बन्दोबस्त कार्यालय ग्वालियर द्वारा 12 मई 2023 को किया गया है। राजस्व सर्वेक्षण नियमानुसार आयुक्त भू- अभिलेख द्वारा अधिसूचना जारी होने के पश्चात जिला सर्वेक्षण अधिकारी द्वारा भी अधिसूचना जारी की गई है।

हिंगोनिया और कनाड़िया में कांकड़ की जमीन पर बनाई गई झोपड़ियां प्रशासन और निगम ने हटाई

इंदौर। हिंगोनिया से कनाड़िया के बीच सरकारी कांकड़ पर कई लोगों द्वारा अवैध रूप से झुग्गियां बना ली गई थी। वहां बीते रोज प्रशासन के कई आला अधिकारियों के साथ निगम के अमले ने कार्रवाई की। सुबह 9 बजे के लगभग प्रशासनिक अधिकारियों के निर्देश पर निगम का अमला कनाड़िया थाने पहुंचा। वहां से पुलिस बल लेने के बाद निगम, प्रशासन और पुलिस का अमला हिंगोनिया क्षेत्र में पहुंचा। हिंगोनिया से लेकर कनाड़िया में कांकड़ की जमीन पर बड़ी संख्या में लोगों ने कब्जे कर अवैध रूप से झुग्गियां बना ली हैं। इनकी संख्या 80 से 100 के आसपास बताई जाती है। नगर निगम अधिकारियों के मुताबिक, वहां हंगामा न हो, इसके लिए पर्याप्त मात्रा में पुलिस बल भी साथ लिया गया था और दोपहर में सारी झुग्गियां हटाकर कई लोगों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मल्टियों में फ्लैट भी देने की कार्रवाई मौके पर की गई।

जल, जंगल, जमीन का स्थायी योजना - जल जीवन मिशन : काम भी, आराम भी

इंदौर। जल, जंगल, जमीन सबके लिये अनिवार्य और अपरिहार्य है। जल है, तभी सबका कल सुरक्षित है। भारत सरकार ने इस तथ्य को अंगीकृत किया और हर घर जल की स्थायी व्यवस्था के लिये जल जीवन मिशन प्रारंभ किया। इस मिशन के तहत अब तक देश के करीब 14 करोड़ 40 लाख 47 हजार से अधिक घरों में स्थायी नल कनेक्शन दिये गये हैं। मध्यप्रदेश के 53 हजार 417 गांवो के करीब 67 लाख से अधिक घरों में जल-नल कनेक्शन दिये जा चुके हैं।

महिलाओं को गांव में ही मिल रहा काम

इंदौर जिले के देपालपुर ब्लॉक के झलारिया गांव की सीताबाई बताती है कि पानी लाने के लिए उनके गांव की महिलाओं को घंटों जद्दोजहद करनी पड़ती थी। बहुत दूर से पानी ढोने की थकान से स्वास्थ्य पर भी विपरीत असर पड़ रहा था। झलारिया गांव में जल जीवन मिशन के तहत घर-घर नल की लाइन पहुंचने के बाद उन्होंने ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति को अपनी सेवाएं देने की इच्छा जताई। समिति ने उन्हें पंप ऑपरेटर बनाने के साथ ही गांव से जल कर एकत्र करने की जिम्मेदारी सौंपी। सीताबाई ने काम संभालते ही पूरे गांव को तय समय पर और आवश्यकतानुसार पानी पहुंचाया। साथ ही गांव वालों को बताया कि जल कर जमा कराने से नल-जल योजना का रखरखाव और विस्तार भी आसानी से हो सकेगा। सीताबाई के प्रयासों से गांव वाले जल कर चुकाने के लिये सजग हुए और सीताबाई ने शुरुआत में ही 1.79 लाख रुपए जल कर एकत्र किए और समिति के खाते में जमा करा दिए। अब सीताबाई बेहद खुश हैं कि पंप ऑपरेटर की जिम्मेदारी मिलने से गांव को पानी सप्लाई अच्छी तरह से हो पा रही है। साथ ही मानदेय मिलने से वह आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर भी हो गई हैं। जल कर का भुगतान हो जाने से गांववालों के प्रति ग्राम समिति का विश्वास भी बढ़ा है। उल्लेखनीय है कि जल जीवन मिशन के क्रियान्वयन से हर साल औसतन 30 लाख से अधिक लोगों को योजनाओं के संचालन और रखरखाव संबंधी रोजगार मिल रहा है। आईआईएम बेंगलुरु के एक सर्वेक्षण के अनुसार इस मिशन के लागू होने के पांच सालों में ही हर साल लगभग एक करोड़ 47 लाख से अधिक व्यक्तियों के लिए रोजगार पैदा किया जा सका है।

इंदौर-उज्जैन सिक्स लेन रोड के लिए कंपनियों की तलाश

735 करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट का काम 2026 में पूरा करने का लक्ष्य

इंदौर। इंदौर-उज्जैन के बीच मौजूदा फोर लेन रोड को सिक्स लेन में बदलने के लिए ठेकेदार कंपनी की तलाश शुरू हो गई है। मध्यप्रदेश रोड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एमपीआरडीसी) ने इस काम के लिए टेंडर बुला लिए हैं। इस स्टेट हाईवे की लंबाई 46.47 किलोमीटर है। जो कंपनी इसके निर्माण का ठेका लेगी, उसे दो साल में सिक्स लेन हाईवे बनाकर तैयार करना होगा। इसके निर्माण की लागत 735.36 करोड़ रुपए आंकी गई है। उज्जैन हाईवे चौड़ा होने का फायदा राजस्थान आने-जाने वाले लोगों के अलावा खासतौर पर सिंहस्थ के दौरान मिलेगा। सिंहस्थ में आने वाले कई लोग इंदौर होकर गुजरते हैं। महाकाल दर्शन के अलावा ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग जाने वाले लोगों को भी इंदौर होकर ही आना-जाना पड़ता है। यही वजह है कि इंदौर-उज्जैन हाईवे पर वाहनों का दबाव कई गुना बढ़ जाता है और सिंहस्थ के दौरान बार- बार ट्रैफिक जाम की स्थिति पैदा होती है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इस हाईवे को सर्वोच्च प्राथमिकता से चौड़ा करवाना चाहते हैं। इसका निर्माण इंदौर के अरबिंदो अस्पताल से उज्जैन के हरिफाटक तक किया जाना है। दावा किया जा रहा है कि सिक्स लेन बनने से दोनों शहरों का सफर एक घंटे से भी कम समय में पूरा हो सकेगा। अभी प्रोजेक्ट के लिए जमीन अधिग्रहण होना बाकी है। 15 अप्रैल तक कांट्रेक्टर कंपनियां इस काम के लिए टेंडर फॉर्म खरीद सकती हैं।

राष्ट्रीय लोक अदालत 9 मार्च को, बिजली प्रकरणों पर मिलेगी ब्याज और मूल राशि पर छूट

इंदौर। राष्ट्रीय लोक अदालत शनिवार 9 मार्च को आयोजित हो रही हैं। इसकी मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के तत्वावधान में प्रभावी तैयारी की जा रही हैं। मालवा और निमाड़ में 44 स्थानों (न्यायालयों) पर आयोजित होने वाली लोक अदालत में हजारों प्रकरणों के समाधान के लिए रखे जाएंगे। बिजली कंपनी की ओर से लोक अदालत की सूचना संबंधितों को दी जा रही हैं। लोक अदालत में शासन के निर्देशानुसार 50 हजार रुपये तक की सिविल दायित्व की राशि पर छूट प्रदान की जाएगी। मध्य प्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक अमित तोमर के आदेशानुसार इंदौर जिले के 62 जोन वितरण केंद्र समेत मालवा निमाड़ के 425 जोन, वितरण केंद्रों, कार्यालयों के माध्यम से लोक अदालत की सफलता के लिए प्रभावी तैयारी की जा रही है। लोक अदालत में विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 126 एवं 135 के तहत दर्ज बिजली चोरी एवं अनियमितताओं के प्रकरणों का समझौता होगा। प्री लिटिगेशन के निम्नदाब श्रेणी के पात्र घरेलू, समस्त कृषि, 5 किलोवॉट तक के गैर घरेलू एवं 10 अश्व शक्ति भार तक के औद्योगिक उपभोक्ताओं को छूट मिलेगी।मुख्य सतर्कता अधिकारी आरके आर्या ने बताया कि प्री लिटिगेशन स्तर सिविल दायित्व की राशि पर 30 प्रतिशत एवं ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। लिटिगेशन स्तर के प्रकरणों में आंकलित सिविल दायित्व की राशि पर 20 प्रतिशत एवं ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत छूट दी जाएगी। निर्धारित छूट के उपरांत शेष बिल आंकलित सिविल दायित्व, अपराध शमन राशि एवं ब्याज की राशि का एकमुश्त भुगतान करना होगा। लोक अदालत के दौरान छूट आवेदक द्वारा विद्युत चोरी/अनाधिकृत उपयोग पहली बार किए जाने की स्थिति में ही दी जाएगी। यदि आवेदक के अन्य कोई कनेक्शन भी है, तो वहां की राशि पूर्ण जमा होना आवश्यक है। लोक अदालत के लिए कंपनी स्तर पर हजारों नोटिस दिए जा रहे हैं।

कांग्रेस अपनी अंदरूनी गुटबाजी से मुक्त नहीं

इंदौर। कांग्रेस के युवराज राहुल गांधी इन दिनों न्याय यात्रा पर निकले हैं। पिछली बार जब इंदौर में अपनी यात्रा लेकर आए थे तो विधानसभा चुनाव होने थे। तब राजनीतिक माहौल मुफीद देख सबको टिकट की आस थी, तो सबने यात्रा में पूरे तन-मन-धन से मेहनत की। अब लोकसभा चुनाव होने हैं, लेकिन 'राम लहर' के विपरित दिशा में तैरने के लिए कोई आगे नहीं आना चाहता। जब यात्रा की तैयारियों को लेकर शहर के नेताओं की बैठक हुई तो हजार गाड़ियों के काफिला ले जाने का दम भरा गया। सबके अपने-अपने दावे थे, मगर समीप ही उज्जैन में यात्रा की अगवानी में इंदौरी नेताओं की कुल सौ गाड़ियां भी मुश्किल से नजर आई।

सनातनी पहचान मजबूत करने की कवायद - शहर में कांग्रेस विधायक संजय शुक्ला अपने क्षेत्र की जनता को अयोध्या की यात्रा करवाते थे। अब राजनीति में यही धार्मिक परंपरा उनके भाई गोलू शुक्ला आगे बढ़ा रहे हैं। अंतर बस इतना है कि गोलू भगवा चोले वाली भाजपा के विधायक हैं। गोलू क्षेत्र के रहवासियों को विधानसभा चुनाव लड़े बहुत से चेहरों को कार्यकर्ता तलाशते रहे। जब बड़े नेता नहीं पहुंचे तो छोटे कार्यकर्ता की तो बात ही छोड़िए। सबके अपने-अपने किंतु-परंतु होंगे, लेकिन जब तक कांग्रेस अपनी अंदरूनी गुटबाजी से मुक्त नहीं होगी, तब तक भाजपा संगठन से मुकाबला संभव नहीं।

महाकाल दर्शन करवा रहे हैं। विधायक बनने से पहले से गोलू की राजनीति यात्रा की शुरुआत भी महाकाल यात्रा से ही हुई थी। वर्षों से पैदल कावड़ यात्रा करते हुए विधानसभा तक पहुंचे शुक्ला अब अपनी सनातनी पहचान को मजबूत करने में जुटे हैं। शहरी राजनीति में दोस्ती के कई किस्से हैं, जिनमें नया नाम गोलू और दीपेंद्र सिंह सोलंकी का शामिल है। हर बड़े काम में भरोसेमंद सहयोगियों की जरूरत होती है और ऐसी धार्मिक यात्राओं में गोलू के साथ दीपेंद्र का चेहरा हमेशा नजर आता है। दीपेंद्र राजनीति में नहीं हैं, लेकिन पर्दे के पीछे से विश्वस्त सहयोगी की भूमिका में हमेशा रहते हैं।

हजार का दावा... सौ भी मुश्किल से

नगर निगम की वन टाइम सेटलमेंट योजना को शासन की मंजूरी

इंदौर। आर्थिक संकट से जूझ रहे इंदौर नगर निगम की वन टाइम सेटलमेंट योजना को राज्य शासन ने मंजूरी दे दी है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि जल्द ही इसका आदेश जारी हो जाएगा।इसके बाद आम उपभोक्ता वर्ष 2022-23 तक के बकाया जलकर की पचास प्रतिशत राशि एकमुश्त जमा कर वर्ष 2023-24 से जलकर खाता नियमित करा सकेंगे। वन टाइम सेटलमेंट योजना से इंदौर नगर निगम को 150 करोड़ रुपये से ज्यादा राजस्व मिलने की उम्मीद है।महापौर ने कहा कि नगर निगम के अवैध जल कनेक्शन को वैध करने के अभियान को भी जनता का अच्छा प्रतिसाद मिला है। एक माह के भीतर इस अभियान के तहत शहर में 17 हजार अवैध कनेक्शनों को वैध किया गया। इससे निगम को करीब 5 करोड़ रुपये की राशि प्राप्त हुई है।स्वीकृति के अभाव में डेढ़ माह से अटकी है योजना नगर निगम ने करीब डेढ़ माह पहले वन टाइम सेटलमेंट योजना तैयार की थी, लेकिन इस पर अमल इसलिए नहीं हो पा रहा था क्योंकि राज्य शासन से मंजूरी नहीं मिली थी। महापौर मंगलवार को भोपाल में थे। उन्होंने मुख्यमंत्री और नगरीय प्रशासन और विकास मंत्री और विभाग के अधिकारियों इस योजना के संबंध में चर्चा की। महापौर ने बताया कि कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने निगम की इस योजना से सहमत हुए। इसके बाद निगम की वन टाइम सेटलमेंट स्कीम को शासन ने मंजूरी देने का निर्णय ले लिया। योजना के तहत जलकर की वर्ष 2022-23 तक की बकाया राशि पर 50 प्रतिशत छूट मिलेगी। उपभोक्ता बकाया राशि की 50 प्रतिशत राशि एकमुश्त जमाकर जलकर खाता नियमित करवा सकेंगे। अब भी 50 हजार से ज्यादा अवैध जल कनेक्शन है निगम के जानकारों के मुताबिक शहर में अवैध जल कनेक्शनों की संख्या बहुत ज्यादा है।

अवैध से वैध करने के अभियान के तहत भले ही 17 हजार से ज्यादा अवैध कनेक्शन वैध हो गए लेकिन अब भी 50 हजार से ज्यादा कनेक्शन है जो अवैध हैं। ये कनेक्शन सालों से चल रहे हैं। इनसे जलप्रदाय भी हो रहा है। बड़ा सवाल यह भी है कि ये अवैध कनेक्शन चल कैसे रहे हैं। नगर निगम के अधिकारी कर क्या रहे हैं।

संपादकीय | सुप्रीम कोर्ट की नजर में कानून की मर्यादा...

यह विचित्र है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ कानून बनाने, उसके सफाए के लिए जंग का एलान करने वालों को खुद भ्रष्टाचार करने का एक तरह से हक हासिल था ! अब सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि अगर कोई भी सांसद या विधायक रिश्वत लेकर सदन में सवाल पूछता या किसी पार्टी के पक्ष में मतदान करता है, तो उस पर भ्रष्टाचार का मामला बनता है। भ्रष्टाचार का मामला उस पर उसी समय बन जाता है, जब वह रिश्वत लेता है।

दरअसल, अभी तक ऐसा करने वाले विधायक और सांसद ऐसे आरोपों में कानूनी कार्रवाई से इसलिए बच कर निकल जाते रहे हैं कि संविधान के अनुच्छेद 105/194 में कहा गया है कि जनप्रतिनिधियों के सदन में कही गई किसी बात या किए गए किसी आचरण के खिलाफ अदालत में कार्रवाई नहीं हो सकती। सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि यह अनुच्छेद पूरे सदन की सुरक्षा के मकसद से बनाया गया है, न कि किसी एक जनप्रतिनिधि की सुरक्षा के लिए। मामला दरअसल झारखंड मुक्ति मोर्चा की एक नेता से जुड़ा हुआ था, जिस पर आरोप था कि 2012 में उसने रिश्वत लेकर राज्यसभा चुनाव में दूसरे दल के प्रत्याशी के पक्ष में मतदान किया था। इस मामले में नरसिम्हा राव बनाम भारत सरकार के मामले में आए फैसले की नजीर देते हुए आरोपी को बरी करने की गुहार लगाई गई थी। मगर सर्वोच्च न्यायालय ने उस पुराने फैसले को भी अमान्य करार दे दिया।

नरसिम्हा राव मामले में कुछ सांसदों पर आरोप लगा था कि उन्होंने अविश्वास प्रस्ताव के दौरान के रिश्वत लेकर सत्तापक्ष के लिए मतदान किया। यह आरोप सीबीआइ जांच में सिद्ध भी हो गया था, मगर अदालत ने उसमें इसी तर्क से हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया था कि सदन की कार्यवाही के दौरान सांसदों को सांविधानिक सुरक्षा प्राप्त होती है। मगर सर्वोच्च न्यायालय के ताजा फैसले से एक नई नजीर बनी है। पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह दलबदल कानून के भीतर से गली निकाल कर सरकारें गिराने और विधायकों के दूसरे दल की सरकार में शामिल हो जाने की घटनाएं बढ़ी हैं, रिश्वत लेकर राज्यसभा चुनाव में दूसरे दल के प्रत्याशी के पक्ष में मतदान के मामले बढ़े हैं, उसमें सर्वोच्च न्यायालय का यह फैसला ऐतिहासिक माना जाएगा।

अभी उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश में जिस तरह लाइन लांघ कर दूसरे दल के प्रत्याशी के पक्ष में मतदान करने का मामला आया, उसमें भी विधायकों की खरीद-फरोख्त के आरोप लग रहे हैं। संबंधित विधायकों के दलों ने उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई तो की है, मगर इससे लोकतांत्रिक मूल्यों की शुचिता का भरोसा पैदा नहीं होता।

सांसद और विधायक आम लोगों के प्रतिनिधि होते हैं और जब वे रिश्वत लेकर सवाल पूछते या किसी दूसरे दल के समर्थन में उतर आते हैं, तो उससे वे सारे मतदाता छले जाते हैं, जिन्होंने बहुमत देकर उन्हें सदन में भेजा होता है। महाराष्ट्र, गोवा, बिहार और इससे पहले कर्नाटक, मध्यप्रदेश में चुनी हुई सरकारों को गिरा दिया गया और वहां अल्पमत दलों की सरकारें बन गईं। इससे लोकतांत्रिक प्रक्रिया को गहरी चोट पहुंची। सर्वोच्च अदालत ने भी कुछ मौकों पर इस प्रवृत्ति को घातक बताया था। अब ताजा फैसले से उम्मीद बनी है कि किसी भी प्रकार की रिश्वत लेकर अगर चुने हुए प्रतिनिधि लोकतांत्रिक प्रक्रिया का उल्लंघन करते हैं, तो उनके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई हो सकेगी। इससे शायद उनका मनोबल भी कुछ गिरेगा।

सोशल मीडिया से...

विपक्ष के लोगों ने सत्ता में रहते हुए भ्रष्टाचार के लिए जमीन-आसमान बेच दिए और अपनी कोठियां बनवाईं। मैंने आज तक अपना घर भी नहीं बनवाया। मैं गुजरात का मुख्यमंत्री और अब देश का प्रधानमंत्री रहते हुए अब तब 150 करोड़ के गिफ्ट नीलाम करवाकर जनता की सेवा में लगा दिए।

नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

शिक्षण और प्रशिक्षण में जो अंतर होता है। वो आप सब जानते हैं। इस परीक्षा के पास होने के पहले भी आपने एक परीक्षा दी है, अब दोबारा पलट के सर्विस में उस परीक्षा की तो आवश्यता नहीं होगी। लेकिन कदम-कदम पर आपको ऐसे कई प्रशिक्षणों के दौर से निकलते रहना पड़ेगा। और उन दौरों के माध्यम से अपने आप को निखारना पड़ेगा।

डॉ. मोहन यादव, सीएम मप्र

प्रधानमंत्री जो बोलते हैं और जो सच्चाई है उसमें जमीन-आसमान का फर्क है। जो अपने आप को 140 करोड़ भारतीयों का प्रमुख समझते हैं, वो क्या ऐसा व्यवहार करेंगे? किसानों पर ड्रोन से आंसू गैस के गोले छोड़े जा रहे हैं। एक तरफ चंदादाता का सम्मान और दूसरी तरफ अन्नदाता का अपमान।

जयराम रमेश, कांग्रेस नेता

तमिलनाडु में एक भाषा-एक संस्कृति हैं। यह एक देश है। मलायलम एक भाषा है, एक राष्ट्र है और एक देश है। ओडिशा एक देश है, वहां एक भाषा है। केरल में अलग, दिल्ली में अलग भाषा और संस्कृति है। ये सारे देश मिलकर भारत को बनाते हैं। इसलिए भारत एक देश नहीं, बल्कि एक उपमहाद्वीप है।

ए राजा, डीएमके सांसद

आज का कार्टून

किसान को एमएसपी दी जाए तो कैसे?

"सबसे पहले तो किसान को एमएसपी दिलाने के लिए सरकार आज जितनी खरीद करती है, उससे कुछ ज्यादा खरीद कर सकती है। सरकार स्वास्थ्य की दृष्टि से ज्वार, बाजरा जैसे मोटे अनाज को प्रोत्साहन देने की योजनाएं चला रही है। उसके लिए सबसे उपयुक्त होगा कि सरकार उन्हें बाजार में एमएसपी पर खड़ा कर सस्ते दाम पर बेचे। इसी तरह सरकार राशन में अनाज के साथ-साथ दाल और रसोई का तेल भी दे सकती है। मिड-डे मील में ज्यादा फल, दूध और अंडा दिया जाना चाहिए। इससे 'एक पंथ दो काज' होंगे। देश की सेहत सुधरेगी और कुछ किसानों को एमएसपी भी मिलेगी। जाहिर है इस योजना की सीमा है और इसे अधिकांश फसलों पर लागू नहीं किया जा सकता। अधिकांश किसानों को बाजार में वाजिब दाम दिलवाने का सबसे प्रभावी तरीका होगा सरकार द्वारा बाजार में चुनिंदा हस्तक्षेप कर बाहरी भाव को गिरने से रोकना। यह कोई अनहोनी या असंभव बात नहीं है।"

योगेन्द्र यादव

वर्तमान किसान आंदोलन में एमएसपी की बहस को अब इस आखिरी मुकाम तक पहुंचा दिया है। इससे पहले सवाल यह पूछा जाता था कि एमएसपी है क्या? या आखिर किसान को एमएसपी क्यों दी जानी चाहिए? लेकिन अब सरकारी नौकरशाह, दरबारी मीडिया और किताबी अर्थशास्त्री भी यह सवाल पूछने लगे हैं कि चलो एमएसपी देनी तो पड़ेगी। अब दी कैसे जाए? किसान को कोई भी हक एक बार में नहीं मिलता। एक ही मांग मनवाने के लिए किसान को बार-बार लड़ाई लड़नी पड़ती है। चाहे अभी एमएसपी का कानून नहीं मिला हो, लेकिन इस आंदोलन में एमएसपी की लड़ाई को इस छोर तक लाने को किसान आंदोलन की जीत माना जाना चाहिए।

इस सवाल का जवाब देने से ही पहली दो भ्रांतियों से ही मुक्त होना जरूरी है। पहली भ्रांति यह है कि किसानों को एमएसपी की गारंटी देने का मतलब है कि सरकार सभी फसलों की पूरी खरीद करे। यह भ्रांति तो अलग बातों को जोड़ देने से पैदा होती है-सरकार द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य दिलवाना और खुद सरकार द्वारा खरीद करना। इसी भ्रांति के चलते ही आलोचक यह आरोप लगाते हैं कि किसानों की यह मांग असंभव है। अगर सरकार के पास फंड हों भी तो सरकार सारी फसल खरीद कर क्या करेगी? उसे किस गोदाम में रखेगी? कहां बेचेगी? क्या सरकार बाजार के सारे काम अपने सर पर ले लेगी? इसमें मुसीबत तो है ही, बर्बादी और भ्रष्टाचार भी होने की बहुत संभावना है। इस आलोचना में दम है । किसानों की सभी फसलों की पूरी पैदावार को सरकार न तो खरीद सकती है और न ही उसके लिए ऐसा करना जरूरी है। किसान सिर्फ इतना चाहता है कि उसे अपनी मेहनत का हक मिले,उसे इससे मतलब नहीं कि उसे एमएसपी किस हाथ से मिले, सरकार से या व्यापारी से।

दूसरी भ्रांति यह है कि सरकार को अपनी जेब से कुछ भी खर्च नहीं करना पड़ेगा, बस सिर्फ यह कानून बना दे कि एमएसपी से नीचे खरीद-फरोख्त गैर-कानूनी है। कई किसान नेता भी कहते हैं कि बस एमएसपी से नीचे खरीद करने वाले व्यापारी को जेल भेज दो, अपने आप किसान को सही दाम मिल जाएगा। यह धारणा भी गलत और खतरनाक है। कानून बना देने और सजा का प्रावधान करने से किसान को सही दाम तो नहीं मिलेगा, व्यापारी अपनी दुकान जरूर बंद कर लेगा और पिछले दरवाजे से किसान से ब्लैक में खरीद करेगा। ऐसे कानून पहले भी बन चुके हैं और उन्हें लागू करवाना संभव नहीं है। अगर बाजार भाव एमएसपी से बहुत नीचे है तो व्यापारी को ज्यादा दाम देने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। सरकार को अपनी जेब से कुछ खर्च करना ही होगा।

तो फिर कैसे लागू की जा सकती है यह गारंटी? इसके लिए सरकार को व्यापारी बनने या डंडा चलाने की बजाय होशियार नियामक की भूमिका निभानी होगी। सरकार को 3 तरह के काम करने होंगे-या तो खुद फसल खरीदे या फिर बाजार में हस्तक्षेप कर फसलों का दाम गिरने से रोके या और कुछ नहीं तो किसान को हुए नुकसान की भरपाई करे। कुल मिलाकर यह जिम्मेदारी ले कि किसान की जेब में कम से कम एमएसपी के बराबर पैसा पहुंचे, अगर सरकार अपनी जिम्मेदारी निभाने में असमर्थ रहती है तो किसान कोर्ट-कचहरी जाकर आपना हक वसूल सकता है। इन तीनों तरह की भूमिकाओं को ध्यान से समझना चाहिए।

सबसे पहले तो किसान को एमएसपी दिलाने के लिए सरकार आज जितनी खरीद करती है, उससे कुछ ज्यादा खरीद कर सकती है। सरकार स्वास्थ्य की दृष्टि से ज्वार, बाजरा जैसे मोटे अनाज को प्रोत्साहन देने की योजनाएं चला रही है। उसके लिए सबसे उपयुक्त होगा कि सरकार उन्हें बाजार में एमएसपी पर खड़ा कर सस्ते दाम पर बेचे। इसी तरह सरकार राशन में अनाज के साथ-साथ दाल और रसोई का तेल भी दे सकती है। मिड-डे मील में ज्यादा फल, दूध और अंडा दिया जाना चाहिए। इससे 'एक पंथ दो काज' होंगे। देश की सेहत सुधरेगी और कुछ किसानों को एमएसपी भी मिलेगी। जाहिर है इस योजना की सीमा है और इसे अधिकांश फसलों पर लागू नहीं किया जा सकता।

अधिकांश किसानों को बाजार में वाजिब दाम दिलवाने का सबसे प्रभावी तरीका होगा सरकार द्वारा बाजार में चुनिंदा हस्तक्षेप कर बाहरी भाव को गिरने से रोकना। यह कोई अनहोनी या असंभव बात नहीं है। कपास की फसल में कॉटन कार्पोरेशन ऑफ इंडिया यही करता है। बाजार का अनुभव यही बताता है कि दाम तभी गिरते हैं अगर किसी वस्तु की आपूर्ति उसकी मांग से ज्यादा हो जाए। ऐसे में सरकार अगर 5 से 10 प्रतिशत फसल भी खरीद ले तो बाजार में दाम संभल जाते हैं। भारत सरकार की एक पुरानी योजना है 'मार्कीट इंटरवैंशन स्कीम' जिसका यही उद्देश्य है। दिक्कत यह है कि इस योजना को कभी भी पर्याप्त फंड नहीं मिलता। इस सरकार ने तो पिछले साल इस योजना को लगभग बंद ही कर दिया। इस योजना के लिए पर्याप्त फंड देकर एक नियामक संस्था बनाने से बाहरी भाव को एमएसपी से नीचे गिरने से रोका जा सकता है।

बाजार भाव को नियमित करने के अलावा सरकार के हाथ में और भी कई औजार हैं। कम से कम सरकार आयात-निर्यात के जरिए फसल के दाम गिराने का काम तो बंद कर सकती है। फसल के निर्यात पर यदा-कदा बैन लगाना और पैदावार कम होते ही बड़ी मात्रा में आयात कर लेने से किसान को सही दाम नहीं मिल पाते। इन नीतियों को रोकना पड़ेगा, किसान को गैर-जरूरी आयात से बचाना और उसके लिए निर्यात के अवसर ढूंढना सरकार की जिम्मेदारी है। सरकार किसान को बेहतर दाम देने वाली सहकारी समिति या एफ.पी.ओ. को समर्थन और सहयोग दे सकती है। किसान को हड़बड़ी में सस्ते में फसल न बेचनी पड़े इसके लिए सरकार वेयरहाऊस रिसीप्ट योजना में सुधार कर उसे एमएसपी से जोड़ सकती है।

अगर इन सब तरीकों से काम न बना तो सरकार को तीसरा और अंतिम उपाय करना पड़ेगा। अगर सरकारी खरीद और हस्तक्षेप के बावजूद कोई फसल एमएसपी से नीचे बिकती है तो सरकार को किसान को हुए नुक़सान की भरपाई करनी होगी। भवान्तर भुगतान की योजना कई राज्यों में लागू की जा चुकी है, मध्य प्रदेश और हरियाणा में उसके प्रयोग हो चुके हैं।

इस योजना के तहत सरकार यह जिम्मेवारी लेती है कि एमएसपी से नीचे बेचने की वजह से किसान को जितना घाटा हुआ, उतना पैसा किसान के अकाऊंट में ट्रांसफर किया जाता है। इसमें खर्च कितना होगा? सी.आर.आई.एस.आई. एल. संस्था ने अनुमान लगाया है कि पिछले साल एमएसपी और बाजार भाव में 21,000 करोड़ रुपए का अंतर था। अगर इसकी सरकार के खजाने से भरपाई की जाती तो यह भारत सरकार के बजट का आधा प्रतिशत से भी कम होता। कहते हैं -जहां चाह-वहां राह। किसान को एमएसपी की गारंटी देने पर यह पूरी तरह लागू होती है। अगर एक बार राजनीतिक चाह या इच्छा शक्ति हो तो योजनाओं की राह खुल जाएगी।

सत्ता में लौटने का अति आत्मविश्वास

भाजपा के घोषित उम्मीदवार लौटा रहे हैं चुनावी टिकट

"पूरी रात जाग कर भाजपा की स्क्रीनिंग कमेटी ने 195 नाम तय किये स्वाभाविक रूप से सूची में जिनके नाम आए वे तो खुश हुए ही, लेकिन यहां भी खीर में मक्खी गिर गई जब सूची में शामिल भोजपुरी के मशहूर गायक पवन सिंह ने ट्वीट कर नेतृत्व को बताया कि वे चुनाव नहीं लड़ना चाहते। पवन सिंह द्वारा गाए गए गीतों में महिलाओं पर की गई टिप्पणियों को लेकर उनकी आलोचना होती रही है। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी से उपेन्द्र सिंह रावत ने भी टिकट लौटा दिया। उनका एक अश्लील वीडियो वायरल हुआ है। पार्टी नेतृत्व द्वारा ऐसे संदिग्ध चरित्र के व्यक्तियों टिकट देने पर भी पार्टी में ही सवाल उठ रहे हैं।"

हरनाम सिंह

इन दिनों प्रधानमंत्री और सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी का आत्मविश्वास अपने चरम पर प्रचारित किया जा रहा है। चुनाव जीतने के बाद की योजनाएं घोषित की जा रही है। अनन्त काल तक सत्ता में बने रहने के दावे किए जा रहे हैं।इस दौरान कतिपय नेता जिन्हें पार्टी ने चुनाव लड़ने वालों की पहली सूची में स्थान दिया है वे चुनाव लड़ना ही नहीं चाहते। यह संकेत चुनावी जीत के प्रचार गुब्बारे को पिन लगाने के तौर पर देखा जा रहा है।

भाजपा में भगदड़

पार्टी द्वारा उम्मीदवारों की सूची जारी करने के पूर्व से ही पार्टी में भगदड़ की शुरुआत हो चुकी थी। पार्टी नेतृत्व को पहला अनुरोध मिला अटल सरकार में केंद्रीय मंत्री रहे और वर्तमान भाजपा में उपेक्षा के चलते पार्टी छोड़ने वाले यशवंत सिन्हा के पुत्र जयंत सिन्हा का चुनाव लड़ने से इनकार करने का। जयंत सिन्हा भी मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में केंद्र में मंत्री रह चुके हैं, वर्तमान में सांसद हैं। जयंत ने एक ट्वीट में पार्टी नेतृत्व से अनुरोध किया कि उन्हें पार्टी कर्तव्यों से मुक्त किया जाए। दूसरा नाम है चर्चित क्रिकेटर रहे गौतम गंभीर का। गौतम ने भी उन्हें पार्टी की जिम्मेदारियां से मुक्त करने का अनुरोध किया है। इन दोनों सांसदों को अपनी पराजय का डर था अथवा पार्टी के सत्ता में लौटने पर संशय ? क्या उन्हें नेतृत्व के 400 पार के दावे पर भरोसा नहीं है ? दोनों सांसद उम्मीदवारों की पहली सूची जारी होने से पहले ही अनुरोध कर चुके थे। दोनों के ट्वीट की विचित्रता यह है कि नेतृत्व से किए गए दोनों के अनुरोध की भाषा एक जैसी है। मानो किसी ने वह मैटर बनाकर उन्हें भेजा था जिसे उन्होंने ट्विटर पर चिपका दिया।

जारी सूची के साइड इफेक्ट

पूरी रात जाग कर भाजपा की स्क्रीनिंग कमेटी ने 195 नाम तय किये ।स्वाभाविक रूप से सूची में जिनके नाम आए वे तो खुश हुए ही, लेकिन यहां भी खीर में मक्खी गिर गई जब सूची में शामिल भोजपुरी के मशहूर गायक पवन सिंह ने ट्वीट कर नेतृत्व को बताया कि वे चुनाव नहीं लड़ना चाहते। पवन सिंह द्वारा गाए गए गीतों में महिलाओं पर की गई टिप्पणियों को लेकर उनकी आलोचना होती रही है। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी से उपेन्द्र सिंह रावत ने भी टिकट लौटा दिया। उनका एक अश्लील वीडियो वायरल हुआ है। पार्टी नेतृत्व द्वारा ऐसे संदिग्ध चरित्र के व्यक्तियों टिकट देने पर भी पार्टी में ही सवाल उठ रहे हैं। दूसरी ओर पार्टी के कद्दावर नेता डॉ हर्षवर्धन सिंह हैं जो 90 के दशक में कई बार विधायक, सांसद, केंद्र में स्वास्थ्य मंत्री रहे। विश्व स्वास्थ्य संगठन की अनेक बार अध्यक्षता कर चुके श्री सिंह ने उम्मीदवारों की सूची में अपना नाम न पाकर एक ट्वीट किया, जिसमें अपने राजनीतिक सफर का उल्लेख करते हुए राजनीति से ही तौबा कर ली। डॉक्टर सिंह ने अपने क्लीनिक पर लौटने का ऐलान कर दिया है। निश्चित ही भाजपा के लिए यह संकेत शुभ तो नहीं है।

मध्य प्रदेश में उथल-पुथल

उम्मीदवारों की पहली सूची ने मध्य प्रदेश भाजपा की राजनीति में उथल-पुथल मचा दी है। पार्टी ने हाल ही में संपन्न हो चुके विधानसभा चुनाव में पराजित उम्मीदवारों को लोकसभा चुनाव में उतारा है। वहीं जो पार्टी से त्यागपत्र दे चुके अथवा जिन्होंने विधानसभा चुनाव में पार्टी उम्मीदवार के खिलाफ काम किया था उन्हें भी लोकसभा चुनाव की उम्मीदवारी के लिए योग्य समझा गया। सूची में स्थान पा चुके भारत से कुशवाहा विधानसभा चुनाव में ग्वालियर ग्रामीण क्षेत्र से पराजित हुए थे। अब पार्टी ने उन्हें ग्वालियर लोकसभा चुनाव के लिए खड़ा किया है। वर्तमान में ग्वालियर से विवेक नारायण शेजवलकर सांसद हैं। पार्टी ने उन पर भरोसा न कर पराजित कुशवाहा को योग्य माना है। पार्टी ने दो अन्य सांसदों फग्गन सिंह कुलस्ते और गणेश सिंह को भी टिकट दिया है। इन दोनों को भी विधानसभा चुनाव लड़वाया गया था और दोनों पराजित हुए थे। इनके अलावा भी विधानसभा चुनाव में भोपाल से पराजित आलोक शर्मा, खरगापुर से चुनाव में पराजित हो चुके राहुल लोधी को भी लोकसभा चुनाव के लिए चुना गया है। पार्टी नेतृत्व ने पार्टी से त्यागपत्र दे चुके व्यक्ति को भी चुनाव लड़ने का टिकट देना तय किया है। विधानसभा चुनाव के दौरान सीधी में ही पार्टी से त्यागपत्र दे चुके डॉक्टर राजेश मिश्रा को लोकसभा के चुनाव उम्मीदवारों की सूची में स्थान दिया गया है। यही नहीं विधानसभा चुनाव के दौरान जबलपुर से चुनाव लड़ रहे अजय विश्नोई के खिलाफ चुनाव प्रचार कर चुके आशीष दुबे को भी उम्मीदवार बनाया गया है। अजय विश्नोई ने सूची में श्री दुबे का नाम देखकर तंज कसते हुए ट्वीट किया कि ÷हमें यह नहीं भूलना होगा कि आशीष दुबे ने पार्टी के खिलाफ काम किया था फिर भी उन्हें चुनाव जितवाना है÷ श्री विश्नोई, दुबे जी को चुनाव जितवाने के लिए कितने प्रयास करेंगे यह तो समय ही बताएगा।

गुना की गारंटी किसके पक्ष में

पिछले लोकसभा चुनाव में ज्योतिरादित्य सिंधिया के सहयोगी रहे केपी यादव ने श्री सिंधिया को सवा लाख मतों से पराजित किया था। तब सिंधिया कांग्रेस में थे। इसी यादव का टिकट काटकर भाजपा ने सिंधिया को उम्मीदवार घोषित किया है। श्री यादव पहले कांग्रेस में थे उसी दौरान सिंधिया से नाराज़गी के चलते ही उन्होंने भाजपा का दामन थामा था। अब जबकि सिंधिया भी भाजपा में आ चुके हैं और उन्हें टिकट भी मिल गया है तो यादव का राजनीतिक करियर खतरे में है। चुनाव जितवाने में वे सिंधिया के कितने मददगार साबित होंगे यह देखना दिलचस्प होगा।

सर्वे में पराजित हुए श्री मोदी

एक समाचार चैनल ठुद्र2ह्य18 ह्वह्लह्डह्-श्चह्लह्डस्त्रद्गह्यद्ध ने प्रधानमंत्री पद के लिए एक सर्वेक्षण करवाया था। जिसमें दर्शकों से पूछा गया था कि वर्ष 2024 में वे किसे प्रधानमंत्री पद पर देखना चाहते हैं ? सर्वे में 67 प्रतिशत दर्शकों ने राहुल गांधी को 21 प्रतिशत ने नरेंद्र मोदी को 2 प्रतिशत ने ममता बनर्जी को तथा 10 प्रतिशत ने अन्य को चुना। इस सर्वे से राजनीतिक क्षेत्र में भूचाल सा आ गया। सरकार और बीजेपी ने दबाव डालकर उसे सर्वे को हटवा दिया।

शुरू हुई पांचवीं-आठवीं कक्षा की परीक्षा

इंदौर। राज्य शिक्षा केंद्र की पांचवीं-आठवीं बोर्ड परीक्षाएं बुधवार से शुरू हुई। पहला पेपर हिंदी विषय का हुआ। पहले दिन कुछ केंद्रों पर प्रश्न-पत्र कम निकले तो कुछ केंद्रों पर केंद्राध्यक्ष भी देरी से पहुंचे। हालांकि सभी केंद्रों पर समय पर सुबह 9 बजे से पेपर शुरू हो गया। बता दें कि इस बार पांचवीं-आठवीं की बोर्ड परीक्षाओं में इंदौर जिले से एक लाख से अधिक परीक्षार्थी शामिल हो रहे हैं। परीक्षाओं का समय सुबह 9 से 11.30 तक रहेगा। जानकारी के अनुसार, परीक्षा के लिए राज्य शिक्षा केंद्र ने जिले में 10 से अधिक उड़नदस्ते भी बनाए है, जो कि अलग-अलग केंद्रों पर औचक निरीक्षण करने जा रहे है। जिला परियोजना समन्वयक शांता स्वामी ने बताया कि इस बार पांचवीं और आठवीं की परीक्षा के लिए 297 परीक्षा केंद्र बनाएं गए है। हर एक परीक्षा केंद्र पर अधिकतम 300 परीक्षार्थी परीक्षा दे रहे हैं। परीक्षाएं बुधवार से 14 मार्च तक आयोजित होगी। पहले दिन कुछ केंद्रों पर केंद्राध्यक्ष देरी से पहुंचे थे, लेकिन परीक्षाएं समय पर ही आयोजित हुई। ग्रामीण क्षेत्रों में 5 से अधिक उड़नदस्ते लगातार अलग-अलग केंद्रों का औचक निरीक्षण कर रहे हैं। अभी तक किसी भी केंद्र पर गड़बड़ी की शिकायत नहीं मिली है। स्वामी ने बताया कि दोपहर 1 बजे तक सभी केंद्रों की कापियां मूल्यांकन केंद्र भेजी जानी है। परीक्षा खत्म होते ही मूल्यांकन कार्य भी शुरू कर दिया जाएगा। तकि समय पर अंकसूची तैयार हो सके।

दो साल से अंकसूची देरी से हो रही जारी 0-%[पिछले दो वर्षों से परीक्षा के बाद राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा परिणाम तो जारी कर दिया जाता है, लेकिन अंकसूची नहीं भेजी जाती। गत वर्ष हुई परीक्षाओं की अंकसूची जनवरी माह में जारी की गई, इसलिए इस बार समय पर परिणाम जारी कर अंकसूची भी जारी की जाएगी।

स्कूल में भी पढ़ाएगी AI टीचर

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का फील्ड लगातार तरक्की कर रहा है. आए दिन इस फील्ड में नए-नए बदलाव हो रहे हैं. भारत में भी इस फील्ड में लगातार तरक्की हो रही है. अब भारत में भी एजुकेशन के फील्ड में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का यूज हो रहा है. इसी क्रम में अब केरल पहला प्रदेश बन गया है जहां एआई की मदद से पढ़ाई कराई जा रही है. इसके लिए ह्यूमनॉइड रोबोट का इस्तेमाल किया जा रहा है. जेनेरेटिव एआई स्कूल टीचर को पिछले माह ही स्कूल में शामिल किया गया था. जोकि अब विद्यार्थियों के बीच भी काफी लोकप्रिय है केरल के तिरुवनंतपुरम के केटीसीटी हायर सेकेंडरी स्कूल में साड़ी पहने पढ़ाने वाली फीमेल टीचर रोबोट का नाम 'आइरिस' है. इसमें कई विशेषताएं हैं. एआई रोबोट को लाने वाली कंपनी 'मेकरलैब्स एडुटेक' के मुताबिक आइरिस केरल में नहीं बल्कि देश में पहली जेनेरेटिव एआई टीचर है.रिपोर्ट्स के अनुसार आइरिस तीन भाषाओं में बोल सकती है और विद्यार्थियों के कठिन सवालों का जवाब दे सकती है. आइरिस का नॉलेज बेस जो चैटजीपीटी जैसे प्रोग्रामिंग से बनाया गया है. अन्य ऑटोमेटिक शिक्षण उपकरणों की तुलना में काफी व्यापक है.मेक लैब्स के अनुसार इसे विद्यार्थियों के लिए ड्रग्स, सेक्स व हिंसा जैसे सब्जेक्ट्स की जानकारी पर ट्रेंड नहीं किया गया है. मेकरलैब्स के सीईओ हरि सागर ने बताया कि एआई के साथ संभावनाएं अनंत हैं. आइरिस इंसानी प्रतिक्रियाओं से लगभग समान उत्तर देती है जब विद्यार्थी प्रश्न पूछते हैं. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ढ्व) से सीखना मजेदार हो सकता है. स्कूल की प्रिंसिपल मीरा एमएन का कहना है कि 3 हजार से अधिक विद्यार्थियों वाले इस स्कूल के अगले एकेडमिक सेशल में जेनरेटिव ढ्व रोबोट शिक्षकों की संख्या बढ़ाने की योजना है।

बेकरी और मसाला उद्योग के लिए युवाओं को दिया जायेगा प्रशिक्षण

इंदौर। उद्यमिता विकास केन्द्र मध्यप्रदेश (सेडमैप) द्वारा स्थापित फूड प्रोसेसिंग इन्क्यूबेशन सेंटर में इसी माह बेकरी और मसाला उद्योग पर आधारित तीन-तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ किए जा रहे हैं। बेकरी उद्योग पर 18 मार्च से और मसाला उद्योग पर 21 मार्च से प्रशिक्षण शुरू होंगे। दोनों ही प्रशिक्षण के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 14 मार्च है। प्रशिक्षण में सम्मिलित होने के लिए पूर्व पंजीयन आवश्यक है। 30-30 प्रतिभागियों के दो बैच बनाकर सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। राजधानी के अरेरा हिल्स भोपाल स्थित उद्यमिता भवन में 18 से 20 मार्च तक बेकरी उत्पादों पर और मसाला उत्पादों पर 21 से 23 मार्च तक प्रशिक्षण दिया जाएगा। सशुल्क प्रशिक्षण में स्वरोजगार संभावनाओं, नियम-प्रक्रियाओं और शासकीय योजनाओं आदि की जानकारी प्रदान की जाएगी। प्रशिक्षणार्थियों को बेकरी उत्पादों में मुख्य रूप से बिस्किट, नॉनखटाई, पेस्ट्री, केक आदि के बारे में सिखाया जाएगा और मसालों पर आधारित प्रशिक्षण में सभी तरह के मसालों की पैकेजिंग, ग्राइडिंग आदि को लेकर प्रशिक्षित किया जाएगा। इच्छुक प्रतिभागी 14 मार्च तक पंजीयन करा सकते हैं। सेडमैप फूड प्रोसेसिंग इन्क्यूबेशन सेण्टर में प्रतिभागी सीधे प्रैक्टिकल कर सकेंगे। सशुल्क प्रशिक्षण में विषय विशेषज्ञों द्वारा अत्याधुनिक तरीके से बेकरी उद्योग अथवा मसाला उद्योग की स्थापना से सम्बंधित मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। इच्छुक व्यक्तियों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया जाएगा। बेकरी अथवा मसाला उद्योग पर आधारित स्वरोजगार के इच्छुक व्यक्ति अधिक जानकारी के लिए मोबाइल नंबर 9301389062 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

Ready to fly: DGCA gives FLY91 Air Operator's Certificate

India's aviation regulator Directorate General for Civil Aviation (DGCA) has given new airlines FLY91 Air Operator's Certificate (AOC). FLY91, which is helmed by top aviation veterans, has the tagline 'Bharat Unbound'. The carrier has now completed all the compliance requirements and will start commercial operations soon, it said in a release. FLY91 received its first ATR 72-600, one of the two aircraft leased from Dubai Aerospace Enterprise, last week. The airline has already been allocated its first set of routes under the government's regional air connectivity scheme UDAN, the release said.

Under UDAN, the airline will connect Sindhudurg, Jalgaon, Nanded in Maharashtra and Agatti in Lakshadweep.

The airline is promoted by Harsha Raghavan, the former head of Fairfax India and Manoj Chacko, former executive vice president of defunct Kingfisher Airlines. The airline will have the new Goa airport built by GMR as its main base, while the coastal state will also house the headquarter of an airline for the first time.

The airline initially aimed to start flights in the October-December quarter last year.

"We are aiming to be an airline which provides last mile connectivity and connecting remote locations which doesn't have infra for an Airbus A320 or Boeing 737 aircraft. From Goa one multiple destinations in Maharashtra and Karnataka like Hubbali, Shirdi, Nashik, Belgaum falls in the range of an ATR aircraft," Chacko said last year.

Chacko says that Fly91 instead of competing with mainline carriers will look to have codeshare and interline agreements with them. "We will have an open API for our system. Any airline in the world which doesn't fly to a remote airport will be able to tie up with us to provide last mile connectivity to their customers on a single ticket," Chacko said saying that except IndiGo and SpiceJet, no Indian airlines have a fleet of smaller turboprop aircraft and can be a potential partner.

एक ही परिसर में संचालित हो रहे नर्सिंग संस्थानों पर लगेगा 5 लाख तक का जुर्माना, आईएनसी ने जारी किया आदेश

दिनांक 6 मार्च 2024 को इंडियन नर्सिंग काउंसिल ने नोटिफिकेशन जारी किया है। आईएनसी के आदेशानुसार जो नर्सिंग संस्थान एक ही परिसर में संचालित किये जा रहे हैं उन पर प्रति संस्थान 5 लाख रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। औचक निरीक्षण के दौरान परिषद ने पाया था कि कई नर्सिंग संस्थान एक ही परिसर में चल रहे हैं जो आईएनसी गजट अधिसूचना संख्या 97 दिनांक 12.3.2021 के विनियमन संख्या 18, विषय ÷नर्सिंग कार्यक्रमों के लिए उपयुक्तता प्रदान करने के लिए न्यूनतम पूर्व-आवश्यकताएँ÷ के अनुसार मानदंडों/दिशानिर्देशों के अनुरूप नहीं हैं। उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए, परिषद ने दिनांक 19.1.24 को ईसी बैठक में निर्णय लिया कि आईएनसी निर्धारित मानदंडों और दिशानिर्देशों का पालन नहीं करने पर एक ही परिसर में संचालित होने वाले प्रति संस्थान पर 5 लाख रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा।

भारतीय स्टार्टअप अधिकारी बोले- अमेजन-ऊबर को मुफ्त सेवा, हमसे शुल्क ले रहा गूगल

नईदिल्ली, एजेंसी। गूगल के बयान के बाद भारतीय स्टार्टअप के प्रमुख अधिकारियों व संस्थापकों ने कहा कि यह अंतरिम समझौता है, लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है। साथ ही बताया गूगल भारतीय कंपनियों के लिए अपनी नीति चुनिंदा ढंग से लागू कर रहा है। जो सेवाएं वह अमेजन और ऊबर जैसी वैश्विक कंपनियों से मुफ्त दे रहा है, उनके लिए भारतीय स्टार्टअप से शुल्क वसूल रहा है। स्टार्टअप ने बताया कि दोनों पक्ष जब विवाद का समाधान निकालने के लिए अगले 4 महीने साथ बैठक कर वार्ता कर रहे होंगे, तब भी गूगल 11 से 26 प्रतिशत तक सेवा शुल्क वसूलता रहेगा। शादी डॉटकॉम संस्थापक व सीईओ अनुपम मित्तल ने कहा-हम चाहते हैं कि डवलपर्स की पेमेंट गेटवे का विकल्प चुनने की स्वतंत्रता बनी रहे। इसके लिए क्या शुल्क देना है, यह खुले बाजार को तय करने देना चाहिए। ट्रूली मैडली के सह संस्थापक व सीईओ स्नेहिल खानोर ने कहा- हमने सरकार से अपील की है कि एक कानूनी ढांचा बने, जो किसी वैश्विक और भीमकाय टेक कंपनी की एकतरफा व भेदभावपूर्ण नीतियों से भारतीय स्टार्टअप और इनोवेटर्स को सुरक्षा दे। कुकू एफएम के सह संस्थापक व सीईओ लालचंद बिसू बोले-यह समझौता थोड़े समय के लिए निकला समाधान है। हम जानते हैं कि गूगल इसका भी कोई न कोई शातिराना तोड़ फिर से निकाल ही लेगा। हमारे लिए यह लंबी लड़ाई है। भारत मैट्रीमनी के सीईओ मुरुगवेल जानकीरमण ने कहा-पेमेंट गेटवे पर 1 से 2 प्रतिशत शुल्क लिया जाता है, लेकिन गूगल जो शुल्क वसूल रहा है, वह डिजिटल स्टार्टअप्स के लिए बहुत बड़ा बोझ है। स्टेज के सह संस्थापक व सीईओ विनय सिंघल ने कहा-इस समय हुआ अंतरिम समझौता न्यायोचित नहीं है। लेकिन कुछ समय के लिए इसे स्वीकारा जा सकता है।

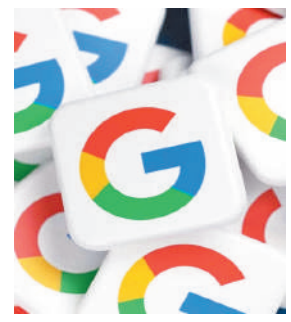

सोना ऑल टाइम हाई से फिसला, चांदी की चमक हुई कम

नईदिल्ली, एजेंसी। बुधवार 6 मार्च को सर्राफा बाजारों में सोना अपने ऑल टाइम हाई 64598 रुपये से फिसलकर 64556 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट पर खुला। वहीं, चांदी की चमक आज कम हो गई है। चांदी का भाव आज 531 रुपये प्रति किलो कम होगर 71713 रुपये पर खुला।

सोने-चांदी की कीमतों में यह गिरावट गोरखपुर, दिल्ली, मुंबई, लखनऊ, जयपुर, इंदौर, कोलकाता, जयपुर और पटना समेत सभी शहरों में है। 24 कैरेट सोना आज 42 रुपये सस्ता होकर 64556 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट से खुला। सोने-चांदी के ये रेट इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन द्वारा जारी किए गए हैं। इस रेट पर जीएसटी और ज्वेलरी मेकिंग चार्ज नहीं लगा है। हो सकता है आपके शहर में सोना-चांदी 1000 से 2000 रुपये महंगा मिल रहा हो। आईबीजेए के नए रेट के मुताबिक अब सोना अपने 5 मार्च 2024 के ऑल टाईम हाई से 42 रुपये सस्ता है। आज 6 मार्च को सर्राफा मार्केटों में 23 कैरेट गोल्ड की औसत कीमत अब 41 रुपये घटकर 64298 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गई है। जबकि, 22 कैरेट गोल्ड की कीमत अब 39 रुपये प्रति 10 ग्राम गिरकर 59133 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गई है। बिना जीएसटी और ज्वेलरी मेकिंग चार्ज के 18 कैरेट सोने की कीमत में 32 रुपये प्रति 10 ग्राम की कमी दर्ज हुई है। जबकि, 14 कैरेट गोल्ड की कीमत में 25 रुपये प्रति 10 ग्राम की कमी दर्ज की गई है। आज यह 37765 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट पर खुला। आज चांदी 71713 रुपये प्रति किलो के रेट से खुली।

फरवरी में ही 5 प्रतिशत के नीचे आ गई थी महंगाई, खाद्य पदार्थों और ईंधन-बिजली में नरमी से राहत की उम्मीद

नईदिल्ली, एजेंसी। सरकार के खाद्य पदार्थों के निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने समेत अन्य उपायों से खुदरा महंगाई में पिछले दो महीने से लगातार गिरावट देखी जा रही है। फरवरी, 2024 में इसके और घटकर 5 फीसदी से नीचे आने की उम्मीद है। इससे पहले उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित महंगाई तीन महीने से लगातार पांच फीसदी से ऊपर बनी हुई है। जनवरी, 2024 में यह 5.10 फीसदी रही थी। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकनॉमी (सीएमआईई) के मंगलवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, खाद्य पदार्थों और ईंधन-बिजली की कीमतों में नरमी से फरवरी में खुदरा महंगाई 4.87 फीसदी रह जाएगी।

अन्य उत्पादों के साथ खाने-पीने की वस्तुएं भी फरवरी में सस्ती होंगी। उम्मीद है कि खाद्य महंगाई फरवरी में घटकर 7.9 फीसदी रह जाएगी। जनवरी में खाने-पीने की वस्तुओं की महंगाई 8 फीसदी से ज्यादा रही थी।

मसालों की महंगाई दर भी फरवरी में 16.4 फीसदी से घटकर 12 फीसदी पर आ जाएगी। हल्दी के मामले में दर 11.6 फीसदी से घटकर 1.6 फीसदी रह सकती है। जीरे की महंगाई दर भी 89.8 से घटकर 66 फीसदी रह जाएगी। मसालों के अलावा फलों की महंगाई दर भी दो फीसदी से ज्यादा घटकर 6.4 फीसदी पर आ सकती है। जनवरी, 2024 में इनकी महंगाई दर 8.7 फीसदी रही थी।

दूध-अनाज दोनों की मुद्रास्फीति में मसालों एवं फलों जितनी बड़ी गिरावट की संभावना नहीं है। दूध की महंगाई दर गिरकर 3.8 फीसदी पर आ सकती है, जो जनवरी में 4.6 फीसदी रही थी। अनाज की महंगाई दर 7.8 फीसदी से घटकर 7.3 पर आ सकती है। हाल के महीनों में दूध की कीमतें कमोबेश स्थिर बनी हुई हैं। हालांकि, पिछले साल मवेशियों में बीमारी के कारण दूध की कीमतें तेजी से बढ़ी थीं।

ब्लूमबर्ग इंडेक्स में शामिल होगा भारत, मिल सकेगा सस्ता कर्ज

नईदिल्ली, एजेंसी। जेपी मॉर्गन के बाद अब ब्लूमबर्ग ने भी अपने बॉन्ड इंडेक्स में भारतीय सरकारी बॉन्ड को शामिल करने का फैसला किया है। भारत फुली एक्सेसिबल बॉन्ड्स यानी एफएआर को ब्लूमबर्ग इमर्जिंग मार्केट लोकल करंसी गर्वनमेंट इंडेक्स और इससे जुड़े इंडेक्स में 31 जनवरी, 2025 से शामिल किया जाएगा। इसके बाद देश की सरकारी प्रतिभूतियों में अगले दो साल में 40 अरब डॉलर के विदेशी निवेश का अनुमान है। यह रकम विदेशी निवेशकों के पास मौजूद भारतीय बॉन्ड के आकार से भी ज्यादा है।

बाजार से जुड़े सभी पक्षों से चर्चा के बाद ब्लूमबर्ग ने यह फैसला लिया है। ब्लूमबर्ग ने मंगलवार को बताया कि बॉन्ड्स को इंडेक्स में 10 माह के दौरान कई चरणों में शामिल किया जाएगा। जिन इंडेक्स में भारत को जगह मिल सकती है, उसमें ब्लूमबर्ग इमर्जिंग लोकल करेंसी गवर्नमेंट इंडेक्स, 10 पर्सेंट कंट्री कैप्ड इंडेक्स और अन्य इंडेक्स शामिल हैं। ब्लूमबर्ग ने कहा, भारतीय एफएआर बॉन्ड्स को हमारे इमर्जिंग मार्केट लोकल करेंसी गवर्नमेंट इंडेक्स में शामिल करना खास अवसर है। खासकर, तब जब भारत अपने बॉन्ड बाजार को खोलने के लिए लगातार कदम उठा रहा है। ब्लूमबर्ग के मुताबिक 31 जनवरी, 2025 से शुरू होने वाली 10 महीने की अवधि में चरणबद्ध तरीके से संबंधित इंडेक्स में भारत एफएआर शामिल होगा। बॉन्ड बाजार के पूरे मूल्य के 10 फीसदी के शुरुआती वेटेज के साथ ब्लूमबर्ग ईएम लोकल करेंसी इंडेक्स में शामिल होगा। यह अवधि अक्तूबर 2025 में खत्म होगी। तब तक हर महीने एफएआर बॉन्ड का वेटेज उनके बाजार के पूरे मूल्य के 10 फीसदी के साथ बढ़ाया जाएगा।

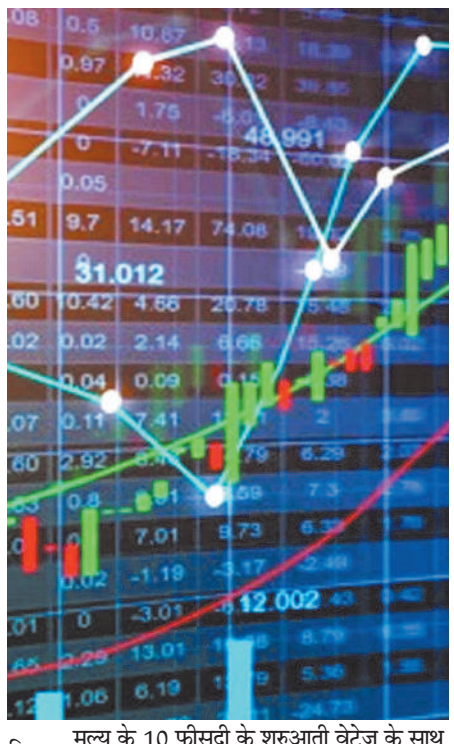

चीन और द. कोरिया के बाद तीसरा बड़ा बाजार

ब्लूमबर्ग इमर्जिंग मार्केट 10 फीसदी कंट्री कैप्ड इंडेक्स में पूरी तरह से शामिल होने के बाद, भारत चीन और दक्षिण कोरिया दोनों के साथ 10 प्रतिशत कैप तक पहुंचने वाले बाजारों में शामिल होगा। इंडेक्स में 34 भारतीय प्रतिभूतियां शामिल होंगी। बाजार वैल्यू वेटेज आधार पर 6.18 लाख करोड़ डॉलर इंडेक्स का 7.26 फीसदी हिस्सा रखेगा।

रुपये की भी बढ़ेगी मांग

भारतीय बॉन्ड्स में निवेश करने के लिए विदेशी निवेशकों को अपनी मुद्रा को रुपये में बदलना होगा। इससे रुपये की मांग बढ़ेगी और यह महंगा होगा। आयात भी महंगा होगा। इसका असर महंगाई दर पर हो सकता है।

दो माह में रिकॉर्ड निवेश

भारतीय बॉन्ड के अपने इंडेक्स में शामिल करने के जेपी मॉर्गन के फैसले के बाद इस साल के पहले दो माह में घरेलू बॉन्ड बाजार में रिकॉर्ड विदेशी निवेश हुआ है। जनवरी में 19,837 करोड़ व फरवरी में 22,419 करोड़ का निवेश आया है। फरवरी का निवेश 7 साल में सर्वाधिक है।

रिजर्व बैंक ने क्रेडिट कार्ड जारी करने और उसके इस्तेमाल से जुड़े नियमों में किया बदलाव

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक ने क्रेडिट कार्ड से जुड़े नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इन निर्देशों के अनुसार कार्ड जारीकर्ता कार्ड नेटवर्क के साथ ऐसी किसी व्यवस्था या करार में शामिल नहीं होंगे जो उन्हें अन्य कार्ड नेटवर्कों की सेवाओं का लाभ उठाने से रोकता हो। कार्ड जारीकर्ता अपने पात्र ग्राहकों को क्रेडिट कार्ड जारी करते समय कई कार्ड नेटवर्क चुनने का विकल्प प्रदान करेंगे। भारतीय रिजर्व बैंक ने कहा है कि मौजूदा कार्डधारकों के लिए, यह विकल्प अगले नवीनीकरण के समय प्रदान किया जा सकता है।

नए निर्देशों का उद्देश्य क्या है?

नए दिशा निर्देश जारी करने के पीछे आरबीआई का उद्देश्य क्रेडिट कार्ड जारी करने और उसके उपयोग में ग्राहकों के लिए अधिक विकल्प और लचीलापन सुनिश्चित करना है। केंद्रीय बैंक के अनुसार य कार्ड नेटवर्क और जारीकर्ताओं के बीच कुछ व्यवस्था ग्राहकों के विकल्पों को सीमित कर रही थी। आरबीआई ने इस कारण निम्नलिखित निर्देश दिए हैं÷

कार्ड जारीकर्ताओं को ऐसे समझौतों में प्रवेश करने से रोका जाता है जो उन्हें अन्य कार्ड नेटवर्क से सेवाओं का लाभ उठाने से रोकते हैं। कार्ड जारीकर्ताओं को पात्र ग्राहकों को कार्ड जारी किए जाने पर कई कार्ड नेटवर्क से चयन करने का विकल्प प्रदान करना चाहिए। मौजूदा कार्डधारकों के मामले में, यह विकल्प उनके अगले कार्ड नवीनीकरण के समय प्रदान किया जाएगा। आरबीआई के निर्देश में अधिकृत कार्ड नेटवर्क के रूप में अमेरिकन एक्सप्रेस बैंकिंग कॉर्प, डाइनर्स क्लब इंटरनेशनल लिमिटेड, मास्टरकार्ड एशिया, मैसर्स नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया-रुपे और वीजा वर्ल्डवाइड प्राइवेट लिमिटेड को परिभाषित किया गया है। यह निर्देश 10 लाख से कम सक्रिय कार्ड वाले क्रेडिट कार्ड जारीकर्ताओं पर लागू नहीं होंगे।

आरबीआई ने कहा कि जारी करते समय ग्राहकों की पसंद के बारे में निर्देश इसके जारी होने के छह महीने में भीतर प्रभावी होंगे।

बिल गेट्स को चाय पिलाने वाले डॉली चायवाला 10 लाख की संपत्ति के मालिक

नईदिल्ली, एजेंसी। दुनिया के सबसे अमीर व्यक्तियों में से एक बिल गेट्स की नेटवर्थ करीब 149 अरब डॉलर है और वह दुनिया के पांचवें सबसे अमीर इंसान हैं। बिल गेट्स के वीडियो सोशल मीडिया पर आते ही वायरल हो जाते हैं। बता दें कि बिल गेट्स जब भी भारत यात्रा पर आते हैं तो हमेशा कोई ऐसी वीडियो या फोटो साझा करते हैं जो चर्चा का विषय बन जाती है।

हाल ही में मशहूर डॉली चायवाले का एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ था। जिसमें बिल गेट्स वन चाय प्लीज कहते नजर आए थे। आज हम आपको बिल गेट्स को चाय पिलाने वाले डॉली चायवाले की नेटवर्थ के बारें में बताने जा रहे हैं। इस वीडियो के सामने आने के बाद से डॉली चायवाला काफी फेमस हो गए हैं।

डॉली चायवाले का अंदाज

डॉली चायवाला अपने अतरंगी अंदाज के लिए सोशल मीडिया पर काफी फेमस हैं। डॉली चायवाला अपने अतरंगी लुक को लेकर भी खूब सुर्खियां बटोरते हैं। चमकीली शर्ट, आंखों में चश्मा और रंगीला अंदाज डॉली चायवाले को सबसे अलग दिखाता है। बता दें कि डॉली रजनीकांत स्टाइल में चाय पिलाते हैं।

डॉली चायवाला की नेटवर्थ

डॉली पिछले 16 सालों से महाराष्ट्र के नागपुर में चाय की टपरी लगा रहे हैं। कई सेलिब्रिटी भी डॉली की चाय के दीवाने हैं और उनकी टपरी पर चाय पीने आते हैं। डॉली चाय की टपरी से अच्छी खासी कमाई कर लेते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार डॉली करीब 10 लाख रुपए की संपत्ति के मालिक हैं।

डॉली चायवाला का चाय बनाने का तरीका लोगों को काफी पसंद आता है। दूर दूर से फूड व्लॉगर्स उनके वीडियो बनाने आते हैं और उन्हें सोशल मीडिया पर शेयर भी करते हैं। हालांकि जब से बिल गेट्स ने इनकी टपरी पर चाय पी है हालांकि जब से बिल गेट्स ने इनकी टपरी पर चाय पी है तब से डॉली चायवाला और मशहूर हो गए हैं।

कंगाल कर रहा सुजलॉन एनर्जी का शेयर, लगातार लग रहा लोअर सर्किट

नईदिल्ली, एजेंसी। सुजलॉन एनर्जी लिमिटेड शेयरों में लगातार पांचवें सेशन में गिरावट है। लगातार इसमें 5 प्रतिशत का लोअर सर्किट लग रहा है। कंपनी के शेयर आज बुधवार को 38.53 के इंट्रा डे लो पर पहुंच गए थे। इसके साथ, सुजलॉन एनर्जी का स्टॉक 2 फरवरी को अपने 52-सप्ताह के हाई लेवल 50.72 रुपये से 25 प्रतिशत नीचे आ गया है। 5 दिनों की बिकवाली के दौरान शेयर में 15 फीसदी की गिरावट आई है। शेयरों में इस गिरावट के पीछे एक बड़ी वजह है। दरअसल, खबर है कि सरकार विंड एनर्जी कैपासिटी के लिए रिवर्स नीलामी वापस लाने पर विचार कर रहा है।

क्या है ब्रोकरेज की राय?

न्यू एंड रिन्यूएबल मंत्रालय (एमएनआरई) एनर्जी कंपनियों के लिए विंड एनर्जी कैपासिटी की नीलामी के लिए रिवर्स नीलामी वापस लाने पर विचार कर रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, मंत्रालय ने एनटीपीसी, एनएचपीसी, एसजेवीएन और अन्य पीएसयू जैसी कंपनियों को एक पत्र भेजकर निर्देश दिया है, जिसमें हालिया विंड बोलियों में अंडरसब्सक्रिप्शन और अधिक टैरिफ खोज के कारणों का हवाला दिया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, एमएनआरई ने रिवर्स नीलामी के पहले के दृष्टिकोण को बहाल कर दिया है, सादे वेनिला पवन निविदाओं के लिए साइज को 600 मेगावाट तक सीमित कर दिया है और नवीकरणीय ऊर्जा कार्यान्वयन एजेंसियों द्वारा पैन इंडिया बेस्ड बोलियां जारी करना अनिवार्य कर दिया है। बता दें कि रिवर्स नीलामी सिस्टम के तहत, बोली लगाने वाले एक-दूसरे के खिलाफ तब तक बोली लगाते हैं जब तक कि किसी बोली को प्रति-प्रस्ताव द्वारा चुनौती न दी जाए। इसके परिणामस्वरूप पर्याप्त विंड कैपासिटी स्थापना नहीं हुई, जिसके कारण मंत्रालय को इस पद्धति को रद्द करना पड़ा। जेएम फाइनेंशियल ने सुजलॉन पर अपनी खरीद रेटिंग बरकरार रखी है। ब्रोकरेज ने सुजलॉन एनर्जी के शेयर पर 54 रुपये का टारगेट रखा है और इसे खरीदने की सलाह दी है। बता दें कि सुजलॉन के शयेर पिछले छह महीनों में 62 प्रतिशत से अधिक चढ़े हैं।

15 प्रतिशत से ज्यादा टूट गए महानगर गैस के शेयर, रेटिंग के साथ घटा शेयरों का टारगेट प्राइस

नईदिल्ली, एजेंसी। महानगर गैस लिमिटेड के शेयरों को तगड़ा झटका लगा है। कंपनी के शेयर बुधवार को 16 पर्सेंट से अधिक की गिरावट के साथ 1305 रुपये पर पहुंच गए हैं। ब्रोकरेज हाउस सिटी ने महानगर गैस के शेयरों को डाउनग्रेड कर दिया है। ब्रोकरेज हाउस ने महानगर गैस के शेयरों को डाउनग्रेड करके सेल रेटिंग दी है। सिटी ने पहले महानगर गैस के शेयरों को बाय रेटिंग दी थी। ब्रोकरेज हाउस सिटी ने महानगर गैस के शेयरों का टारगेट प्राइस घटाकर 1405 रुपये कर दिया है, जो कि पहले 1480 रुपये था। ब्रोकरेज हाउस सिटी ने महानगर गैस लिमिटेड के मार्जिन पर रेगुलेटरी रिस्क के असर पड़ने का हवाला दिया है। सिटी ने कहा है कि वह ऑयल मिनिस्टर हरदीप सिंह पुरी के हालिया बयान से चिंतित है। पुरी ने कहा था कि इंड कंज्यूमर्स को सरकार के गैस रिफॉर्म्स का पूरा फायदा नहीं मिल पा रहा है। वहीं, सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन कंपनियों को लगातार हायर प्रॉफिट्स हो रहा है। मिनिस्टर ने यह भी कहा कि ग्राहकों के फायदे को सुनिश्चित करने के लिए सरकार कठोर कदम उठाने पर भी विचार कर सकती है। महानगर गैस लिमिटेड ने कम्प्रेस्ड नेचुरल गैस के दाम घटाने की घोषणा की है। कंपनी ने कहा है, गैस इनपुट कॉस्ट घटने की वजह से महानगर गैस ने मुंबई और इसके आसपास के इलाकों में सीएनजी का दाम 2.5 रुपये प्रति किलो घटाने की घोषणा की है। सीएनजी का रिवाइज्ड एमआरपी 73.50 रुपये प्रति किलो होगा। नए दाम 5 मार्च 2024 की मध्य रात्रि/6 मार्च की सुबह से प्रभावी होंगे। महानगर गैस लिमिटेड ने कहा है कि पेट्रोल के मुकाबले सीएनजी प्राइस अब 53 पर्सेंट की तगड़ी बचत करा रहे हैं। वहीं, डीजल के मुकाबले यह बचत 22 पर्सेंट की है।

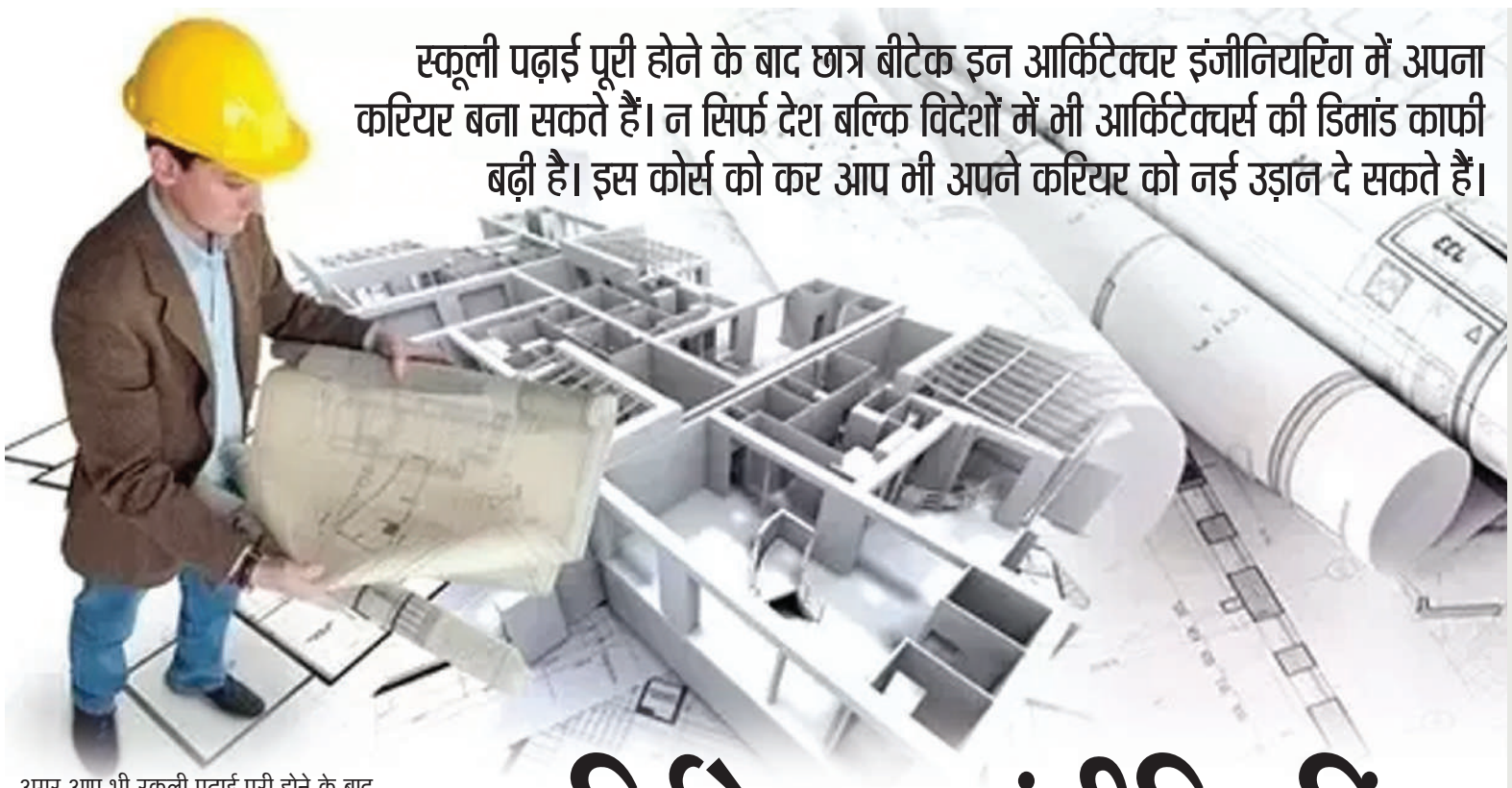

स्कूली पढ़ाई पूरी होने के बाद छात्र बीटेक इन आर्किटेक्चर इंजीनियरिंग में अपना करियर बना सकते हैं। न सिर्फ देश बल्कि विदेशों में भी आर्किटेक्चर्स की डिमांड काफी बढ़ी है। इस कोर्स को कर आप भी अपने करियर को नई उड़ान दे सकते हैं।

आर्किटेक्चर इंजीनियरिंग में बनाएं अपना करियर

विदेशों में भी है डिमांड

अगर आप भी स्कूली पढ़ाई पूरी होने के बाद अन्य स्टूडेंट्स की तरह मेडिकल आदि अपना करियर नहीं बनाना चाहते हैं तो आपके पास कई ऑप्शन हैं। जिनमें आप बेहतर करियर बना सकते हैं। इन्हीं में से एक आर्किटेक्चर भी है। इंजीनियरिंग क्षेत्र के महत्वपूर्ण कोर्सेस में से आर्किटेक्चर इंजीनियरिंग कोर्स एक है। इसमें कोर्स में एडमिशन लेने के लिए कैंडिडेट को जेईई की परीक्षा में शामिल होना होता है। आर्किटेक्ट्र के तौर पर आपका काम बिल्डिंगों के निर्माण, डिजाइन आदि से संबंधित होता है। बता दें कि देश के अलावा विदेशों में भी आर्किटेक्ट्र्स की डिमांड काफी बढ़ी है। 12वीं पास करने के बाद आप भी इस फील्ड में अपना करियर बना सकते हैं। इसमें प्रवेश लेने के लिए आपको प्रवेश परीक्षा पास करनी होती है।

4 साल का कोर्स

बीटेक इन आर्किटेक्चर इंजीनियरिंग कोर्स 4 साल का होता है। इस कोर्स को 8 सेमेस्टर में डिवाइड किया गया है। इसकी पढ़ाई के दौरान छात्रों को प्लानिंग, डिजाइनिंग, निर्माण, टेक्नोलॉजी, इनोवेशन आदि के बारे में बताया जाता है। साथ ही सिविल इंजीनियरिंग के बुनियादी पहलुओं के बारे में भी स्टूडेंट्स को सिखाया बताया जाता है। इस कोर्स को करने वाले छात्रों में रचनात्मक, क्रिएटिविटी और कल्पना का होना जरूरी है।

योग्यता

- बीटेक इन आर्किटेक्चर इंजीनियरिंग कोर्स में एडमिशन लेने के लिए छात्र को 12वीं साइंस स्ट्रीम से पास करना जरूरी है।
- 12वीं कक्षा की अंतिम परीक्षा के दौरान आप इस कोर्स के लिए अप्लाई कर सकते हैं।
- इसमें एडमिशन के लिए छात्र के कम से कम 50% अंक होना जरूरी है।
- 12वीं पीसीएम में अंग्रेजी विषय की जानकारी होना आवश्यक है।
- आरक्षित श्रेणी के छात्रों को गाइडलाइन्स के हिसाब से 5% की छूट मिलती है।

एडमिशन प्रोसेस

आर्किटेक्चर इंजीनियरिंग में बीटेक कोर्स करने वाले छात्रों को प्रवेश परीक्षा में शामिल होना अनिवार्य है। प्रवेश परीक्षा में शामिल होने के लिए कैंडिडेट को कंडक्टिंग बॉडी द्वारा जारी किए आवेदन फॉर्म को भरना होता है। इस फॉर्म को भरने वाले कैंडिडेट को ई-मेल आईडी के जरिए अपनी शैक्षिक जानकारी और जरूरी डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें। इसके बाद आपको आवेदन फीस देनी होगी। आवेदन होने के बाद प्रवेश परीक्षा में उम्मीदवारों अच्छा प्रदर्शन करना होता है। परीक्षा में रैंक के आधार पर काउंसलिंग प्रोसेस होता है। नंबर अच्छे आने के बाद छात्रों को सीट अलॉट की जाती है।

प्रवेश परीक्षा

- जेईई मेन
- जेईई एडवांस
- डब्ल्यूजेईई
- वीआईटीईईई
- एसआरएमजेईई
- केईएएम
- एलपीयूएनईएसटी
- एनएटीए
- एपी ईएएमसीईटी

पद

- आर्किटेक्ट्र - 2 से 3 लाख रुपये
- बिल्डिंग सर्वेयर - 3.5 से 4 लाख रुपये
- आर्किटेक्चूरल इंजीनियर - 4 से 5 लाख रुपये
- स्ट्रक्चुरल इंजीनियर - 5 से 6 लाख रुपये
- रूरल प्लानिंग - 5 से 6 लाख रुपये
- अबर प्लानिंग - 6 लाख रुपये
- इंटिरियर डिजाइन - 5 से 6 लाख रुपये
- बीटेक इन आर्किटेक्ट्र इंजीनियरिंग कोर्स
- निर्माण उद्योग
- डिजाइन और वास्तुकला उद्योग
- इंटीरियर डिजाइनिंग
- नगर योजना आयोग
- एयरोस्पेस उद्योग
- भारतीय रेल
- नगर निगम
- भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण
- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो)
- रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन
- राष्ट्रीय भवन निर्माण निगम लिमिटेड
- आइडिया
- शोवा सेकेई
- पलाफॉक्स एसोसिएट्स
- मोर्फोजेनेसिस
- औकेट स्वांके
- मूलरूप समूह
- प्रोगेटो सीएमआर
- बीटेक इन आर्किटेक्ट्र इंजीनियरिंग कोर्स - उच्च शिक्षा
- एमटेक/एमई इन आर्किटेक्ट्र इंजीनियरिंग
- एमबीए
- पीएचडी
- प्रतियोगिता परीक्षाएं

कॉलेज और फीस

इंदिरा गांधी प्रौद्योगिकी संस्थान
कोर्स की फीस - 34,500 रुपये
औसतन प्लेसमेंट पैकेज - 11,45,000 रुपये (सालाना)

थंगल कुंजू मुसलियार कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग (टीकेएमसीई)
कोर्स की फीस - 12, 425 रुपये
औसतन प्लेसमेंट पैकेज - 8,00,000 रुपये (सालाना)

चंडीगढ़ विश्वविद्यालय चंडीगढ़
कोर्स की फीस - 1,60,000 रुपये
औसतन प्लेसमेंट पैकेज - 6,00,00 रुपये (सालाना)

निम्स यूनिवर्सिटी जयपुर
कॉलेज की फीस - 60,000 रुपये

लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी जालंधर
कोर्स की फीस - 1,38, 200 रुपये
औसतन प्लेसमेंट पैकेज - 20,00,000 रुपये (सालाना)

इंडियाना इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, गोरखपुर
कोर्स की फीस - 54, 000 रुपये
औसतन प्लेसमेंट पैकेज - 5,40,000 रुपये (सालाना)

अखिल भारतीय प्रौद्योगिकी और प्रबंधन संस्थान - [एआईआईटीएम] चेन्नई
कोर्स की फीस - 60,000 रुपये
औसतन प्लेसमेंट पैकेज - 3,00,000 रुपये (सालाना)

केसी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी ऊना
कोर्स की फीस - 70,000 रुपये
औसतन प्लेसमेंट पैकेज - 6,00,000 रुपये (सालाना)

हिंदुस्तान प्रौद्योगिकी और विज्ञान संस्थान (एचआईटीएस) चेन्नई
कोर्स की फीस - 2,87,000 रुपये
औसतन प्लेसमेंट पैकेज - 3,80,000 रुपये (सालाना)

स्कूल ऑफ एरोनॉटिक्स नई दिल्ली
कोर्स की फीस - 1,80,000 रुपये
औसतन प्लेसमेंट पैकेज - 4,80,000 रुपये (सालाना)

आईआईटी, मद्रास
कोर्स की फीस - 9.1 लाख रुपये

एसआरएम विश्वविद्यालय
कोर्स की फीस - 14 लाख रुपये

एमआईटी मणिपाल
कोर्स की फीस - 16 लाख रुपये

अन्ना विश्वविद्यालय
कोर्स की फीस - 5 लाख रुपये

जेईई मेन की परीक्षा में फेल छात्रों के लिए ये हैं बेस्ट ऑप्शन

जेईई मेन परीक्षा में कई छात्र फेल हुए हैं। फेल छात्र करियर को लेकर चिंतित हैं। इस परीक्षा में जो अभ्यर्थी फेल हुए हैं उनके लिए हम यहां पर करियर ऑप्शन बता रहे हैं।

जेईई मेन परीक्षा में कई छात्रों ने बेहतर प्रदर्शन किया है। जबकि कई छात्र फेल भी हुए हैं। फेल छात्र करियर को लेकर चिंतित हैं। ऐसे में हम बताते हैं कि जेईई मेन फेल छात्रों के लिए करियर ऑप्शन क्या हैं?

दोबारा से करें तैयारी

अगर आप जेईई मेन की परीक्षा नहीं पास कर पाएं हैं तो दोबारा से तैयारी करें। क्योंकि कोई भी अभ्यर्थी इस परीक्षा को दो बार दे सकता है। ऐसे में तैयारी बेहतर और नई स्ट्रैटेजी के साथ करें। अगर तैयारी अच्छी होगी तो आपको सफलता पाने से कोई रोक नहीं पाएगा।

इंजीनियरिंग परीक्षा दें

अभ्यर्थी स्टेट स्तर की इंजीनियरिंग परीक्षा दे सकते हैं। देश के लगभग सभी राज्यों की तरफ से स्टेट स्तर की परीक्षा आयोजित की जाती है। जिसके तहत विभिन्न ट्रेड में बीटेक में प्रवेश दिया जाता है। ऐसे में छात्र यूपी, दिल्ली, एमपी, हरियाणा सहित अन्य राज्यों की राज्य स्तरीय इंजीनियरिंग की परीक्षा दे सकते हैं।

प्राइवेट इंजीनियरिंग कॉलेज में लें दाखिला

जो छात्र जेईई मेंस की परीक्षा नहीं पास कर पाएं हैं, वे प्राइवेट इंजीनियरिंग कॉलेज में भी दाखिला ले सकते हैं। देश में कई ऐसे प्राइवेट इंजीनियरिंग कॉलेज हैं, जो बीटेक कराते हैं। हालांकि, छात्रों को सलाह है कि वे प्राइवेट कॉलेजों में एडमिशन लेने से पहले वेरिफिकेशन जरूर कर लें।

दूसरे क्षेत्र में भी बना सकते हैं करियर

अगर जेईई मेन की परीक्षा में फेल हुए हैं तो छात्र कोई अन्य कोर्स भी कर सकते हैं। जैसे पांच वर्षीय एलएलबी, पांच वर्षीय एमबीए सहित अन्य। कई ऐसे संस्थान हैं जो पांच वर्षीय इंटीग्रेटेड कोर्स कराते हैं।

सरकारी नौकरी की करें तैयारी

अगर छात्र चाहें तो देश की सबसे प्रतिष्ठित नौकरी यूपीएससी की सिविल सर्विसेज की तैयारी कर सकते हैं। हालांकि, उन्हें ग्रेजुएशन में प्रवेश लेना होगा। क्योंकि बिना ग्रेजुएशन किए सिविल सर्विसेज की परीक्षा कोई नहीं दे सकता है। अगर छात्र अभी से सिविल सर्विसेज की तैयारी करेंगे तो तीन साल बाद जब ग्रेजुएशन कर लेंग तो सिविल सर्विसेज की परीक्षा देने पर आसानी से क्लियर कर लेंगे।

कैसे करें इंग्लिश की तैयारी सिलेक्शन में होगी आसानी

डेली प्रैक्टिस से इंग्लिश की तैयारी बेहतर तरीके से की जा सकती है। जिन कैंडिडेट ने इंग्लिश का सब्जेक्ट चुना होगा, उम्मीद होगा कि अब तक उन्होंने इस टॉपिक को कवर कर लिया होगा। ए उन टॉपिक का ज्यादा रिवीजन करें जिनसे एग्जाम में प्रश्न पूछे जाएंगे। इंग्लिश के एग्जाम में कौन से टॉपिक्स से प्रश्न पूछे जाते हैं, यह बताने के लिए आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से तीन-तीन एक्सपर्ट्स को लेकर आए हैं। जिनके टिप्स की मदद से आप अपने इंग्लिश के सब्जेक्ट और अच्छे से इंप्रूव कर सकेंगे।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट

एक्सपर्ट प्रमोद ने बताया ने कि छात्रों के पास अब लिमिटेड समय है। इसलिए छात्रों को अब उन्हीं टॉपिक्स पर फोकस करना चाहिए, जिनमें वह खुद कंफर्टेबल हैं। जिनमें उनकी तैयारी पहले से है। लास्ट मौके पर नए टॉपिक्स को पढ़ कर खुद को कंफ्यूजन से बचाना चाहिए। इंग्लिश सब्जेक्ट एक्सपर्ट के अनुसार, कुछ टॉपिक ऐसे होते हैं, जिनसे हर एग्जाम में प्रश्न पूछे जाते हैं। यह टॉपिक भले ही कितने मुश्किल क्यों ने हों, छात्रों का उन्हें अच्छे से तैयार कर लेना चाहिए। इंग्लिश लैंग्वेज के पेपर में एक्टिव वॉइस-पैसिव वॉइस, नरेशन, टेंस, आर्टिकल, प्रीपोजिशन और कंजक्शन से जुड़े अधिकतर सवाल पूछे जाते हैं। इसलिए स्टूडेंट को इन टॉपिक के अच्छे से तैयार करना चाहिए।

फॉलो करें ये टिप्स

- इंग्लिश में सिलेबस को लिटरेचर, फोनेटिक्स ग्रामर और कॉम्प्रिहेंशन में बांटकर तैयारी करें।
- ग्रामर के टापिक्स को क्लियर करने के लिए डिटेल में पढ़ने की जगह चैप्टर की थ्योरी को पढ़कर उसके मल्टीपल चॉइस के सवालों सॉल्व करें।
- साल्ट समय में ज्यादा से ज्यादा पैसेज सॉल्व कर प्रैक्टिस पर फोकस करें। प्रैक्टिस करने से पेपर में आपको फायदा मिलेगा।
- एग्जाम में वोकेबलरी के कुछ सवाल पूछे जाते हैं। वोकेबलरी की लिस्ट तैयार कर रिवीजन करें। वोकेबलरी अच्छी होने से आप एग्जाम में अच्छा स्कोर कर पाएंगे।
- स्टूडेंट्स को एग्जाम टाइम में सबसे पहले सोशल मीडिया से दूरी बना लेनी चाहिए। क्योंकि एग्जाम के दौरान एक गलत जानकारी आपके पूरे माइंडसेट को बिगाड़ सकता है।
- इंग्लिश में अनसीन पैसेज बहुत महत्वपूर्ण हैं।
- फोनेटिक्स की यूनिट में सिंबल्स को जरूर देखना चाहिए। पेपर में इस पोर्शन से सवाल आने की पूरी संभावना है।
- इंग्लिश लैंग्वेज में Tense से लेकर सभी भागों को कवर करना जरूरी है।
- पेपर में अनसीन पैसेज और कॉम्प्रिहेंशन का एक हिस्सा भी आता है।
- इंग्लिश में जो टॉपिक हैवी हैं, उन्हें छोड़ने की गलती नहीं करनी चाहिए। शर्ट नोट्स बनाकर इन टापिक्स की तैयारी करें।
- एग्जाम की तैयारी के दौरान हर पार्ट को अलग-अलग डिवाइड कर उसको सॉल्व करें।
- एग्जाम के दौरान एक ही पोर्शन में ज्यादा समय न लगाएं। क्योंकि इससे आपका पेपर छूट सकता है।
- मॉडल पेपर को सॉल्व करने के दौरान स्पीड पर भी ध्यान दें। क्योंकि एग्जाम की समय सीमा होता है।
- टेस्ट सीरीज के सवालों और लास्ट ईयर के पेपर को भी ज्यादा से ज्यादा सॉल्व करने की कोशिश करें।

इन टिप्स को करें फॉलो

- इंग्लिश के प्रश्नों का लेवल मॉडरेट रहेगा इसलिए सिर्फ बेसिक पर ज्यादा फोकस करना चाहिए। ऐसे में प्रैक्टिस सेट से अपनी तैयारी को अधिक मजबूत करें। प्रैक्टिस सेट सॉल्व करने के बाद मॉडल पेपर का एनालिसिस करना न भूलें। क्योंकि जो गलतियां आप प्रैक्टिस सेट में करेंगे उन पर अधिक ध्यान देना चाहिए।
- पेपर में कुछ महत्वपूर्ण टॉपिक जैसे एक्टिव-पैसिव, डायरेक्ट-इनडायरेक्ट, टेंस, इवैल्यूएशन और प्रिंसिपल्स ऑफ टीचिंग इंग्लिश को अच्छे से तैयार करना चाहिए।
- प्रश्न-पत्र सॉल्व करते उसकी लैंग्वेज पर विशेष रूप से ध्यान देना चाहिए। कई बार लैंग्वेज समझ नहीं आने पर आपका आंसर गलत हो सकता है। इसलिए पेपर को अच्छे से पढ़कर तभी आंसर लिखें।
- पेपर में छात्र सभी प्वाइंट्स को ध्यान में रखकर अगर आंसर देते हैं तो उन्हें अच्छा स्कोर करने से कोई भी नहीं रोक सकता है।

सतना की वैष्णवी ने आत्मसुरक्षा के लिए अपनाया वूशु

अपने पहले अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट में जीता स्वर्ण

नई दिल्ली, एजेंसी। 21 वर्षीय वैष्णवी बताती हैं कि वे पांच भाई-बहन हैं और उनके पिता पुलिस में सब इंस्पेक्टर हैं। वैष्णवी 2019 की जूनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप में विजेता बनीं। मास्को स्टार वूशु टूर्नामेंट के फाइनल में उन्होंने रूसी खिलाड़ी को हराया। वैष्णवी त्रिपाठी ने पांच वर्ष पूर्व बड़ी बहन गीतांजलि को देखकर आत्मसुरक्षा के लिए मार्शल आर्ट्स वूशु को अपनाया था, लेकिन जिस खेल को सतना की इस खिलाड़ी ने अपनी सुरक्षा के लिए चुना उसी में उन्होंने देश के लिए स्वर्ण जीता। वैष्णवी ने अपने पहले ही अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट मास्को स्टार वूशु के 48 भार वर्ग में सोना जीता। चीन समेत 12 देशों की मौजूदगी में भारत ने इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में कुल 16 स्वर्ण पदक जीते। वैष्णवी ने सांडा वर्ग में स्वर्ण जीता।

सुधांशु त्रिवेदी की बधाई से आई सुर्खियों में

वैष्णवी मंगलवार को अचानक उस वक्त सुर्खियों में आईं जब भाजपा सांसद डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने सोशल मीडिया पर उनके बारे में लिखा कि, अब तक वैष्णवी को बधाइयों का तांता लग जाना था, लेकिन सन्नाटा पसरा हुआ है, अरे भाई देश की बेटी ने स्वर्ण पदक जीता है। उन्होंने अंत में लिखा आपकी मर्जी बिटिया को बधाई दो या ना दो हम तो देंगे। वैष्णवी मास्को से अमर उजाला को बताती हैं कि उन्होंने भी सुधांशु सर की बधाई के बारे में सुना है, उनके लिए यह बड़ी बात है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भी उन्हें सोशल मीडिया पर बधाई दी।

बड़ी बहन बनीं प्रेरणा

वैष्णवी की बड़ी बहन गीतांजलि भी वूशु खिलाड़ी और देश के लिए 2022 में जॉर्जिया अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में स्वर्ण जीत चुकी हैं। वैष्णवी के मुताबिक वही उनकी प्रेरणा हैं। उन्होंने और उनकी बहन ने पास में ही इस खेल का अभ्यास करते बच्चों को देखा तो उन्हें लगा कि लड़कियों की सुरक्षा के लिए यह खेल बेहद अच्छा है। दोनों ने इसे अपनाया। गीतांजलि ने जल्द ही राष्ट्रीय टीम में जगह बना ली। वैष्णवी बताती हैं कि उन्होंने राष्ट्रीय टीम में पदार्पण करते हुए स्वर्ण जीता है।

फाइनल में रूसी खिलाड़ी को हराया

21 वर्षीय वैष्णवी बताती हैं कि वे पांच भाई-बहन हैं और उनके पिता पुलिस में सब इंस्पेक्टर हैं। वैष्णवी 2019 की जूनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप में विजेता बनीं। मास्को स्टार वूशु टूर्नामेंट के फाइनल में उन्होंने रूसी खिलाड़ी को हराया। वैष्णवी कहती हैं कि वह 2026 के एशियाई खेलों में देश के लिए स्वर्णिम प्रदर्शन करना चाहती हैं।

यूपी की बुलबुल को भी स्वर्ण

मेरठ की बुलबुल चौधरी ने भी मंगलवार को मास्को में समाप्त हुई मास्को स्टार वूशु चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीते। इसके अलावा सोना जीतने वालों में गाजियाबाद के संतोष मिश्रा (48 भार वर्ग) और जम्मू कश्मीर की आइरा और अंशा चिश्ती भी शामिल हैं।

भारतीय टीम के कोच सेना के अमित पॉल के मुताबिक बुलबुल ने सीनियर वर्ग के सांडा में 56 भार में स्वर्ण जीता।

हरियाणा के आर्यन ने जूनियर वर्ग के 48 भार में स्वर्ण जीता। आइरा ने सांडा के 52 और उनकी बहन अंशा ने 56 भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। हिमाचल प्रदेश के आर्यन सूद (60), दिल्ली के पंकज शर्मा (85), चंडीगढ़ की अनु (45) ने रजत पदक जीते।

इंडिया वर्सेस इंग्लैंड

धर्मशाला टेस्ट के लिए इंग्लैंड की प्लेइंग 11 घोषित, बेन स्टोक्स ने किया 1 बदलाव

धर्मशाला, एजेंसी। भारत के खिलाफ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में इंग्लैंड ने एक दिन पहले प्लेइंग 11 घोषित करने की परंपरा को जारी रखा। बेन स्टोक्स की अगुआई वाली टीम ने पहला टेस्ट जीतकर शानदार शुरुआत की थी। इसके बाद वह लय जारी नहीं रख पाई और लगातार 3 मैच हारकर सीरीज गंवा दी। धर्मशाला टेस्ट के लिए इंग्लैंड की प्लेइंग 11 में 1 बदलाव हुआ है। ओली रॉबिन्सन की जगह मार्क वुड की वापसी हुई है। मध्यक्रम के बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो के लिए यह मैच खास होगा। वह अपना 100वां टेस्ट खेलेंगे।

माना जा रहा था कि इंग्लैंड की टीम धर्मशाला की परिस्थितियों को देखते हुए एक अतिरिक्त तेज गेंदबाज को प्लेइंग 11 में मौका दे सकती है, लेकिन पिच को देखने के बाद कप्तान बेन स्टोक्स और कोच ब्रेंडन मैकुलम ने एक बार फिर 2 तेज गेंदबाज और 2 स्पिनर्स के साथ उतरने का मन बनाया।

जो रूट के तौर पर एक और स्पिनर का विकल्प होगा। रांची टेस्ट में भी टीम इसी कॉम्बिनेशन के साथ उतरी थी। यह देखना बाकी है

कि क्या कप्तान स्टोक्स सीरीज के आखिरी टेस्ट में गेंदबाजी करेंगे? विशाखापत्तनम में दूसरे टेस्ट की शुरुआत के बाद से यह संभावना बनी हुई है।

वुड ने अब तक सीरीज के दो टेस्ट हैदराबाद और राजकोट में खेले हैं। उन्होंने 55.5 की औसत से 4 विकेट लिए हैं। दूसरी ओर, रॉबिन्सन ने सीरीज का अपना एकमात्र मैच रांची में खेला, जहां उन्होंने पीठ में दिक्कत के कारण खराब प्रदर्शन किया। इससे उनकी गेंदबाजी की गति काफी प्रभावित हुई और टेस्ट मैच में केवल 13 ओवर कर पाए।

धर्मशाला टेस्ट के लिए इंग्लैंड की प्लेइंग 11

जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, जॉनी बेयरस्टो, बेन स्टोक्स (कप्तान), बेन फोक्स (विकेटकीपर),टॉम हार्टले, मार्क वुड, जेम्स एंडरसन, शोएब बशीर।

भारत की संभावित प्लेइंग 11

रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, देवदत्त पडिक्कल/रजत पाटीदार, सरफराज खान, रविंद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल, रविचंद्रन अश्विन, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज।

पेरिस ओलंपिक्स

ओलंपिक क्वालिफायर में मुक्केबाजों का दयनीय प्रदर्शन जारी, अब लक्ष्य को भी मिली हार

बस्टो अरसीजिओ (इटली) एजेंसी। विश्व ओलंपिक क्वालिफायर बॉक्सिंग टूर्नामेंट में भारतीय मुक्केबाजों के दयनीय प्रदर्शन का क्रम जारी है। दीपक बोरिया (51) और नरेंदर कुमार (92), जैस्मिन (60) की हार के बाद सोमवार की देर रात 80 भार वर्ग के पहले दौर में लक्ष्य चाहर भी बाहर हो गए। लक्ष्य को 2021 की एशियाई चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता ईरान के मेयसाम घेशलाघी ने तीसरे दौर में नॉकआउट कर दिया।

पहला दौर लक्ष्य 2-3 से हारे और दूसरे दौर में वह 3-2 से जीते, लेकिन तीसरा दौर समाप्त होने से 20 सेकंड पहले मेयसाम के जोरदार प्रहार से वह धराशाई हो गए। शिवा थापा (63.5 भार) को मंगलवार की देर रात वर्तमान विश्व चैंपियन उज्बेकिस्तान के रुसलान अब्दुलाएव से और निशांत देव (71) को इंग्लैंड के लुइस रिचर्डसन से खेलना है। अभी भी पांच भारतीय मुक्केबाज इस टूर्नामेंट में पेरिस ओलंपिक का कोटा हासिल करने की दौड़ में हैं।

इस टूर्नामेंट में ओलंपिक कोटा से वंचित रहने वाले मुक्केबाज 23 मई से 3 जून तक बैंकाक (थाईलैंड) में होने वाले दूसरे और अंतिम विश्व ओलंपिक क्वालिफायर टूर्नामेंट में खेलेंगे। भारत की ओर से अब तक निकहत जरीन, लवलीना बोरगोहेन, प्रीति पवार, परवीन हुड्डा ने पेरिस ओलंपिक का कोटा हासिल किया है।

भारत के अंपायर नितिन मेनन के नाम दर्ज होगी ये बड़ी उपलब्धि, पूरी कराएंगे फैब 4 की स्पेशल सेंचुरी

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत के अंपायर नितिन मेनन खुद को बहुत ही ज्यादा भाग्यशाली समझ सकते हैं, क्योंकि वह दुनिया के एकमात्र अंपायर हैं, जो मौजूदा समय के चार दिग्गज खिलाड़ियों की ऐतिहासिक मैच के गवाह बनेंगे। फैब 4 में विराट कोहली, जो रूट, स्टीव स्मिथ और केन विलियमसन को शामिल किया जाता है। इनमें से तीन खिलाड़ी 100 या इससे ज्यादा टेस्ट मैच खेल चुके हैं, लेकिन केन विलियमसन 8 मार्च को ऐसा करने जा रहे हैं। हालांकि, हैरान करने वाली बात ये है कि विराट, रूट और स्मिथ के 100वें टेस्ट मैच में नितिन मेनन ही अंपायर थे और विलियमसन की स्पेशल सेंचुरी में भी नितिन मेनन ही अंपायर होंगे।

आपको बता दें, नितिन मेनन ने सबसे पहले जो रूट के 100वें टेस्ट मैच में अंपायरिंग की थी। ये मैच 5 फरवरी 2021 को चेन्नई में भारत के खिलाफ खेला गया था। इसके बाद विराट कोहली के 100वें टेस्ट मैच में भी नितिन मेनन अंपायर थे। ये मैच श्रीलंका के खिलाफ मोहाली में 4 मार्च 2022 को खेला गया था। वहीं, पिछले साल लीड्स में इंग्लैंड के खिलाफ 6 जुलाई को स्टीव स्मिथ अपना 100वां टेस्ट मैच खेलने उतरे थे। उस मैच में भी अंपायर नितिन मेनन ही थे। अब 8 मार्च को केन विलियमसन 100वां टेस्ट खेलने वाले हैं और इस बार भी नितन मेनन को अंपायर की भूमिका संभालनी है।

प्रीमियर लीग

आर्सेनल की शेफील्ड पर 6-0 से बड़ी जीत

लगातार सातवीं जीत से खिताबी दौड़ में अपने को रखा कायम

शेफील्ड, एजेंसी। 25 दिसंबर तक आर्सेनल ईपीएल की अंक तालिका में शीर्ष पर था। इसके बाद उसके प्रदर्शन में गिरावट आई, लेकिन उसने फिर जबरदस्त वापसी करते हुए बड़ी जीत हासिल करने का क्रम जारी रखा है। आर्सेनल ने अंतिम स्थान पर चल रहे शेफील्ड यूनाइटेड को 6-0 से रौंदकर इंग्लिश प्रीमियर लीग में अपने को खिताबी दौड़ में बनाकर रखा है। यह उसकी लगातार सातवीं जीत है। आर्सेनल के 27 मैचों में 61 अंक हैं और वह तीसरे स्थान पर है। शीर्ष पर चल रहे लिवरपूल के इतने ही मैचों में 63 अंक हैं और दूसरे स्थान

पर मौजूद मैनचेस्टर सिटी के 27 मैचों में 62 अंक हैं। आर्सेनल का लिवरपूल से दो अंकों का और सिटी से सिर्फ एक अंक का फासला है। आर्सेनल के लिए इस मैच में मार्टिन ओडेगार्ड (5), जायडन बोगले (13, आत्मघाती गोल), गैब्रिएल मार्टिनेली (15), काई हेवर्ट्ज (25), डेकलान राइस (39) और बेन व्हाइट (58) ने गोल किए।

लगातार तीसरी बड़ी जीत

25 दिसंबर तक आर्सेनल ईपीएल की अंक तालिका में शीर्ष पर था। इसके बाद उसके प्रदर्शन में गिरावट आई, लेकिन उसने फिर जबरदस्त वापसी करते हुए बड़ी जीत हासिल करने का क्रम जारी रखा है।

यह लगातार तीसरा उसके घर से बाहर का मुकाबला है जब आर्सेनल ने पांच या उससे अधिक गोल किए हैं। इससे पहले उसने वेस्टहैम को 6-0 से और बर्नली को 5-0 से पराजित किया था।

25 मिनट में दागे चार गोल

काई हेवर्ट्ज ने 25वें मिनट में जब आर्सेनल के लिए चौथा गोल किया तो शेफील्ड के समर्थक स्टेडियम से उठकर बाहर जाने लगे। अपने घर में इतनी बुरी तरह से हारना शेफील्ड के समर्थकों को रास नहीं आया।

आर्सेनल ने पहले हाफ में पांच गोल की बढ़त बना ली। दूसरे हाफ में उसने सिर्फ एक गोल किया। हालांकि मैनेजर माइकल आर्टेटा ने स्टार फुटबालर बुकायो साका को मध्यांतर के बाद मैदान में नहीं उतारा। उन्होंने राइस और जोर्गिन्हो को भी मैदान से बाहर बुलाया, साथ ही मार्टिनेली के टखने में भी 64वें मिनट में चोट आ गई। शनिवार को आर्सेनल को ब्रेंटफोर्ड के खिलाफ खेलना है। अगर वह यहां जीतता है तो थोड़े समय के लिए शीर्ष पर आ जाएगा। रविवार को पहले और दूसरे स्थान पर चल रहे लिवरपूल और मैनचेस्टर सिटी के बीच मुकाबला होना है।

मैंने कभी शादियों में डांस नहीं किया

कंगना रनौत ने अंबानी पार्टी में सेलेब्स के परफॉर्म करने पर कसा तंज?

बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत कुछ न कुछ कहती ही रहती हैं। इस बार भी उन्होंने तंज भरा पोस्ट किया है। उसमें इन्होंने शादियों में डांस करने पर अपनी राय दी है। बताया कि उन्होंने कभी शादी में डांस नहीं किया, भले उनको कितना ही लालच दिया गया हो।

साथ ही लता मंगेशकर का भी उदाहरण दिया। अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट के प्री-वेडिंग में सलमान खान-शाहरुख खान समेत बॉलीवुड के तमाम सितारे पहुंचे थे। उन्होंने परफॉर्मेंस भी दी थी। लेकिन कंगना रनौत नजर नहीं आई थीं। लोगो उन्हें वीडियोज में तलाश रहे थे कि वह कहा हैं। अब एक्ट्रेस ने इंडस्ट्री की मशहूर हस्तियों पर तंज कसा है, जिन्होंने अंबानी पार्टी में जाकर, वहां डांस किया। कंगना रनौत ने मंगलवार, 5 मार्च को इंस्टाग्राम स्टोरी में सभी की तुलना दिवंगत गायिका लता मंगेशकर से की। उन्होंने उनका एक आर्टिकल शेयर किया, जिसमें लता मंगेशकर ने कहा था कि अगर उन्हें कोई 5 मिलियन डॉलर भी दे तो भी वह शादियों में नहीं गाएंगी। अब इसी की आड़ में कंगना रनौत ने लिखा, मैंने बहुत आर्थिक तंगी झेली हैं, लेकिन लताजी और मैं केवल दो लोग हैं, जिनके गाने सबसे ज्यादा हिट हुए हैं।

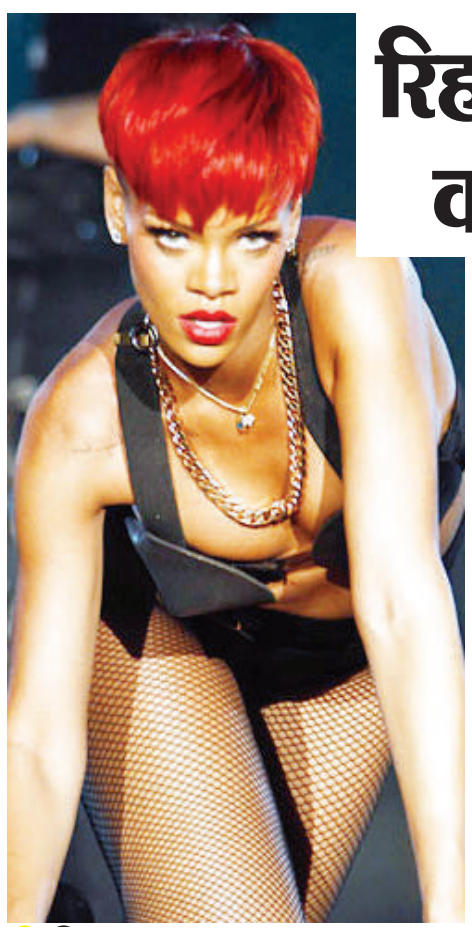

रिहाना ने ले ली ओरी की ये खास चीज

अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट के प्री वेडिंग फेस्टिवल्स में देश-विदेश के कई जानी-मानी हस्तियां पहुंची। इंस्टाग्राम पर इस फेस्टिवल की तस्वीरें और वीडियो छाए हुए हैं, जब भी इंस्टाग्राम खोलो ऐसा लगता है कि हम भी जामनगर पहुंच गए हैं जहां ये वेडिंग फेस्टिवल हुआ। अब सोशल मीडिया स्टार ओरी ने भी इस पार्टी की इनसाइड तस्वीरें और वीडियोज शेयर किए हैं।

इन तस्वीरों से पता चलता है कि रिहाना ने ओरी से उनकी खास चीज ले ली है। दरअसल ओरी बेहद स्टाइलिश क्रिस्टल इयररिंग के साथ पार्टी में पहुंचे थे, रिहाना को ये इयररिंग पसंद आ गई फिर क्या था ओरी ने इयररिंग उतारी और रिहाना को दे दी। उसके बाद रिहाना ने तस्वीरें क्लिक कराई तो वो इयररिंग के साथ नजर आईं। एक तस्वीर में रिहाना शाहरुख खान के साथ नजर आ रही हैं उसमें भी वो इयररिंग फ्लॉन्ट करती दिख रही हैं। ओरी ने कुछ वीडियोज भी शेयर किए हैं। एक वीडियो में रिहाना को ओरी इयररिंग देते नजर आ रहे हैं और रिहाना कहती हैं कि उन्हें ये पसंद है। वहीं एक वीडियो में रिहाना अनंत और राधिका के बीच खड़ी हैं और राधिका को प्यार से गले लगाते दिख रही हैं।

वहीं एक तस्वीर में रिहाना राधिका मर्चेंट के साथ, अंबानी की बड़ी बहू श्लोका और ईशा अंबाी के साथ नजर आ रही हैं। इससे पहले ओरी ने अपने लुक की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की थीं, जहां वो क्रिस्टल इयररिंग्स के साथ छाए थे।

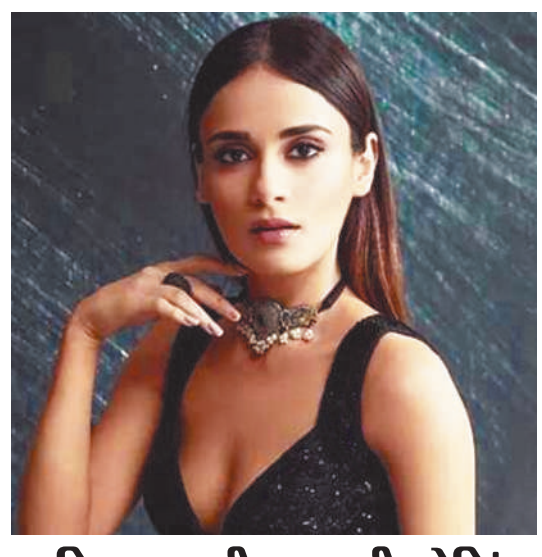

राधिका बदली नाम की स्पेलिंग

बी-टाउन स्टार्स को सक्सेस पाने के लिए हर वह चीज करते हुए देखा जाता है जो वह कर सकते हैं। बात चाहे अलग-अलग किरदार निभाने की हो या फिर अपनी पर्सनैलिटी को चेंज करने की दर्शकों के दिल में जगह बनाने के लिए स्टार्स हर मुमकिन कोशिश करते हैं। कुछ स्टार्स ऐसे भी हैं जिन्होंने सफलता पाने के लिए ज्योतिष विद्या का सहारा लिया है। सक्सेस पाने या फिर परेशानियों से छुटकारा पाने के लिए हमने कई लोगों से रत्नों का सहारा लेते हुए देखा है लेकिन कुछ सितारे तो ऐसे हैं जिन्होंने अपने नाम की स्पेलिंग तक बदल डाली है। अब इस लिस्ट में एक्ट्रेस राधिका मदान का नाम भी शामिल हो गया। जी हां, राधिका मदान ने भी अपनी नाम की स्पेलिंग को बदला है।

संक्षिप्त समाचार

एनसीआर के होटल में सजा था सेक्स बाजार, 29 लड़के-लड़कियां पकड़े गए

नईदिल्ली, एजेंसी। एनसीआर में एक बार फिर बड़े सेक्स रैकेट का खुलासा हुआ है। इंदिरापुरम के एक होटल में छापा पड़ा तो वहां की हालत देखकर पुलिस भी हैरान रह गई। पुलिस ने 29 लड़के-लड़कियों को हिरासत में लिया है। पुलिस पूछताछ करके नेटवर्क को खंगालने में जुट गई है। इस रैकेट में और भी लोगों के जुड़े होने की आशंका है। इंदिरापुरम थाना क्षेत्र स्थित शक्ति खंड तीन के दीप रेजीडेंसी होटल में दो माह से चल रहे देह व्यापार का पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। इस दौरान पुलिस ने छापा मारकर दिल्ली निवासी संचालक पंकज और 18 व्यक्तियों और 10 महिलाओं को पकड़ लिया। पकड़े गए लोगों को थाने लाकर पूछताछ की जा रही है। डीसीपी ट्रांस हिंडन निमिष पाटिल ने बताया कि मंगलवार की शाम पुलिस को सूचना मिली कि उपरोक्त होटल में देह व्यापार का अनैतिक कार्य किया जा रहा है। मामला संज्ञान में आते ही सूचना को पुख्ता किया गया और फिर उनकी टीम ने मौके पर जाकर छापा मारा। उन्होंने बताया कि पुलिस का छापा लगते ही वहां हड़कंप मच गया और होटल में मौजूद लोग इधर-उधर भागने लगे, लेकिन पुलिस ने उन सभी को पकड़ लिया। तलाशी लेने पर मौके से पुलिस को 39 मोबाइल फोन के अलावा आपत्तिजनक सामान और गोलियां तथा हजारों रुपए बरामद हुए हैं। उन्होंने बताया कि होटल से पकड़कर थाने लाए गए लोगों से पूरे मामले को लेकर और भी पूछताछ की जा रही है। घटना के संबंध में पुलिस की तरफ से मुकदमा दर्ज कराया जा रहा है। हाल के समय में गाजियाबाद में पुलिस ने कई बड़े सैक्स रैकेट का खुलासा किया है। इससे पहले भी कुछ मॉल, स्पा सेंटर और होटल में देह व्यापार चलता हुआ पाया गया है। पुलिस मुहिम के तहत देह व्यापार के अड्डों पर कार्रवाई कर रही है।

पहले बनाते थे चाभी, फिर माल लेकर फरार, दिल्ली में चोर गिरोह पर शिकंजा

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के मंदिर मार्ग पुलिस ने चाभी बनाने के बहाने घर में चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने गिरोह के सरगना को गिरफ्तार कर चोरी के गहने और नगदी बरामद किया है। फिलहाल गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश की जा रही है। डीसीपी देवेश कुमार महला ने बताया कि शिक्षा विभाग में लैब असिस्टेंट पंकज कुमार ने शिकायत दी थी। पीड़ित ने बताया कि आलमारी के ताले में दिक्कत थी और उन्होंने 26 फरवरी को गली में घूमने चाभी-ताला बनाने वाले सिकलीगर को बुलाया। आलमारी देखने के बाद वह शख्स अपने सहकर्मी को लाने के लिए गया। वह दोपहर अपने साथी को लेकर आया और आलमारी बनाने के बहाने तीन लाख रुपये के सोने के गहने एवं 25 हजार रुपये नगदी लेकर फरार हो गये। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर एफआईआर दर्ज कर लिया। एसएचओ मंदिर मार्ग अमित तिवारी की देखरेख में एसआई संतोष और एसआई ओमबीर की टीम ने सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाली। फुटेज के अनुसार वारदात के बाद बदमाश पहाड़गंज इलाके में गायब हो गये। इसके बाद पुलिस ने पहाड़गंज के सभी होटलों को खंगाला तो एक जगह वारदात में शामिल शख्स की फुटेज मिल गई। पुलिस से बचने के लिए वर्षों पुराने बंद फोन नंबर और फर्जीपहचान पत्र का इस्तेमाल होटल में किया गया था। लेकिन जांच में एक जगह आधार नंबर मिल गया जिसके आधार पर पुलिस ने मंजीत सिंह की पहचान की। आरोपी को पुलिस ने उदयपुर इलाके से सोमवार को गिरफ्तार कर लिया लेकिन उसके दो अन्य साथी फरार हैं। पूछताछ में मंजीत ने बताया कि वह समूह में दिल्ली सहित देश के अन्य महानगरों में जाते हैं। वहां छोटे छोटे होटलों में रुक कर शिकार तलाशते हैं और चोरी होते ही शहर छोड़कर फरार हो जाते हैं।

कांग्रेस-आप के साथ आने से दिल्ली में बदल जाएगी बाजी? चौंका रहे सर्वे

नईदिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली में लोकसभा चुनाव को लेकर सभी सियासी पार्टियां तैयारी में जुट गई हैं। इसी क्रम में पार्टियों द्वारा उम्मीदवारों के नाम घोषित किए जा रहे हैं। मालूम हो कि दिल्ली में लोकसभा की सात सीटें हैं। दिल्ली में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी और कांग्रेस का गठबंधन है। जबकि बीजेपी अकेले चुनाव मैदान में है। दिल्ली में अभी तक भारतीय जनता पार्टी ने पांच सीटों पर प्रत्याशियों के नाम का ऐलान भी कर दिया है।

ऐसे में सवाल उठता है कि क्या आप और कांग्रेस का गठबंधन बीजेपी पर भारी पड़ेगी या बीजेपी एक बार फिर जीत का परचम लहराने में सफल होगी। इसी को लेकर इंडिया टीवी-सीएनएक्स की ओर से एक ओपिनियन पोल कराया गया है, इसके नतीजे चौकाने वाले हैं। इंडिया टीवी-सीएनएक्स के ओपिनियन पोल के मुताबिक, दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी पूरी तरह से सभी सीटों पर काबिज होती

दिख रही है।

वहीं, जहां एक तरफ दिल्ली में बीजेपी क्लीन स्वीप कर रही है। वहीं दिल्ली में आप-कांग्रेस गठबंधन का खाता नहीं खुलेगा। नई दिल्ली से पहली बार सुषमा स्वराज की बेटी बांसुरी स्वराज पहली बार लोकसभा का चुनाव लड़ रही हैं। ओपिनियन पोल के मुताबिक, बांसुरी पहली ही बार में लोकसभा पहुंच सकती हैं। वहीं, बीजेपी ने चांदनी चौक से प्रवीण खंडेलवाल को उम्मीदवार बनाया है। उत्तर-पूर्वी दिल्ली से बीजेपी ने दिल्ली प्रदेश बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष और भोजपुरी फिल्मों के स्टार मनोज तिवारी को टिकट दिया है। वहीं, पश्चिमी दिल्ली सीट पर बीजेपी ने कमलजीत सहरावत को उम्मीदवार बनाया है। दक्षिण दिल्ली से बीजेपी ने रमेश बिधूड़ी की जगह इस बार बीजेपी ने रामवीर बिधूड़ी को कैंडिडेट बनाया है। इसके अलावा पूर्वी दिल्ली सीट पर अभी तक बीजेपी ने अपने उम्मीदवार के नाम का ऐलान नहीं किया है।

बता दें कि साल 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को दिल्ली में 22.50त्न वोट मिले थे। जबकि आप का वोट शेयर 18.10त्न रहा था। जबकि बीजेपी को अकेले 56.9 प्रतिशत मत मिला था। लोकसभा चुनाव 2019 में बीजेपी को दिल्ली की सातों सीटों पर कुल डाले गए मतों में 49,08,541 मत मिले थे। ज?बकि दूसरे नंबर पर रही कांग्रेस को 19,53,900 मतदाताओं का समर्थन मिला था। आम आदमी पार्टी को 15,71,687 मत मिले थे।

सर एसआई नहीं बनना, वापस हवलदार बना दो; दिल्ली पुलिसकर्मी को नहीं भाया प्रमोशन

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस में हवलदार के पद पर कार्यरत पुलिसकर्मी ने सब इंस्पेक्टर की परीक्षा पास कर ली। उसका चयन दिल्ली पुलिस में सब इंस्पेक्टर के पद पर हो गया, लेकिन दिल्ली पुलिस अकादमी में प्रशिक्षण के दौरान ही उसे यह पद और काम पसंद नहीं आया। उसने वरिष्ठ अधिकारियों से निवेदन किया कि उसे वापस हवलदार की नौकरी पर बहाल कर दिया जाए। दिल्ली पुलिस ने इसके लिए मंजूरी दे दी है।

जानकारी के अनुसार, नीरज कुमार का चयन वर्ष 2016 में दिल्ली पुलिस में बतौर हवलदार (कम्युनिकेशन) हुआ था। वह वायरलैस ऑपरेटर का काम कर रहा था। दो वर्ष की नौकरी के बाद वर्ष 2018 में उसे दिल्ली पुलिस ने पक्का कर दिया था। इसके बाद से वह लगातार वायरलैस ऑपरेटर के रूप में शांतिपूर्ण नौकरी कर रहा था। बीते वर्ष दिल्ली पुलिस में सब इंस्पेक्टर पदों के लिए भर्ती निकाली। इसमें नीरज ने फॉर्म भरा। उसने लिखित परीक्षा, फिजिकल टेस्ट और मेडिकल पास कर लिया। एसएससी द्वारा जब सूची जारी की गई तो उसमें नीरज का चयन सब इंस्पेक्टर के पद पर हुआ। बीते फरवरी में उसे सब इंस्पेक्टर का प्रशिक्षण पाने के लिए दिल्ली पुलिस अकादमी जाने के निर्देश मिले। 19 फरवरी से वहां उसका प्रशिक्षण शुरु हुआ। इसके कुछ दिन बाद ही उसने निर्णय लिया कि वह सब इंस्पेक्टर बनकर थाने में काम करने की जगह वापस कम्युनिकेशन विभाग में हवलदार बनेगा। उसने अपने इस निर्णय को लेकर अधिकारियों के समक्ष आवेदन किया। उसने अधिकारियों को बताया कि वह वापस अपनी पुरानी नौकरी में हवलदार बनकर जाना चाहता है।

मूसेवाला की तरह मार देंगे मुझे, एल्विश यादव की शिकायत करने वाले ने अदालत को बताया डर

नईदिल्ली, एजेंसी। यूट्यूबर एल्विश यादव और राहुल यादव उर्फ फाजिलपुरिया के गाने के वीडियो में दुर्लभ प्रजाति के सांपों का इस्तेमाल के मामले में मंगलवार को कोर्ट में शिकायतकर्ता पीपल फॉर एनिमल (पीएफए) संस्था के अधिकारी सौरभ गुप्ता ने कोर्ट को एक चिट्ठी भेजी। इसमें सौरभ ने कहा कि उन्हें अंतरराष्ट्रीय जंगली जीव गिरोह से धमकियां मिल रही हैं। सौरभ ने चिट्ठी में आगे लिखा है कि उनको अंदेशा है कि पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला और इनेलो के प्रदेश अध्यक्ष रहे नफे सिंह राठी की तरह उनपर भी हमला हो सकता है। इस मामले में तारीख लंबी दी जाए, ताकि पुलिस उनकी सुरक्षा सुनिश्चित कर सके। सुनवाई के दौरान मंगलवार को कोर्ट में एल्विश यादव की तरफ से उनके वकील पेश हुए। जस्टिस मनोज राणा की कोर्ट ने सुनवाई करते हुए अगली तारीख 28 मार्च के लिए निर्धारित कर दी। कोर्ट में मंगलवार को जांच की स्टेटस रिपोर्ट सौंपी जानी थी। साल 2023 में सिंगर फाजिलपुरिया और एल्विश यादव का गाना 32 बोर लॉन्च हुआ था, जिसमें सांपों का इस्तेमाल किया गया था। पूरे गाने में दस से ज्यादा सांपों का इस्तेमाल किया गया।

सुप्रीम कोर्ट से ममता सरकार को झटका

नईदिल्ली, एजेंसी।
ममता सरकार को आज सुप्रीम कोर्ट से तगड़ा झटका लगा। संदेशखाली और शेख शाहजहां मामले में सीबीआई जांच के खिलाफ ममता सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा ठकठकाया था,लेकिन कोर्ट ने इस मामले पर तुरंत सुनवाई करने से इनकार कर दिया। ममता सरकार की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि सुनवाई कब हो, ये ष्टछ्वढ्ढ तय करेंगे। शाहजहां शेख को सीबीआई को सौंपे जाने के हाईकोर्ट खिलाफ सुप्रीम कोर्ट मे पश्चिम बंगाल सरकार ने की जल्द सुनवाई की मांग की थी

ममता सरकार ने हाई कोर्ट के फैसले को चुनौती दी है। बता दें कि मंगलवार (5 मार्च) को कलकत्ता हाईकोर्ट ने ईडी टीम पर हमले की जांच को सीबीआई को सौंपने के आदेश दिए थे। दरअसल, ममता सरकार का कहना है कि एसआईटी इस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। सीबीआई को मामला सौंपना बिल्कुल गलत है।

दिल्ली-एनसीआर में बदलने वाला है मौसम, अब गर्मी के लिए हो जाइए तैयार

नईदिल्ली, एजेंसी।
राजधानी दिल्ली में अगले चार दिनों तक हल्की ठंड बनी रहेगी। इस दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान 25 से 28 डिग्री, जबकि न्यूनतम नौ से 11 डिग्री के आसपास बना रहेगा। 10 मार्च के बाद से दिल्ली के तापमान में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। इस दौरान सुबह-शाम ठंड बनी रहेगी, जबकि दोपहर को धूप से राहत मिलेगी। मौसम विभाग के अनुसार, मंगलवार को दिल्ली का अधिकतम और न्यूनतम तापमान सामान्य से चार डिग्री कम रहा। अधिकतम तापमान 23.4 डिग्री दर्ज किया गया जबकि, न्यूनतम तापमान 9 डिग्री रहा। हवा की रफ्तार भी आठ से 20 किलोमीटर प्रतिघंटा रही। मंगलवार को दिल्ली के अधिकांश इलाकों में हवा मध्यम श्रेणी में रही। दिल्ली-एनसीआर के लोगों की मंगलवार की सुबह मौसम में हल्की ठंड के साथ हुई। राजधानी के कुछ हिस्सों में न्यूनतम तापमान गिरकर 7 डिग्री सेल्सियस से भी

कम हो गया, क्योंकि क्षेत्र में ठंडी, शुष्क हवाएं चल रही थीं, जिससे ठंड बरकरार रही। वहीं दिन में धूप निकलने से थोड़ी राहत मिली। सफदरजंग स्टेशन पर न्यूनतम तापमान, 9 डिग्री सेल्सियस था, जो साल के इस समय के लिए सामान्य से चार डिग्री कम है और 2019 के बाद से मार्च के एक दिन के लिए सबसे कम है। दिन का अधिकतम तापमान भी सामान्य से कम था (सामान्य से चार डिग्री नीचे) 23.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के पूर्वानुमानों से पता चला है कि मौसम में ठंड बरकरार रहने की संभावना नहीं है, फिर भी शनिवार तक न्यूनतम तापमान 10-11 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है। आईएमडी वैज्ञानिक कुलदीप श्रीवास्तव ने कहा कि अब अगले सात दिनों में कोई पश्चिमी विक्षोभ आने की संभावना नहीं है और आमतौर पर आसमान साफ रहेगा, जिससे दिन फिर से गर्म हो जाएंगे और रात का तापमान सामान्य से नीचे रहेगा। उन्होंने कहा, बुधवार को न्यूनतम तापमान लगभग 11 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है और उसके बाद शनिवार तक यह 10 डिग्री सेल्सियस और 11 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। हालांकि दिन फिर से गर्म होने लगेंगे।

नेपाल के प्रधानमंत्री की सहयोगियों से सत्ता साझेदारी में नहीं बना पाई सहमति, प्रचंड ने अपने पास रखे 25 मंत्रालय

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड मंगलवार को सहयोगियों के साथ सत्ता साझेदारी समझौते पर सहमति बनाने में विफल रहे। उनकी सहयोगियों के साथ बातचीत बेनतीजा समाप्त हो गई। इससे नेपाली कांग्रेस के साथ नाटकीय तरीके से गठबंधन समाप्त करने के बाद प्रचंड सरकार की स्थिरता को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं।

प्रचंड ने कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (एकीकृत मा?र्क्सवादी-लेनिनवादी) के साथ नया गठबंधन बनाया है। संसद में संख्या बल के लिहाज से पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की अगुआई वाली यह पार्टी दूसरे नंबर की है। इसके बाद सीपीएन-यूएमएल से पदम गिरी, कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (माओवादी केंद्र) से हित बहादुर तमांग और राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) से डोल प्रसाद अर्याल ने सोमवार को पद और गोपनीयता की शपथ ली। सोमवार को नया गठबंधन बनाने के बाद चारों दल, सीपीएन (माओवादी केंद्र), सीपीएन-यूएमएल, लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी और जनमत पार्टी आठ सूत्री समझौते पर पहुंचे। समझौते के अनुसार, चारों दल नेशनल असेंबली अध्यक्ष चुनाव में माओवादी सेंटर के उम्मीदवार का समर्थन करने पर सहमत हुए हैं और उपाध्यक्ष के लिए यूएमएल उम्मीदवार का समर्थन करने का निर्णय लिया गया। हालांकि, सत्तारूढ़ गठबंधन के सदस्यों के बीच सत्ता साझेदारी पर सहमति नहीं बन पाने के कारण प्रधानमंत्री प्रचंड नई गठबंधन सरकार के गठन के 24 घंटे बाद भी कैबिनेट सदस्यों को मंत्री पद बांटने में विफल रहे। सीपीएन-यूएमएल के समर्थन से आनन-फानन में गठित हुए मंत्रिमंडल में प्रचंड ने गृह, रक्षा, विदेश और वित्त समेत 25 विभाग अपने पास रखे हैं। प्रधानमंत्री ने मंगलवार को सीपीएन-यूएमएल के चेयरमैन ओली, जनता समाजवादी पार्टी प्रमुख उपेंद्र यादव और आरएसपी अध्यक्ष रवि लामिछाने के साथ वार्ता की। हालांकि वार्ता बेनतीजा समाप्त हो गई। सीपीएन-यूएमएल के केंद्रीय सदस्य बिष्णु रिजाल ने बताया कि गठबंधन के सदस्यों के बीच मंगलवार शाम तक चर्चा चलने के कारण बुधवार तक कैबिनेट विस्तार पूरा होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि चारों पार्टियों के पास संसद में 142 सीटें है और यह बहुमत दिखाने के लिए पर्याप्त हैं। चीन के विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि बीजिंग सरकार नेपाल की नई सरकार के साथ काम करने के लिए तैयार है। इससे नेपाल में हुए नए राजनीतिक बदलाव में बीजिंग का हाथ होने के अनुमान को बल मिला है। बीजिंग में नियमित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि चीन की नेपाल की नई सरकार के साथ काम करने की इच्छा है। बेल्ड एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआइ) की अधूरी परियोजनाओं, भ्रष्टाचार एक महत्वाकांक्षी हवाई अड्डे की जांच को लेकर चीन विवादों में घिरा है।

टेक्सास में भीषण आग ने मचाया कहर, सैकड़ों जानवर और कई घर जले

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के टेक्सास राज्य के इतिहास की सबसे बड़ी आग ने लाखों मीटर के इलाके को अपनी चपेट में ले लिया है। इस आग के कारण हजारों घर और जानवर भी जल गए हैं। यही नहीं, आग बुझने के बाद अब इसके निशान भी टेक्सस राज्य में दूर-दूर तक दिखाई दे रहे हैं। दरअसल, टेक्सास पैनहैंडल के जंगलों में आग लग गई थी, जिसके कारण लोगों को प्रभावित क्षेत्र छोड़कर सुरक्षित स्थान पर जाना पड़ा। इसके कारण क्षेत्र में बिजली आपूर्ति काट दी गई, जिससे हजारों लोग प्रभावित हुए। इसके अलावा एक परमाणु हथियार इकाई को कुछ समय के लिए बंद करना पड़ा। क्योंकि तेज हवाओं, सूखी घास और बेमौसम गर्म तापमान के चलते आग तेजी से फैल रही थी। इस आग को स्मोकहाउस क्रीक फायर भी कहा जा रहा है। जंगल में लगी आग के कारण जानवर की जान भी चली गई। स्मोकहाउस क्रीक में लगी आग टेक्सस के इतिहास की सबसे बड़ी है। इस आग ने टेक्सस राज्य को बुरी तरह प्रभावित किया है। फिलहाल आग बुझाने के बाद पीड़ितों की मदद की जा रही है। बता दें कि इस आग की चपेट में आने से 10 लाख एकड़ से अधिक इलाका जलकर खाक हो चुका है।

पाक-चीन से हुई थी राम मंदिर वेबसाइट हैक की कोशिशें

इस्लामाबाद, बीजिंग, एजेंसी।
अयोध्या में 22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से ठीक पहले पाकिस्तान और चीन के हैकर्स भारतीय वेबसाइट को निशाना बना रहे थे। भारतीय मीडिया इकोनॉमिक टाइम्स ने अपनी रिपोर्ट में इसका दावा किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, हैकर्स ने राम मंदिर, प्रसार भारती और यूपी सरकार से जुड़ी कई वेबसाइट को हैक करने की कोशिश की थी।

भारत के टेलीकॉम ऑपरेशन सेंटर प्राण प्रतिष्ठा से पहले करीब 264 वेबसाइट पर नजर रख रही थी। इसमें राम मंदिर, प्रसार भारती, यूपी पुलिस, एयरपोर्ट, यूपी टूरिज्म समेत कई वेबसाइट शामिल थी। इस दौरान टीएसओसी को करीब 140 जीआई एड्रैस ऐसे मिले थे जो राम मंदिर और प्रसार भारती वेबसाइट को टारगेट कर रहे थे।

रिपोर्ट के मुताबिक, 21 जनवरी को पाकिस्तान और चीन की तरफ से साइबर क्राइम की कोशिशें तेज हो गई थीं। इस दौरान करीब 1244 जीआई ऐड्रैस ब्लॉक किए गए थे। इनमें से 999 चीन के थे,जबकि बाकी पाकिस्तान, हॉन्गकॉन्ग और कंबोडिया के थे। इसके अलावा कुछ जीआई एड्रैस भारत के ही थे, जिनके खिलाफ जरूरी कार्रवाई की गई थी।

रिपोर्ट के मुताबिक, एक भारतीय अधिकारी ने बताया कि इन साइबर हमलों का सामना देश में ही बनी तकनीक के जरिए किया गया। इससे पहले जी20 समिट के दौरान भी भारत के डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर की रक्षा के लिए इन तकनीकों का इस्तेमाल किया गया था। इसमें भारत में बने-द्ब और मशीन लर्निंग टेक्नोलॉजी की सहायता ली गई, जिससे साइबर हमले से पहले से ही इसकी जानकारी मिल सके।

राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के बाद पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने इसकी निंदा की थी। 22 जनवरी को एक स्टेटमेंट में मंत्रालय ने कहा था- यह मंदिर बाबरी मस्जिद को तोड़कर बनाया गया है। ध्वस्त मस्जिद की जगह पर बना मंदिर आने वाले समय में भारतीय लोकतंत्र के माथे पर कलंक की तरह बना रहेगा।

भारत में बढ़ती हिंदुत्व विचारधारा धार्मिक सद्भाव और क्षेत्रीय शांति के लिए बड़ा खतरा है। ऐसा करके भारत मुस्लिमों को दरकिनार करने की कोशिश कर रहा है। इसके अलावा पाकिस्तान ने यूएन में भी राम मंदिर का मामला उठाया था। यूएन में पाकिस्तान के राजदूत मुनीर अकरम ने ओआईसी की मीटिंग में बाबरी मस्जिद की जगह राम मंदिर के बनाए जाने की आलोचना की थी। इसके अलावा मुनीर ने यूएन की एक संस्था अलायंस ऑफ सिविलाइजेशन के अधिकारी को खत लिखा। इसमें कहा गया है कि भारत में मंदिर बनाने के ट्रेंड से न सिर्फ भारतीय मुस्लिम बल्कि पूरे इलाके की शांति को भी खतरा है।

प्राण प्रतिष्ठा के अगले ही दिन ऑर्गेनाइजेश ऑफ इस्लामिक कोऑपरेशन ने भी इसकी प्राण प्रतिष्ठा की निंदा की थी। ओआईसी ने कहा था- भारत के अयोध्या राज्य में जिस जगह पर पहले बाबरी मस्जिद ढहाई गई थी, वहीं राम मंदिर बनाना और फिर प्राण प्रतिष्ठा होना चिंता का विषय है।

पाकिस्तान के आम चुनावों में नहीं हुई कोई गड़बड़ी, सेना के शीर्ष अधिकारी ने सभी आरोपों का किया खंडन

रावलपिंडी। पाकिस्तान के शीर्ष सैन्य अधिकारी ने देश के आम चुनावों में सेना द्वारा हस्तक्षेप के सभी आरोपों का खंडन किया है। उन्होंने देश के स्वार्थी तत्वों पर अपने फायदे के लिए दूसरों को बलि का बकरा बनाने और देश में अस्थिरता पैदा करने की कोशिश करने का आरोप लगाया है।

पाकिस्तान में 8 फरवरी को आम चुनाव होने के बाद बड़े स्तर पर नतीजों को लेकर आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। देश के कई राजनीतिक दलों, विशेषकर इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने सुरक्षा बलों पर इंटरनेट को बंद कर चुनावों में हस्तक्षेप करने का आरोप लगाया था। पाकिस्तान की स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पाक के चीफ ऑफ आर्मी चीफ स्टाफ (सीओएएस) जनरल असीम मुनीर की अध्यक्षता में 263वें कोर कमांडर्स कॉन्फ्रेंस के दौरान सेना पर लगाए गए आरोपों का पूरी तरह से खंडन किया गया है। सेना की मीडिया विंग ने सेना के शीर्ष अधिकारियों के हवाले से बताया है कि सेना ने देश में चुनाव आयोजित करने के लिए सिर्फ एक सुरक्षित वातावरण प्रदान किया।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक:- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंध्दी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय

कार्यालय पता:- 435 ऑर्बिट मॉल विजय नगर, इंदौर मध्यप्रदेश मो:- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा।

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार, आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।